जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

# राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 36 संख्याः 223 प्रभात अजमेर, सोमवार 23 मार्च, 2026 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

## मांडवा थानाधिकारी आठ लाख रूपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 22 मार्च। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की इंटेलिजेंस यूनिट उदयपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना मांडवा के थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री और कांस्टेबल भल्लाराम पटेल को 8 लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, मांडवा थाने के थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री और कांस्टेबल भालाराम ने एनडीपीएस एक्ट केस में चार लोगों को आरोपी नहीं

- थानाधिकारी निर्मल कुमार खत्री व कांस्टेबल भल्लाराम ने एनडीपीएस एक्ट केस में चार लोगों को आरोपी नहीं बनाने के लिए रिश्वत मांगी थी।

बनाने की एवज में रिश्वत मांगी थी।

एसीबी महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि गोपनीय शिकायत में आरोप था कि परिवादियों को एक प्रकरण में आरोपी नहीं बनाने की एवज में 20 लाख रुपए की रिश्वत मांगी जा

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# प्रधानमंत्री ने तेल, गैस, फर्टिलाइज़र की सप्लाई पर आपात बैठक बुलाई

## मिडिल ईस्ट युद्ध संकट के बीच देश में ईंधन व बिजली की निर्बाध-आपूर्ति पर गहन चिंतन हुआ

नई दिल्ली, 22 मार्च। मिडिल ईस्ट में गहराते युद्ध के संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज एक बड़ी इमरजेंसी बैठक बुलाई। पीएम आवास पर करीब साढ़े तीन घंटे चली इस हाई-लैवल मीटिंग में सीनियर कैबिनेट मंत्रियों के साथ कच्चे तेल, गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई चेन की समीक्षा की गई। सरकार का मुख्य फोकस युद्ध के बीच देश में ईंधन और बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना है। इस उच्च स्तरीय बैठक में गृह मंत्री, वित्त मंत्री, विदेश मंत्री और पेट्रोलियम मंत्री सहित कई वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री और शीर्ष अधिकारी शामिल हुए।

पीएम हाउस पर हुई इस मीटिंग

- प्रधानमंत्री आवास पर हुई साढ़े तीन घंटे की उच्चस्तरीय बैठक में 13 कैबिनेट मंत्री, एनएसए अजित डोभाल तथा प्रधानमंत्री के दो प्रिंसिपल सैक्रेटरी शामिल हुए।

में 13 कैबिनेट मंत्री भी मौजूद थे। इसमें गृहमंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन, विदेश मंत्री एस जयशंकर, पीयूष गोयल, हरदीप सिंह पुरी, प्रह्लाद जोशी, अश्विनी वैष्णव, के राम मोहन नायडू, जे पी नड्डा, सर्बानंद सोनोवाल, मनोहर लाल खट्टर और शिवराज सिंह चौहान शामिल थे। इसके अलावा बैठक में एनएसए अजीत डोभाल और पीएम के दोनों प्रिंसिपल सेक्रेटरी भी मौजूद थे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य देश भर में निर्बाध आपूर्ति और कुशल वितरण सुनिश्चित करना है तथा सरकार इस दिशा में सक्रिय कदम उठा रही है।

प्रधानमंत्री ने पश्चिम एशिया में युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया के कई नेताओं से बात की है। संघर्ष शुरू होने के बाद से मोदी ने सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत, जॉर्डन, फ्रांस, मलेशिया, इजराइल और ईरान के नेताओं से टेलीफोन पर बातचीत की है।

## ईरान ने रविवार को इज़रायल पर 4 बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

तेहरान, 22 मार्च। ईरान ने रविवार सुबह इज़रायल पर चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। इन हमलों में 300 से अधिक लोग घायल हुए हैं इज़रायली विदेश मंत्रालय और स्वास्थ्य सेवाओं के मुताबिक, घायलों में बच्चे भी शामिल हैं।

इससे पहले शनिवार रात ईरान ने इज़रायल के डिमोना और अराद शहरों पर भी हमला किया था। डिमोना में इज़रायल का बड़ा न्यूक्लियर प्लांट स्थित है।

ईरान की ओर से यह हमले ट्रम्प

- इज़रायल के विदेश मंत्रालय ने इस हमले में 300 से अधिक लोगों के घायल होने की पुष्टि की

की धमकी के बाद बढ़े हैं। दरअसल, ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर धमकी देते हुए लिखा था, अगर 48 घंटे के भीतर होर्मुज़ स्ट्रेट को पूरी तरह नहीं खोला गया, तो अमेरिका ईरान के पावर प्लांट पर हमला करेगा। शुरुआत सबसे बड़े प्लांट से होगी।

वहीं, ईरान ने चेतावनी दी है कि अगर उसके पावर प्लांट को निशाना

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# ईरान से शांति वार्ता के लिए अमेरिका मध्यस्थ की तलाश में

## प.एशिया में हमले तेज हो रहे हैं, पर वार्ता के लिए रास्ते व माध्यम पर भी विचार चल रहा है

तेहरान, 22 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 23 दिनों से जारी जंग के बीच अब एक बड़ा मोड़ आता दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप जहां एक तरफ सैन्य कार्रवाई बढ़ाने की धमकी दे रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनकी टीम ने ईरान के साथ संभावित शांति वार्ता की तैयारी भी शुरू कर दी है। ट्रंप ने शुक्रवार को खुद संकेत दिया था कि वह जंग को 'धीरे-धीरे खत्म' करने पर विचार कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि अभी 2 से 3 हफ्ते और लड़ाई जारी रह सकती है। एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक इसी बीच वॉशिंगटन अब डिप्लोमेसी का रास्ता भी तैयार कर रहा है।

ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर और सलाहकार स्टीव विटकॉफ इस संभावित बातचीत की रणनीति तैयार कर रहे हैं। हालांकि अभी अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत नहीं हुई है, लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान जारी है।

- अमेरिका ने पहले मध्यस्थता के लिए ओमान का नाम आगे बढ़ाया था, पर अब वह कतर को आगे लाना चाहता है। कतर पर्दे के पीछे तो मदद करने को तैयार है, पर, फिलहाल सामने आकर भूमिका निभाने से हिचक रहा है।
- चर्चा है कि राष्ट्रपति ट्रंप के दामाद जैरेड कुशनर और सलाहकार स्टीव विटकॉफ संभावित बातचीत की रणनीति तैयार कर रहे हैं। अभी तक अमेरिका व ईरान में मिस्र, कतर, व ब्रिटेन के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ ह

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन उसने बेहद कड़ी शर्तें रखी हैं।हालांकि, ईरान ने बातचीत के लिए शर्त रखी है कि पहले जंग रोकी जाए और उसे हुए नुकसान का मुआवजा दिया जाए। ईरान का यह भी कहना है कि भविष्य में उस पर फिर से हमला नहीं होगा, इसकी पक्की गारंटी मिले।

दूसरी तरफ, ट्रम्प ने साफ कर दिया है कि वे अभी ईरान की सभी शर्तें मानने के लिए तैयार नहीं हैं, खासकर मुआवजे की मांग को। अमेरिका और ईरान के बीच सीधी बातचीत फिलहाल नहीं हो रही है। लेकिन मिस्र, कतर और ब्रिटेन जैसे देश मध्यस्थ का रोल निभा रहे हैं।

अमेरिका चाहता है कि ईरान अपना मिसाइल प्रोग्राम कुछ समय के लिए बंद करे, यूरेनियम एनरिचमेंट रोक दे और अपने परमाणु ठिकानों को भी बंद करे। इसके अलावा, ईरान हिजबुल्लाह और हमास को पैसे देना भी बंद करे।

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# पाकिस्तान में लश्कर के कमांडर बिलाल की परिजनों ने हत्या की

## शनिवार को ईद की नमाज़ के बाद परिवार के सदस्यों ने बिलाल को चाकू और गोली से मारा

इस्लामाबाद, 22 मार्च। पाकिस्तान से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। यहां प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर बिलाल आरिफ सराफी की उसके ही परिवार के सदस्यों ने हत्या कर दी।

यह घटना शनिवार को ईद की नमाज के बाद लाहौर के पास मुरीदके में हुई। रिपोर्टों के अनुसार, बिलाल पर पहले चाकू से हमला किया गया और फिर उसे गोली मार दी गई।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इस हत्या के पीछे का मुख्य कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। वारदात मुरीदके में लश्कर के ध्वस्त मुख्यालय के पास हुई, जिस पर भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमला

- हत्या के पीछे मुख्य कारण पारिवारिक विवाद बताया जा रहा है। बिलाल 2005 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था। युवाओं की भर्ती, वैचारिक प्रशिक्षण, धन जुटाने व हथियारों की खरीद में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।

किया था।

पुलिस ने इस मामले में संलिप्त परिवार के सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। इंटरनेट मीडिया पर कुछ वीडियो भी बहु-प्रसारित हुए हैं जिनमें बिलाल का शव जमीन पर पड़ा दिखाई दे रहा है, हालांकि उनकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बिलाल आरिफ सराफी साल 2005 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा था।वह मुरीदके केंद्र में युवाओं की भर्ती करने और उन्हें वैचारिक प्रशिक्षण (ब्रेनवाश करने) देने का मुख्य जिम्मा संभालता था।

इसके अलावा, वह संगठन के लिए धन जुटाने और हथियारों की खरीद-फरोख्त में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता था। बिलाल अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ तैयबा कालोनी में रहता था। विशेष रूप से, वह भारत में किसी मामले में वांछित नहीं था।

## केसी त्यागी राष्ट्रीय लोकदल में शामिल हुए

नई दिल्ली, 22 मार्च। जनता दल (यूनाइटेड) से हाल ही में त्यागपत्र देने वाले वरिष्ठ नेता के.सी. त्यागी रविवार को राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) में

- जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे त्यागी को जयंत चौधरी ने औपचारिक रूप से पार्टी का सदस्य बनाया।

शामिल हो गए। केन्द्रीय मंत्री व रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल कराया। केसी त्यागी ने साल 2003 में समता पार्टी से होते हुए जद (यू) में कई

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2021 की धांधली में कोर्ट के फैसले का बेसब्री से इंतजार

## पूर्ववर्ती गहलोत सरकार के समय का आर.पी.एस.सी. का एक और बड़ा घपला कोर्ट के समक्ष उजागर हुआ

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट में सहायक प्रोफेसर (स्किन एवं वीडी) की नियुक्ति के मामले पर सोमवार को सुनवाई होनी है। इस मामले में आर.पी.एस.सी. तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा अपील दायर की गई है। कार्यकारी मुख्य न्यायाधीश एस.पी.शर्मा और न्यायाधीश शुभा मेहता की खंडपीठ के समक्ष इस प्रकरण की पहली सुनवाई होगी।

यह मामला रोचक इसलिए है, क्योंकि हाईकोर्ट में जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने आर.पी.एस.सी. की भर्ती परीक्षाओं में हो रही धांधली का विस्तृत ब्यौरा उजागर किया है। इन भारी अनियमितताओं का निष्कर्ष अदालत ने आर.पी.एस.सी. द्वारा प्रस्तुत किए गए परीक्षा रिकॉर्ड के अध्ययन के बाद निकाला है।

- हाईकोर्ट की एकलपीठ ने इस भर्ती को लेकर आर.पी.एस.सी. से तलब किए गए रिकॉर्ड का आंकलन किया तो पाया कि, एक्सपर्ट पैनल में विशेषज्ञ डॉक्टर इंटरव्यू में केवल मौजूद थे, लेकिन अभ्यर्थियों को अंक देने में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। पैनल ने किस अभ्यर्थी को कितने अंक देने की सिफारिश की, इसका भी कहीं उल्लेख नहीं था।
- इस मामले की आर.पी.एस.सी. और चिकित्सा शिक्षा विभाग द्वारा की गई अपील की पहली सुनवाई आज है।
- हैरानी की बात है कि वर्ष 2022 में राज्य कैबिनेट ने भर्ती परीक्षाओं के इंटरव्यू में अधिकतम 10 प्रतिशत अंक देने का निर्णय लिया था, परंतु आर.पी.एस.सी. सदस्य मनमाने ढंग से अभ्यर्थियों को अंक बांटते रहे।

इस मामले में डॉ. रचिता माथुर द्वारा वर्ष 2024 में हाईकोर्ट के समक्ष याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने कहा कि आर.पी.एस.सी. ने नवंबर-2021 में सहायक प्रोफेसर के 337 पदों के लिए विज्ञप्ति जारी की थी। इनमें कुछ पद सुपर स्पेशलिटी की डॉक्टरी से संबंधित थे, जबकि कुछ पद "ब्रॉड स्पेशलिटी" के थे। आर.पी.एस.सी. ने अपनी भर्ती विज्ञप्ति में अंकित किया था कि "अभ्यर्थियों का चयन साक्षात्कार के माध्यम से किया जाएगा। यदि विज्ञापन के आधार पर प्राप्त आवेदन पत्रों की संख्या अधिक होगी तो आयोग द्वारा संवीक्षा (स्क्रीनिंग) परीक्षा आयोजित करके अभ्यर्थियों की संख्या यथोचित सीमा तक कम कर सकती है।"

इस मामले में विवाद तब खड़ा हुआ, जब कुछ अभ्यर्थी वर्ष 2022 में

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## मोदी ने 8931 दिन सरकार का मुखिया रहने का कीर्तिमान बनाया

नई दिल्ली, 22 मार्च। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को लगातार 8,931 दिनों तक सरकार के मुखिया के रूप में सेवा का नया कीर्तिमान रच दिया है। उन्होंने सिक्किम के पूर्व

- रविवार को उन्होंने गुजरात के मुख्यमंत्री और देश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यकाल 8931 दिन पूरे किए।

मुख्यमंत्री पवन कुमार चामलिंग के 8,930 दिनों के इसी तरह के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है।

पवन कुमार चामलिंग ने 8,930 दिनों तक मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री और अब प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल को मिलाकर 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं। यह एक बड़ी उपलब्धि है, जो लंबे समय तक निरंतर सार्वजनिक सेवा की भावना और नेतृत्व को दर्शाती है।

अमित शाह, राजनाथ सिंह और रेखा गुप्ता सहित भाजपा के दिग्गज

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

# जब से युद्ध शुरु हुआ है, ट्रंप सात बार यह घोषणा कर चुके हैं कि अमेरिका युद्ध जीत गया है

## लगातार डींग मारने की प्रवृत्ति के कारण ट्रंप की विश्वसनीयता काफी संदिग्ध मानी जाती है, ईरान युद्ध के बारे में

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 मार्च। ईरान ने हाल ही में बड़े स्तर पर हमले किए और इन हमलों की पहुंच व आर्थिक प्रभाव के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप मजबूरन यह संकेत दे रहे हैं कि वॉशिंगटन युद्ध को "कम" कर सकता है। ज्ञातव्य है कि हाल ही में ईरान ने एफ-35 लड़ाकू विमानों व ब्रिटेन-अमेरिकी सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया पर हमला किया है।

तेल की बढ़ती कीमतें और हालिया जनमत सर्वेक्षणों में गिरती लोकप्रियता ने ट्रंप को परेशान कर दिया है। उनकी निराशा इस बात से भी बढ़ी है कि अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी ईरान के खिलाफ ट्रंप के युद्ध का समर्थन नहीं कर रहे हैं।

पिछले 21 दिनों में युद्ध की लागत लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ट्रंप प्रशासन की चिंता का एक और कारण है। वाइट हाउस ने ईरान युद्ध के लिए अतिरिक्त 200 अरब डॉलर की मांग की है।

यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड के विशेषज्ञों का मानना है कि वॉशिंगटन वास्तव में इज़रायल का युद्ध लड़ रहा है, जिससे ट्रंप की हताशा और बढ़ गई है।

खबर आई है कि ईरान ने दुनिया के सबसे उन्नत स्टील्थ फाइटर विमानों में से एक अमेरिकी एफ-35 विमान को निशाना बनाया और क्षतिग्रस्त किया है और हाल ही में शनिवार को आई रिपोर्टों में कहा गया कि ईरान ने 4,000 किलोमीटर दूर हिंद महासागर में स्थित अमेरिका-ब्रिटेन के सैन्य अड्डे डिएगो गार्सिया को निशाना बनाया, जिससे कई लोग स्तब्ध हो गए।

ईरान द्वारा डिएगो गार्सिया की ओर दो मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें

- पर, फिर इस बार कुछ सच्चाई नज़र आ रही है, ट्रंप के इस कथन में कि अब अमेरिका-ईरान युद्ध की तीव्रता कम करना चाहता है।
- नवीनतम रायशुमारी में, ट्रंप की लगातार गिरावट तथा अमेरिका में पेट्रोल पम्प पर, पेट्रोल-डीज़ल की कीमतें बढ़ने तथा उसके परम्परागत मित्र देशों द्वारा ट्रंप के ईरान युद्ध को समर्थन नहीं देने से, ट्रंप अभी काफी कुण्ठित हैं। अतः ट्रंप के इस संकेत में, कि अमेरिका, ईरान युद्ध की "तीव्रता" कम करना चाहता है, कुछ सच्चाई नज़र आ रही है।
- ट्रंप ने यह कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ को आवागमन के लिए सुरक्षित रखना मूलतः उन देशों की जिम्मेवारी है, जो इसका उपयोग करते हैं। यह भी संकेत है कि अमेरिका अब ईरान युद्ध से छुटकारा चाहता है।

दागे जाने की खबर इस संघर्ष के और विस्तार व व्यापकता का संकेत देती है, जिससे दूरी, रणनीतिक संकेत और भूगोल का महत्व बढ़ गया है।

शनिवार सुबह अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म "ट्रूथ सोशल" पर ट्रंप ने कहा कि उनका प्रशासन मध्य पूर्व में सैन्य अभियानों को कम करने पर विचार कर रहा है।

ट्रंप ने लिखा, "हम अपने उद्देश्यों को हासिल करने के बहुत करीब हैं और मध्य पूर्व में ईरान के संबंध में अपने महान सैन्य प्रयासों को कम करने पर विचार कर रहे हैं।"

उन्होंने कहा कि "होर्मुज़ स्ट्रेट की सुरक्षा अन्य देशों को करनी होगी, जो इसका उपयोग करते हैं, अमेरिका को नहीं। जरूरत पड़ने पर अमेरिका सहायता करेगा, लेकिन ईरान का खतरा खत्म होने के बाद इसकी आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।" यह बयान उस समय आया है, जब ट्रंप सरकार क्षेत्र में सैन्य ताकत बढ़ा रही है और युद्ध के लिए कांग्रेस से अतिरिक्त 200 अरब डॉलर की मांग कर रही है। यह विरोधाभासी संदेश असामान्य नहीं है। "ऑपरेशन एपिक फ्यूरी" शुरू होने के बाद के तीन हफ्तों में ट्रंप कम से कम सात बार दावा कर चुके हैं कि अमेरिका युद्ध जीत चुका है।

इस बीच, अमेरिका ने वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के प्रयास में समुद्र में फंसे ईरानी तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंधों को 30 दिन के लिए अस्थायी रूप से हटा दिया है। ईरान का 140 मिलियन बैरल तेल समुद्री टैंकरों में है। यह कदम ईरान की कमजोर आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकता है और तेहरान को युद्ध लंबा खींचने का आत्मविश्वास दे सकता है।

अमेरिकी प्रतिबंध हटाने के बाद, भारतीय रिफाइनरीज़ व अन्य एशियाई देश ईरान से तेल खरीदने पर विचार कर रहे हैं। भारत की तीन कम्पनियों के सूत्रों ने कहा, वे इस संबंध में सरकार के निर्देशों का इंतज़ार कर रहे हैं।

## पोप ने ईरान युद्ध को मानवता के लिए शर्मनाक बताया

वेटिकन सिटी, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर पोप लियो ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ईरान से जुड़े युद्ध को पूरी मानवता के

- 14-पोप लियो ने कहा कि युद्ध को खत्म कर बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान निकालना चाहिए।

लिए गलत और शर्मनाक करार देते हुए तुरंत हिंसा रोकने की अपील की।

पोप लियो ने कहा कि इस संघर्ष में बड़ी संख्या में लोगों की जान जा रही है और कई लोग घायल हो रहे हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर चिंता जताई कि सबसे ज्यादा नुकसान निर्दोष नागरिकों को उठाना पड़ रहा है, जो बेहद दुखद और चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि इतने लोगों की पीड़ा को देखकर दुनिया चुप नहीं रह सकती। उन्होंने कहा कि जो दर्द वहां के लोग झेल रहे हैं, उसे पूरी इंसानियत को महसूस करना चाहिए।

पोप ने यह भी स्पष्ट किया कि

( शेष अंतिम पृष्ठ पर )

## विचार बिन्दु

धीरज सारे आनंदों और शक्तियों का मूल है। -फ्रैंकलिन

# समकालीन भारत में संस्कृति बनाम पहचान की राजनीति

मेरी पीढ़ी के लोगों के लिए विविधता भारत का पर्याय रही है। हमने भारत को जाना-समझा ही विविधता के माध्यम से है। लेकिन आज यह शब्द दुर्बोध होता जा रहा है। आज इसके माध्यम से भारत को समझ पाना उतना सहज नहीं रह गया है। मेरे भारत में विविधता केवल सह अस्तित्व की ही नहीं, सह निर्माण की भी सतत प्रक्रिया रही है। यहां विविध संस्कृतियां टकराई भी, घुलीं-मिली भी और फिर एक दूसरे में समाविष्ट होकर एक बहुरंगी संरचना बन गई। उसी को तो हम भारतीय संस्कृति कहते रहे हैं। लेकिन आज का भारत एक अजीब-सी विडंबना के दौर से गुज़र रहा है। आज विविधता को कई तरह से नकारा जा रहा है। संस्कृति बचाने के नाम पर उसे संकीर्ण किया जा रहा है और पहचान की राजनीति को उस पर कुछ ऐसे थोपा जा रहा है कि वह अपने मूल स्वभाव -संवाद, समावेश और प्रवाह- से दूर होती जा रही है।

यह बात सर्वमान्य है कि संस्कृति चलायमान होती है। उसका स्वभाव स्थिरता है ही नहीं। वह समय और स्थितियों के अनुसार बदलती रहती है। वह नए प्रभावों को आत्मसात करती है और इस प्रक्रिया में पुराने को नए संदर्भों में पुनर्परिभाषित करती है। भारतीय संस्कृति इसी तरह बनी है। भाषाओं, परंपराओं,खान-पान, विश्वासों और रीति-रिवाज़ों के अनगिनत स्त्रोतों ने उसे गढ़ा है। लेकिन आज पहचान की जो राजनीति अत्यधिक मुखर है वह इस वैविध्य को नकार कर स्पष्ट सीमा रेखाएं खींच देने को व्याकुल है। आज हम' और 'वे' के बीच के अंतर को धार दी जा रही है और ऐसा करने के क्रम में संस्कृति की उस नमनीयता को ही नष्ट किया जा रहा है जो उसे जीवंत बनाती है। इस बात को समझा जाना बहुत ज़रूरी है कि जब संस्कृति को किसी एक पहचान के सांचे में ढालने की कोशिश होती है तो वहअपनी सजीवता खोने लगती है।

आज के भारत में यह द्वंद्व किसी सैद्धांतिक विमर्श का विषय न रहकर रोज़मर्रा का यथार्थ बन चुका है। इतिहास के पुनर्पाठ की प्रवृत्ति बहुत तेज़ हुई है। शहरों, संस्थानों और सड़कों के नाम बदले जा रहे हैं। ऐसा केवल प्रशासनिक और सांस्कृतिक कारणों से नहीं किया जा रहा है। बहुत आसानी से समझा जा सकता है कि यह सब स्मृति और इतिहास को एक ख़ास दिशा देने के निमित्त किया जा रहा है। इतिहास की समीक्षा एक सतत ज़ारी रहने वाली प्रक्रिया होती है। हर जीवित समाज ऐसा करता है। उसे करना भी चाहिए। उससे भला किसी को भी आपत्ति क्यों होगी? लेकिन जब इतिहास की समीक्षा एक ख़ास मक़सद को सामने रखकर की जाए, एक ख़ास पहचान को प्रमुखता देने के लिए की जाए, और एक ख़ास पहचान को धूमिल करने के लिए की जाए, तो चिंता होना स्वाभाविक है। जब अतीत को वर्तमान की राजनीति के अनुरूप ढालने के प्रयास होते हैं तो फिर वह इतिहास इतिहास न रहकर नैरेटिव बन जाता है। दुर्भाग्य से आज हमारे सामने यही हो रहा है।

हम देख रहे हैं कि हमारे त्योहारों और सांस्कृतिक प्रतीकों के इर्द-गिर्द भी एक नई तरह की आक्रामक प्रतिस्पर्धा निर्मित की जा रही है। सार्वजनिक स्थानों पर भी कौन-सा उत्सव कैसे मनाया जाएगा, और किस धार्मिक कृत्य की अभिव्यक्ति तो 'संस्कृति' है और किसकी अभिव्यक्ति 'अतिक्रमण' है - ये बातें अब ज़्यादा उछाली जाने लगी हैं। अनेक जगहों पर धार्मिक जुलूसों और आयोजनों को लेकर तनाव होने लगे हैं और अब ये सब सहभागिता और आनंद के माध्यम न रहकर शक्ति प्रदर्शन और सीमा निर्धारण के उपकरण बनते या बनाए जा रहे हैं। संस्कृति मूलतः तो उत्सवधर्मी और समावेशी ही होती है लेकिन उसे प्रतिस्पर्धा के मंच में तब्दील करके उसकी मूल प्रकृति को ही बदला जा रहा है।

और ऐसा ही खान-पान के मामले में भी हो रहा है। खान-पान किसी भी संस्कृति का सर्वाधिक सहज और निजी पक्ष होता है, लेकिन अब इसे राजनीतिक आग्रह और सार्वजनिक बहस का विषय बना दिया गया है। कौन क्या खा-पी रहा है, अब यह उसके व्यक्तिगत चयन कामामला नहीं रह गया है। इससे उसकी पहचान रेखांकित होने लगी है। भोजन की थाली, जो कभी स्वाद, आनंद और क्षेत्रीय विविधता का प्रतीक मानी जाती थी, अब वैचारिक निष्ठा और धार्मिक पहचान का प्रमाण पत्र बना दी गई है। यह प्रवृत्ति व्यक्तिगत स्वतंत्रता को तो सीमित करती ही है, उस सांस्कृतिक बहुलता को भी आहत करती है जिसने भारतीय समाज को सदियों से जीवंत बनाए रखा है।

**इस समूचे द्वंद्व से सर्वाधिक प्रभावित हो रही है भारत की युवा पीढ़ी। भारत की करीब पैंसठ प्रतिशत आबादी पैंतीस वर्ष से कम आयु वाली है और यही समूह सोशल मीडिया और समकालीन विमर्श से सबसे अधिक प्रभावित है। जो युवा परिवर्तन और नवाचार का वाहक हो सकता था, उसी को पहचान के सबसे तीखे संघर्षों का वाहक बना दिया गया है। उसकी जो ऊर्जा रचनात्मक दिशा में जा सकती थी, उसे ध्रुवीकरण के निमित्त नियोजित कर दिया गया है।**

यही द्वंद्व और टकराहट भाषाओं के मामले में भी देखी जा सकती है। एक तरफ तो इस डिजिटल समय में जब सारी दुनिया एक वैश्विक गांव में बदल चुकी है, हिंदी, अंग्रेज़ी और अन्य अनेक भाषाएं एक दूसरी में घुलती-मिलती जा रही हैं वहीं दूसरी तरफ हमारे यहां भाषा की शुद्धता का आग्रह बढ़ता जा रहा है। हिंदी है तो वह पूरी तरह संस्कृतनिष्ठ ही हो, उसमें उर्दू का तो एक भी शब्द न आए - यह प्रवृत्ति बहुत मुखर है। सवाल यह है कि भाषा को उसके स्वाभाविक रूप में परिवर्तित और विकसित होने दिया जाए या उसे एक कठोर सांचे में ढाल कर जड़ बना दिया जाए! अगर संस्कृति के संरक्षण का अर्थ इस तरह उसके उपादानों को जड़ बना देना मान लेंगे तो इससे संस्कृति विकसित न होकर संकुचित ही होगी।

आज के भारत में मीडिया और ख़ास तौर पर सोशल मीडिया की भूमिका भी बहुत विचारणीय है। भारत में 80 करोड़ से ज़्यादा इण्टरनेट उपयोगकर्ता हैं, और इस तरह भारतीय समाज दुनिया के सबसे विशाल डिजिटल समाजों में शामिल है। जब इतनी बड़ी जन संख्या अपनी-अपनी पहचानों के साथ एक ही मंच पर उपस्थित होती है जितनी सम्भावना उनमें पारस्परिक संवाद की होती है उतनी ही, या उससे कुछ ज़्यादा आशंका टकराव की भी उत्पन्न होती है। तकनीक के जानकार बताते हैं कि एल्गोरिद्म आधारित प्लेटफॉर्म्स पर वही सामग्री ज़्यादा फैलती है जो भावनात्मक और विवादास्पद होती है। इसकी परिणति पहचान आधारित ध्रुवीकरण के तेज़ होने में होती है। चर्चा का हर मुद्दा पक्ष और विपक्ष के दायरों में सिमट जाता है और वह साझी ज़मीन जिस पर दोनों टिक सकते हैं संकुचित होते-होते अदृश्य ही हो जाती है।

राजनीति के इलाके में तो इस पहचान की तीव्रता और अधिक स्पष्ट है। चुनावी राजनीति में जाति, धर्म और क्षेत्रीय अस्मिताएं अधिक प्रभावी हुई हैं। संस्कृति तो यहां प्रायः एक प्रतीकात्मक आवरण के रूप में नज़र आती है। आज की राजनीति में संस्कृति का इस्तेमाल ही होता है; उसका संरक्षण करने को कोई तत्पर नज़र नहीं आता है। और यही वह बिंदु है जहां से संस्कृति का असल पतन शुरू होता है। फिर भी, मैं यह कहने में संकोच करूंगा कि हमारे यहां पहचान की राजनीति पूरी तरह नकारात्मक है। इतिहास में अनेक ऐसे क्षण आए हैं जब हाशिये पर अवस्थित समूहों ने अपनी पहचान के आधार पर ही स्थान और सम्मान प्राप्त किया है। दलित आंदोलन, स्त्री आंदोलन और विविध क्षेत्रीय अस्मिताओं के संघर्षों ने भारतीय लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाया है। समस्या तो तब उत्पन्न होती है जब राजनीति समावेश की बजाय बहिष्कार के मार्ग पर चलने लगती है, जब अपनी पहचान को स्थापित करने के लिए दूसरों के अस्तित्व को नकारा जाने लगता है। ऐसे में पहचान अधिकार का साध्न न रहकर वर्चस्व स्थापन का औज़ार बन जाती है।

इस समूचे द्वंद्व से सर्वाधिक प्रभावित हो रही है भारत की युवा पीढ़ी। भारत की करीब पैंसठ प्रतिशत आबादी पैंतीस वर्ष से कम आयु वाली है और यही समूह सोशल मीडिया और समकालीन विमर्श से सबसे अधिक प्रभावित है। जो युवा परिवर्तन और नवाचार का वाहक हो सकता था, उसी को पहचान के सबसे तीखे संघर्षों का वाहक बना दिया गया है। उसकी जो ऊर्जा रचनात्मक दिशा में जा सकती थी, उसे ध्रुवीकरण के निमित्त नियोजित कर दिया गया है।

ऐसे में सबसे बड़ी चुनौती यही है कि संस्कृति को उसके वास्तविक रूप में समझा और अंगीकार किया जाए। संस्कृति किसी एक पहचान, एक भाषा या एक परंपरा का नाम है ही नहीं। वह तो इन सबके बीच निरंतर चलते रहने वाले संवाद की परिणति है। उसे स्थिर करने का प्रयास उसे सीमित कर देना है। हमारी चिंता केवल संस्कृति और पहचान की नहीं, भारत के भविष्य की भी है। अगर संस्कृति की पहचान को संकीर्ण चौखटों में कैद कर दिया गया तो हम एक ऐसे समाज की तरफ बढ़ेंगे जहां विविधता समस्या बन जाएगी। यह वह भारत नहीं होगा जिसकी कल्पना हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने की थी और न यह वह भारत होगा जिसे हमारा संविधान रेखांकित करता है। अगर संस्कृति को बचाने के नाम पर हम उसे भय, संदेह और बहिष्कार का औज़ार बना देंगे तो इतिहास हमें क्षमा नहीं करेगा।

**-अतिथि संपादक,**
**डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,**
**( शिक्षाविद और साहित्यकार )**

# मैंने अपनी आँखों से घर टूटते देखे हैं - कानून, अदालत और चुपचाप मरते पुरुषों की कहानी



**सुनील दत्त गोयल**

मैं पिछले कुछ वर्षों से एक दर्दनाक सच्चाई को करीब से देख रहा हूँ। अख़बारों में खबरें आती हैं, सोशल मीडिया पर वीडियो चलते हैं, लेकिन असली कहानी उन घरों के भीतर लिखी जाती है जहाँ एक पति, उसका बूढ़ा पिता, उसकी माँ, उसकी बहन - सब एक साथ अदालत के कटघरे में खड़े कर दिए जाते हैं।

मैं यह नहीं कह रहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध नहीं होते। होते हैं, और बहुत गंभीर होते हैं। दहेज, घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न - ये सब हमारे समाज की कड़वी सच्चाई हैं। लेकिन मैं यह पूछना चाहता हूँ - क्या हर मामला वैसा ही होता है? क्या हर 498ए का केस सच में क्रूरता का मामला होता है? और यदि नहीं, तो उन निर्दोष लोगों का क्या, जिनका जीवन सिर्फ एक शिकायत से बर्बाद हो जाता है?

**एक एफआइआर... और पूरा परिवार अपराधी**

भारतीय दंड संहिता की धारा 498ए, 1983 में जोड़ी गई थी। उद्देश्य था - दहेज और क्रूरता से महिलाओं की रक्षा। लेकिन व्यवहार में मैंने ऐसे अनेक मामले देखे हैं जहाँ:-

पति के साथ-साथ 70 साल की माँ भी आरोपी, शहर से बाहर रहने वाली विवाहित बहन भी आरोपी, यहां तक कि दूर के रिश्तेदार भी नामजद।

एक एफआइआर दर्ज होते ही पूरा परिवार अपराधी की तरह देखा जाता है। पुलिस की पूछताछ, गिरफ्तारी का भय, पासपोर्ट जब्त, नौकरी पर असर - ये सब शुरू हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्वयं कई फैसलों में कहा है कि 498ए का रूटीन गिरफ्तारी के लिए इस्तेमाल नहीं होना चाहिए। अदालत ने ठसेलेठ पर चिंता जताई है और कहा कि बढ़ा-चढ़ाकर शिकायतें दर्ज की जाती हैं। अभियोजन विभाग की हालिया रिपोर्ट के अनुसार महिला उत्पीड़न से जुड़े मामलों में सजा का प्रतिशत लगातार गिरता हुआ दिखाई देता है, जो कानून के प्रभावी क्रियान्वयन पर गंभीर सवाल खड़े करता है। वर्ष दर वर्ष आंकड़ों पर नजर डालें तो नवंबर 2021 तक सजा दर 22.21%, अक्टूबर 2022 तक 22.33%, इसके बाद गिरकर अक्टूबर 2023 में 19.52%,दिसंबर 2024 में 19.21% और अंततः अक्टूबर 2025 तक मात्र 16.44 % रह गई। यानी समय के साथ दोषसिद्धि दर घटती जा रही है, जबकि बड़ी संख्या में आरोपी अदालतों से बरी हो रहे हैं। यह प्रवृत्ति संकेत देती है कि या तो जांच और साक्ष्य संठाहण में गंभीर खामियां हैं, या फिर कुछ मामलों में कानूनों के दुरुपयोग की आशंका भी मौजूद है। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार 498ए में चार्जशीट दाखिल दर बहुत अधिक है, लेकिन दोषसिद्धि दर लगभग 14-16% के बीच रहती है। इसका मतलब यह नहीं कि 84% मामले झूठे हैं। पर यह जरूर दर्शाता है कि बड़ी संख्या में मामलों में आरोप अंततः साबित नहीं हो पाते। लेकिन तब तक आरोपी परिवार 5-10 साल अदालतों में झूल चुका होता है।

जब कोई महिला किसी भी वजह से आत्महत्या कर ले या कोई उत्पीड़न का केस दर्ज कर देती है, तो उसे गाँव, शहर या राज्य की दर्जनों महिला संगठन और स्वयंसेवी संस्थाएँ पुरुष पक्ष के लोगों को प्रताड़ित करना शुरू कर देती हैं। उसके घर के आगे या ऑफिस के बाहर प्रदर्शन करना और उन्हें तरह-तरह से ब्लैकमेल करना शुरू कर देती हैं। लेकिन क्या कभी पुरुष की आत्महत्या के लिए कोई पुरुष संगठन ऐसा करते हुए आपने सुना है?

वह बेंगलुरु में सिंघानिया वाला केस, जिसने अपना गूगल ड्राइव पर लाइव रिकॉर्डिंग करके और सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या की - क्या उस पर कुछ एक्शन हुआ? क्या वह दोबारा अख़बारों में भी आया, उसके बारे में?

**आत्महत्या के भयावह आँकड़े - जो हमें झकझोरने चाहिए**

एनसीआरबी की "Accidental Deaths & Suicides in India" रिपोर्ट के अनुसार:-

हर साल आत्महत्या करने वालों में लगभग 70 % पुरुष होते हैं। विवाहित पुरुषों की आत्महत्या संख्या विवाहित महिलाओं से काफी अधिक पाई गई है। पारिवारिक समस्याएँ और वैवाहिक विवाद प्रमुख कारणों में दर्ज हैं। 2022 और 2023 के आंकड़े दिखाते हैं कि 1.6 लाख से अधिक आत्महत्याओं में से लगभग 1 लाख से अधिक पुरुष थे। इनमें बड़ी संख्या विवाहित पुरुषों की थी। मैंने ऐसे परिवार देखे हैं जहाँ पति ने सुसाइड नोट में लिखा - मैं निर्दोष हूँ, लेकिन केस और बदनामी सह नहीं पा रहा। मैंने ऐसे बुजुर्ग पिता देखे हैं जो कहते हैं - हम अदालत में साबित हो गए कि बेटा निर्दोष था, पर वह फैसला सुनने के लिए जीवित नहीं रहा। हर आत्महत्या सिर्फ एक व्यक्ति की मौत नहीं होती। वह एक परिवार की सामाजिक मृत्यु होती है।

**घरेलू हिंसा अधिनियम - लेकिन पुरुष कहाँ जाए?**

"The Protection of Women from Domestic Violence Act, 2005" ने महिलाओं को सुरक्षा, निवास अधिकार, भरण-पोषण जैसे कई महत्वपूर्ण अधिकार दिए। लेकिन यदि कोई पुरुष मानसिक या शारीरिक हिंसा का शिकार होता है, उसके लिए कोई समानांतर ढांचा नहीं है।

भारत में राष्ट्रीय महिला आयोग है। राज्य महिला आयोग हैं। लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर पुरुष आयोग नहीं है। मैं यह नहीं कहता कि महिला आयोग की आवश्यकता नहीं है। लेकिन क्या न्याय व्यवस्था में संतुलन नहीं होना चाहिए? क्या पुरुषों की शिकायतों के लिए संस्थागत मंच नहीं होना चाहिए?

**पहचान की असमानता** - सामाजिक सज़ा पहले, अदालत बाद में कानून के तहत महिला पीड़िता की पहचान छिपाई जाती है - यह सही है और होना भी चाहिए। लेकिन मैंने देखा है कि पुरुष आरोपी का नाम, फोटो, पेशा, पूरा विवरण मीडिया में छप जाता है। बाद में यदि वह बरी हो जाए, तो क्या मीडिया उसी प्रमुखता से उसकी बेगुनाही प्रकाशित करती है? प्रतिष्ठा एक बार धूमिल हो जाए, तो जीवन भर दाग रहता है। एक और बड़ी अजीब सी दुर्गति मुझे कानून की नज़र आती है कि जब भी महिला उत्पीड़न का कोई केस होता है, तो उसकी सुनवाई के लिए केवल महिला न्यायिक अधिकारी को ही लगाया जाता है - चाहे वह लोअर कोर्ट हो या हाई कोर्ट। तो क्या उच्च न्यायालय के अधिकारी यह समझते हैं कि महिला को न्याय सिर्फ महिला ही दे सकती है? क्या यह एक तरफ़ा और एक तरीके से लैंगिक असमानता नहीं है? क्या उन्हें अपने पुरुष जजों या पुरुष न्यायिक अधिकारियों पर भरोसा नहीं है, जो ऐसा मानते हैं कि पुरुष तो शुरू से ही निकम्मा है और उसी की गलती है? इसलिए महिला जज ही लगाई जाए और वह कड़ी सज़ा करेगी। यह दोगलापन है, यह लैंगिक असमानता है, और जब तक यह समाप्त नहीं होगी, आने वाले समय में ऐसा न होकर रिश्तों में खटास पैदा हो जाएगी।

मैरिटल रेप और वैवाहिक निजता : मैरिटल रेप पर चल रही बहस अत्यंत संवेदनशील है। एक ओर महिला की गरिमा और सहमति का प्रश्न है, दूसरी ओर वैवाहिक संबंधों का निजी क्षेत्र। मैंने मैरिटल रेप के बारे में आजकल बड़े-बड़े जजमेंट पढ़े हैं। कोर्ट या अदालत यह तय करेगी कि कल रात पति-पत्नी के बीच संबंध बने थे या नहीं? यदि पत्नी की इच्छा नहीं थी और पति ने उसे संभोग के लिए मजबूर किया, तो उसने कौन-सा गुनाह कर दिया? शादी के समय भी वह साथ रहने के वादे करके आई थी। और मान लीजिए कभी पति की इच्छा न हो और पत्नी ज़बरदस्ती करे, तब की स्थिति में पत्नी कहाँ जाएगी? और उस वक़्त कोन से क़ानून की धाराएँ किसके खिलाफ लगाई जाएँगी। इन कानूनों में एकतरफ़ा व्यवस्था है। कानून के इस स्वरूप से डर लगने लगा है। आजकल शादियाँ बहुत जल्दी टूट रही हैं, और मुझे ऐसा लगता है कि इन एकतरफा कानूनों का भी कहीं न कहीं बड़ा योगदान साबित होता जा रहा है। यदि भविष्य में इसे अपराध घोषित किया जाता है, तो यह सुनिश्चित करना होगा कि स्पष्ट परिभाषा, प्रमाण मानक और दुरुपयोग रोकने की ठोस प्रक्रिया हो। अन्यथा हर वैवाहिक विवाद संभावित आपराधिक मुकदमे में बदल सकता है।

**तलाक प्रक्रिया - जीवन का दशक अदालत में**

भारत में तलाक के मामले 5-10 वर्ष तक चल सकते हैं। इस दौरान:

भरण-पोषण के आदेश
498A, DV Act, 406 IPC
जैसे समानांतर केस
पासपोर्ट, प्रमोशन, विदेश अवसरों पर असर

दोनों पक्षों का जीवन रुक जाता है। लेकिन पुरुष अक्सर आर्थिक और कानूनी दबाव के दोहरे बोझ में फंस जाता है। मेरा तो प्रत्येक लड़के वालों को सुझाव है की स्वयं वधु या उनके परिवार की नौकरी चाहे सरकारी हो या गैर सरकारी या प्राइवेट नौकरी या व्यापारिक परिवार से हों, जब वधू पक्ष के लोग इस तरह का मुकदमा फाइल करते हैं, तो दहेज में बेशुमार रकम देना दिखा देते हैं, जबकि उनकी आर्थिक स्थिति और आयकर विवरणी/दस्तावेज किसी भी तरह से इस बात को साबित नहीं करती।

मेरा तो सरकार को, पुलिस वालों को और समस्त लड़के वालों को भी सुझाव है कि जब भी कभी इस तरह का कोई केस फाइल हो, तो आयकर विभाग में ज़रूर शिकायत करें, विजिलेंस डिपार्टमेंट, उनके संबंधित सरकारी विभाग और भ्रष्टाचार निरोधक विभाग में अवश्य शिकायत करनी चाहिए, जिससे यह पता चल सके कि वह इतनी संपत्ति लाए कहाँ से। आख़िर जो दावा कर रहे हैं, उसे साबित तो करना पड़ेगा कि उनके पास उतने आय के साधन थे भी या नहीं।

**लिव-इन रिलेशनशिप: संस्कृति बनाम संवैधानिक स्वतंत्रता**

मैं यह बात खुलकर कहता हूँ - भारतीय समाज की परंपरागत संरचना विवाह संस्था पर आधारित रही है। यहाँ परिवार केवल दो व्यक्तियों का निजी अनुबंध नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक इकाई है। लिव-इन रिलेशनशिप को हमारे पारंपरिक मूल्य कभी स्वीकार नहीं करते रहे। हमारे यहाँ विवाह केवल सहमति नहीं, संस्कार है। लेकिन समय के साथ न्यायपालिका ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सर्वोपरि माना है।

Supreme Court of India ने कई फैसलों में स्पष्ट किया कि सहमति से वयस्कों का साथ रहना अपराध नहीं है और यह संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और स्वतंत्रता का हिस्सा है।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश D. Y. Chandrachud ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर जोर देते हुए कहा था कि अदालतें सामाजिक नैतिकता के आधार पर वयस्कों की पसंद में हस्तक्षेप नहीं कर सकतीं। न्यायालय ने यह भी माना कि यदि संबंध विवाह जैसे स्वरूप का हो तो महिला को घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत संरक्षण मिल सकता है। यहाँ मेरा प्रश्न न्यायपालिका की नीयत पर नहीं, बल्कि सामाजिक दुष्प्रभाव पर है।

क्या समाज इस परिवर्तन के लिए तैयार है? क्या हम विवाह संस्था को कमजोर कर रहे हैं? क्या हर असफल लिव-इन संबंध अंततः आपराधिक मुकदमे में बदलेगा? संविधान व्यक्तिगत स्वतंत्रता तो देता है, लेकिन देश और सामाजिक समरसता का ताना बाना ध्वस्त करने की आज्ञा नहीं देता।

**लिव-इन रिलेशनशिप और आपराधिक मुकदमे**

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि सहमति से वयस्कों का साथ रहना अपराध नहीं है। लेकिन जमीनी स्तर पर देखा गया है कि:-

रिश्ता टूटने पर 376 (झूठा वादा), 417 (धोखाधड़ी), 498ए जैसे आरोप लगाए जाते हैं। मैं फिर दोहराता हूँ - वास्तविक धोखा और शोषण के मामलों में कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन यदि दो वयस्कों का सहमति से रिश्ता था, तो हर असफल प्रेम कहानी को आपराधिक मुकदमे में बदल देना न्याय का विस्तार नहीं, उसका विकृतिकरण है।

**शादी का झूठा वादा और बलात्कार के मुकदमे**

पिछले कई वर्षों में आइपीसी की धारा 376 के तहत शादी के झूठे वादे के आधार पर बलात्कार के मामलों में वृद्धि देखी गई है। सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न उच्च न्यायालयों ने कई फैसलों में यह स्पष्ट किया है कि:-यदि शुरू से ही विवाह का इरादा धोखा देने का था, तो यह अपराध हो सकता है। लेकिन यदि दो वयस्कों के बीच सहमति से संबंध थे और बाद में किसी कारण विवाह नहीं हुआ, तो हर मामला स्वतः बलात्कार नहीं बन जाता। मैंने ऐसे मामले देखे हैं जहाँ वर्षों तक संबंध रहा, परिवारों को जानकारी थी, फिर रिश्ता टूट गया - और बाद में गंभीर आपराधिक आरोप लगाए गए। जब तक अदालत तय करे कि मामला वास्तविक था या नहीं, आरोपी की सामाजिक मृत्यु हो चुकी होती है।

**विकसित देशों से क्या सीखें?**

अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में घरेलू हिंसा कानून प्रायः जेंडर-न्यूट्रल हैं।

घरेलू हिंसा कानून जेंडर-न्यूट्रल
झूठी शिकायत पर स्पष्ट दंड
गिरफ्तारी से पहले जांच
तलाक मामलों में समयसीमा
मानसिक स्वास्थ्य सहायता तंत्र

भारत को भी सुधार पर विचार करना चाहिए:-

1. जेंडर-न्यूट्रल कानून
2. एफआइआर से पहले अनिवार्य प्रारंभिक जांच
3. झूठे मामलों में त्वरित दंड
4. पुरुष आयोग की स्थापना
5. पहचान गोपनीयता में समानता
6. तलाक और पारिवारिक मामलों की समयबद्ध सुनवाई

**मेरी व्यक्तिगत अपील**

आज मीडिया, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, बड़े तबके का समाज और शिक्षण संस्थाओं ने नारी को इतना अति-आत्मविश्वास से भर दिया है कि उन्होंने अपने विवेक के बजाय दूसरों की बातों से फैसले लेना शुरू कर दिया है, और पुरुष को इन सभी सिस्टम में विलेन के रूप में घोषित कर दिया गया है।

यह पूरा तबका यह भूल गया है कि ईश्वर ने चाहे स्त्रीलिंग हो या पुल्लिंग - दोनों को एक साथ, अपनी-अपनी अलग-अलग कला और विशेषज्ञताओं के साथ गढ़ा है।

जब तक इन दोनों विशेषज्ञताओं का समागम नहीं होता, तब तक एक सुदृढ़ समाज का निर्माण भी नहीं होता।

यदि दोनों पहियों में असंतुलन हो जाएगा - जिसकी शुरुआत मेरे ख्याल से हो चुकी है - तो उसके दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं, और आने वाले 10-15 वर्षों में इन दुष्परिणामों की प्रतिशत में भारी वृद्धि होगी।

भारतीय परिवारों में विखंडन बहुत तेज़ी से होगा। इसके लिए मैं पुरुषों से ज़्यादा महिलाओं को जिम्मेदार मानता हूँ, क्योंकि वे स्वयं को सुपर पावर, सुपर टैलेंटेड समझने लगी हैं।

मैं महिलाओं से क्षमा चाहता हूँ कि यह बात लिख रहा हूँ, लेकिन मेरी नीयत और उद्देश्य गलत नहीं है। मैं जिस तरह से परिवारों का विखंडन हो रहा है, उसे लेकर चिंतित हूँ। अति-आत्मविश्वास की वजह से वे अपने परिवारों को खो रही हैं। उनके भीतर समझौते की कोई स्थिति नहीं बची है।

मैंने अपने जीवनकाल में ऐसे बड़े घरों को देखा है, जिनमें वरिष्ठ प्रशासनिक, न्यायिक अधिकारी या राजनेता रहे हैं। उनकी नौकरी के दौरान इस तरह की घटनाएँ जब घटती हैं, तो वे स्वयं डर के कारण कुछ कार्रवाई नहीं कर पाते। और उनके घर में आई हुई बहू या पत्नी का अत्याचार वह पुरुष या वह पूरा परिवार बेदर्दी से मजबूरन सहन करता है।

मैं जयपुर के बारे में इतना जानता हूँ कि लगभग 200 तलाक के केस जयपुर जिले में रोज़ाना फाइल होते हैं। यह अपने आप में प्रमाण है कि किस कदर ज़िंदगी बर्बाद हो रही है।

इसके लिए दोनों ही वर्ग जिम्मेदार हैं - एक अति सहनशीलता की वजह से और दूसरा अति-अहंकार की वजह से। आज कई निर्दोष पुरुष अदालतों में खड़े हैं, उनके बूढ़े माता-पिता थानों के चक्कर लगा रहे हैं, बच्चे मनोवैज्ञानिक आघात झेल रहे हैं। और कुछ पुरुष - चुपचाप, बिना शोर - अपनी जान दे रहे हैं। क्या हम तब जागेंगे जब आँकड़े और बढ़ेंगे? या हम अभी कानूनों की समीक्षा, संतुलन और सुधार की दिशा में कदम उठाएँगे?

न्याय एकतरफा नहीं हो सकता।
कानून सुरक्षा दे, भय नहीं।
और यदि कहीं संतुलन बिगड़ा है, तो उसे ठीक करना ही लोकतंत्र की परिपक्वता है।

**-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,**
**एडवाइजर, एडिटर्स क्लब ऑफ़ इंडिया**
**महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।**

# अप्रैल से फिर जम्मू तक दौड़ेगी भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस

**जोधपुर,** (कासं)। गर्मी की छुट्टियों से पहले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। उत्तर पश्चिम रेलवे ने भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस को 1 अप्रैल से पुनः अपने पूर्ण मार्ग पर संचालित करने का निर्णय लिया है, जिससे जोधपुर से जम्मू जाने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी।

जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि पिछले वर्ष भारी बारिश के कारण ब्रिज संख्या-17 में आई तकनीकी खराबी के चलते ट्रेन संख्या 14803/14804 भगत की कोठी-जम्मूतवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस को पठानकोट रेलवे स्टेशन से जम्मूतवी रेलवे स्टेशनों के बीच आंशिक रूप से रद्द करना पड़ा था। अब कठुआ-माधोपुर रेलखंड पर मरम्मत और तकनीकी कार्य लगभग पूरा हो चुका है। इसके बाद रेलवे ने ट्रेन को फिर से पूरे मार्ग पर चलाने का फैसला किया है। इसके तहत ट्रेन संख्या 14803 भगत की कोठी-जम्मूतवी एक्सप्रेस 1 अप्रैल से तथा 14804 जम्मूतवी-भगत की कोठी एक्सप्रेस 2 अप्रैल से संचालित होगी। इसके लिए अग्रिम आरक्षण भी शुरू कर दिया गया है। वहीं ट्रेनों में अतिरिक्त यात्री भार को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा यात्रियों को राहत देने के लिए जोधपुर-रामदेवरा-भगत की कोठी के बीच चलाई जा रही स्पेशल ट्रेन 26 मार्च तक चलेगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी के अनुसार,ट्रेन संख्या 04867, जोधपुर-रामदेवरा स्पेशल 19 मार्च से 26 मार्च तक (कुल 8 ट्रिप) संचालित की जा रही है। यह ट्रेन जोधपुर से सुबह 09.30 बजे रवाना होकर दोपहर 1 बजे रामदेवरा पहुंच रही है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04868,रामदेवरा-भगत की कोठी स्पेशल भी 26 मार्च तक चलेगी,जो रामदेवरा से दोपहर 2 बजे रवाना होकर शाम 5.30 बजे भगत की कोठी पहुंच रही है। ट्रेन का मार्ग में जोधपुर, राईका बाग, मंडोर, मारवाड़ मथानियां, ओसियां, मारवाड़ लोहावट और फलोदी स्टेशनों पर ठहराव है जिसमें 8 साधारण श्रेणी,2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 10 कोच लगाए गए हैं।

## राशिफल



**पंडित अनिल शर्मा**

**सोमवार 23 मार्च, 2026**

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, पंचमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, कृत्तिका नक्षत्र रात्रि 8:50 तक, विष्कुम्भ योग दिन 12:22 तक, बव करण प्रातः 7:58 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेगा।

**गृह स्थिति:** सूर्य-मीन, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कुम्भ, बुध-कुम्भ, गुरू-मिथुन, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग प्रातः 8:20 से सूर्योदय तक है। रवियोग और कुमार योग प्रातः 8:50 से आरम्भ होगा। आज श्री पंचमी, लक्ष्मी पंचमी, कल्पादि है।

**श्रेष्ठ चौघड़िया:** अमृत सूर्योदय से 8:02 तक, शुभ 9:33 से 11:03 तक, चर 2:04 से 3:34 तक, लाभ अमृत 3:44 से सूर्यास्त तक।

**राहूकाल:** 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:32, सूर्यास्त 6:35



**मेष**
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।



**वृष**
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आज व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में उचित सफलता मिल सकती है।



**मिथुन**
आज समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज मन में असंतोष बना रहेगा।



**कर्क**
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक मामलों में लापरवाही आज ठीक नहीं रहेगी। आज धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।



**सिंह**
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



**कन्या**
नवीन कार्यों के संबंध में [illegible] आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।



**तुला**
व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां अभी बनी रहेगी।



**वृश्चिक**
परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।



**धनु**
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।



**मकर**
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।



**कुंभ**
परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।



**मीन**
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या दूर हो सकती है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

## सार-समाचार

### फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप 24 मार्च को

**अजमेर।** महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से 24 मार्च 2026 को एक दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रातः 10 बजे स्वराज सभागार, बृहस्पति भवन में आयोजित होगा। कार्यक्रम में राजस्थान सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। वहीं उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका मुख्य वक्ता के रूप में नीति के विभिन्न आयामों और उसके व्यावहारिक क्रियान्वयन पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. नारायण लाल गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार अग्रवाल करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य विश्वविद्यालय एवं संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को नई शिक्षा नीति के प्रावधानों-जैसे बहु विषयक शिक्षा, कौशल आधारित अधिगम, अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट, लचीली पाठ्यक्रम संरचना और आधुनिक मूल्यांकन प्रणाली-के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशिक्षित करना है कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें शिक्षण पद्धितयों, शोध आधारित दृष्टिकोण और छात्र-केंद्रित शिक्षा प्रणाली पर मार्गदर्शन दिया जाएगा। अंत में संवाद सत्र भी आयोजित होगा।

### एक सप्ताह में करोड़ों की वसूली

**अजमेर,** । वित्तीय वर्ष 2026-27 के निर्धारित राजस्व लक्ष्यों को हासिल करने के लिए परिवहन विभाग ने जिलेभर में सघन प्रवर्तन अभियान तेज कर दिया है। इस अभियान के तहत डिफॉल्टर, ओवरलोड तथा अवैध रूप से संचालित वाहनों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने चौबीसों घंटे उड़नदस्तों की तैनाती कर विभिन्न प्रमुख मार्गों पर निगरानी बढ़ा दी है, जिससे नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों पर तुरंत कार्रवाई संभव हो रही है। प्रादेशिक परिवहन अधिकारी सुमन भाटी ने बताया कि पिछले सात दिनों के दौरान अजमेर जिले में 500 से अधिक वाहनों को जब्त किया गया है। इन वाहनों से लगभग एक करोड़ रुपये की राशि जुर्माना एवं कर के रूप में वसूली गई है। इसके अलावा किशनगढ़ और केकड़ी क्षेत्रों में भी 300 से अधिक वाहनों को सीज कर करीब 50 लाख रुपये की वसूली की गई है। उन्होंने बताया कि भारी वाहनों के लिए कर जमा कराने की अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित थी। इसके बाद कर जमा नहीं करने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे मामलों में बकाया कर के साथ 3 प्रतिशत पेनल्टी, चालान शुल्क तथा अन्य मोटर वाहन अपराधों पर 10 हजार रुपये तक का अतिरिक्त जुर्माना लगाया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं फील्ड में उतरकर कार्रवाई का नेतृत्व कर रहे हैं, जिससे अभियान की प्रभावशीलता बढ़ी है। विभाग की सख्ती का असर वाहन मालिकों पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है और कई वाहन स्वामी स्वेच्छा से बकाया कर जमा करा रहे हैं। विभाग ने सभी वाहन मालिकों से अपील की है कि वे समय पर कर जमा कर नियमों का पालन करें, ताकि कार्रवाई से बचा जा सके। आने वाले दिनों में यह अभियान और अधिक सख्त किया जाएगा।

### श्री प्राज्ञ नवयुवक मण्डल की कार्यकारिणी का मनोनयन

**ब्यावर** (निसं) आगामी सत्र 2026-2028 के लिये सभी कार्यकारिणी का मनोनयन स्थानीय प्राज्ञ भवन मे आयोजित संस्था की साधारण सभा मे किया गया। जिसमे आगामी सत्र के लिये संरक्षक रतनलाल भंसाली, अध्यक्ष गौतमचन्द हींगड, मंत्री त्रिलोक चन्द रांका कोशाध्यक्ष अमित संचेती को चुना गया। सभा की शुरूवात 5 नवकार मंत्र के जाप व पूज्य प्रवर्तक श्री पन्नालाल जी मा. सा. व वर्तमान संघनायक श्री प्रिर्यदर्शन मुनी मा.सा के जयकारे से प्रारम्भ की। इससे पूर्व संस्था के कोषाध्यक्ष नवीन नाहटा ने आय व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया तथा संस्था के मंत्री कमलेश सिंघवी ने सस्था के दो साल के कार्यकाल का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। सस्था के वर्तमान अध्यक्ष मनीष कुमार मेहता (सीए) ने सभी पदाधिकारीयो, कार्यकारणी सदस्यों व सस्था के सभी सदस्यों को उनके कार्यकाल मे सहयोग के लिये धन्यवाद प्रेषित किया गया है। इस अवसर पर श्री प्राज्ञ जैन चेरिटेबल ट्रस्ट, श्री प्राज्ञ जैन मित्र समिति के सरक्षक, अध्यक्ष, मंत्री व कार्यकारणी सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सस्ंथा के वरिश्ठ सदस्य महावीर लुणावत ने किया अंत मे सस्ंथा के मंत्री कमलेश सिघवी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

### 'मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी' अभियान की शुरुआत

**अजमेर।** शहीद दिवस के अवसर पर युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अंतर्गत 'मेरा भारत, मेरी जिम्मेदारी' अभियान की शुरुआत सरवाड़ ब्लॉक के सांपला गांव में स्वच्छता श्रमदान से की गई। इस दौरान युवाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए स्वच्छता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया। अभियान का उद्देश्य भगत सिंह, शिवराम राजगुरु और सुखदेव थापर जैसे महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को श्रद्धांजलि देना तथा युवाओं को राष्ट्रनिर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूक करना है। सरवाड़ ब्लॉक युवा संयोजक रामप्रसाद गुर्जर ने बताया कि नवगठित युवा मंडलों के माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को इस अभियान से जोड़ा गया है। जिला युवा अधिकारी जयेश मीना की अध्यक्षता में गोपाल सरोवर स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की गई, इसके बाद श्रमदान कार्यक्रम आयोजित हुआ। पंचायत कार्यालय सांपला में युवाओं के साथ संवाद कार्यक्रम भी हुआ, जिसमें स्वयंसेवकों ने तिरंगा और 'माय भारत' टी-शर्ट पहनकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देना, स्वयंसेवा की भावना को मजबूत करना और एकता व अनुशासन का संदेश फैलाना रहा।

### अभिनय कौशल दिखाया

**अजमेर,** । अपना थिएटर संस्थान द्वारा आयोजित सात दिवसीय नाट्यय कार्यशाला का समापन रविवार को एक आकर्षक प्रस्तुति के साथ हुआ। कार्यशाला में 19 प्रतिभागियों ने नाटक की बारीकियों, अभिव्यक्ति और रचनात्मकता को समझते हुए मंचन किया। कार्यशाला के दौरान थिएटर गेम्स, वॉइस मॉडुलेशन, फिजिकल थिएटर, ऑब्जेक्ट थिएटर और इम्प्रोवाइजेशन जैसी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। समापन प्रस्तुति में इन सभी तत्वों को एक कोलाज के रूप में दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया, जिसे काफी सराहना मिली। प्रतिभागियों ने यह भी दर्शाया कि किस तरह बिना शब्दों के केवल हाव-भाव और शारीरिक अभिव्यक्ति के माध्यम से प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया जा सकता है। कार्यशाला में 8 से 45 वर्ष तक के प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण राष्ट्रीय नाट्यय विद्यालय, अगरतला से प्रशिक्षित राजेंद्र सिंह द्वारा दिया गया। समापन समारोह में समाजसेवी सोमरत्न आर्य ने प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। संस्थान के प्रतिनिधि योबी जॉर्ज ने बताया कि मई माह में 20 दिवसीय नाट्यय कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जिससे अधिक प्रतिभाओं को मंच मिल सके।

### प्रशिक्षण वर्ग संपन्न

**मांगलियावास।** पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत भाजपा मंडल का दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संगठन की कार्यप्रणाली, बूथ सशक्तिकरण और जनसंपर्क को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में पार्टी के इतिहास, विकास और संगठनात्मक ढांचे की जानकारी दी गई। कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर संगठन मजबूत करने और जनसेवा के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया गया। दूसरे दिन जिला अध्यक्ष, जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों की उपस्थिति में समापन सत्र आयोजित हुआ। इसमें कार्यकर्ताओं के साथ संवाद कर संगठन की नीतियों और 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत पर जोर दिया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### भजन-कीर्तन से गूंजा शहर

**अजमेर।** पूज्य लाल साहब मंदिर सेवा ट्रस्ट, दिल्ली गेट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय चेटीचंड मेला श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। मेले का समापन पल्लव और अरदास के साथ किया गया। मेले की शुरुआत ध्वजारोहण के साथ हुई, जिसमें संत-महात्माओं और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। चेटीचंड के अवसर पर झूलेलाल धाम में धार्मिक अनुष्ठान, यज्ञोपवीत और मुण्डन संस्कार आयोजित किए गए। भजन-कीर्तन और पंजडे गाकर श्रद्धालुओं ने भक्ति रस में डूबकर उत्सव मनाया।

## स्कूलों में होमवर्क पर छिड़ी वैश्विक बहस, बच्चों के विकास को लेकर अलग-अलग मत

> ■ दुनिया के कई देशों में इन दिनों यह बहस तेज हो गई है कि स्कूलों में बच्चों को होमवर्क दिया जाना चाहिए या नहीं। अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे देशों में इस विषय पर शिक्षाविदों, मनोवैज्ञानिकों और समाज वैज्ञानिकों के बीच लगातार चर्चा जारी है, हालांकि अभी तक कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

**अजमेर** । दुनिया के कई देशों में इन दिनों यह बहस तेज हो गई है कि स्कूलों में बच्चों को होमवर्क दिया जाना चाहिए या नहीं। अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे देशों में इस विषय पर शिक्षाविदों, मनोवैज्ञानिकों और समाज वैज्ञानिकों के बीच लगातार चर्चा जारी है, हालांकि अभी तक कोई ठोस निष्कर्ष सामने नहीं आया है।

इस बहस का आधार विभिन्न विशेषज्ञों द्वारा किए गए शोध और सर्वे हैं, जिनमें बच्चों और उनके अभिभावकों की राय भी शामिल की गई है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि होमवर्क बच्चों के सर्वांगीण विकास में बाधा डालता है और उन्हें मानसिक दबाव में रखता है। उनका तर्क है कि होमवर्क के कारण बच्चे अपनी स्वाभाविक खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियों से दूर हो जाते हैं, जो उनके मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए आवश्यक हैं।

इसके अलावा, अभिभावकों द्वारा होमवर्क को लेकर बनाए जाने वाले दबाव से बच्चों और माता-पिता के बीच संबंधों में भी तनाव बढ़ने की बात कही गई है। कुछ विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि होमवर्क से सामाजिक और शैक्षिणक असमानता बढ़ती है, क्योंकि सभी बच्चों को घर पर समान शैक्षिणक सहयोग नहीं मिल पाता।

वहीं, होमवर्क के समर्थक विशेषज्ञों का कहना है कि इससे बच्चों में जिम्मेदारी की भावना विकसित होती है और उनकी सीखने की प्रक्रिया मजबूत होती है। उनका मानना है कि होमवर्क से बच्चों की व्यक्तिगत क्षमता बढ़ती है और उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है।

समर्थकों का यह भी तर्क है कि सोशल मीडिया और डिजिटल विकर्षणों के इस दौर में होमवर्क बच्चों को पढ़ाई से जोड़े रखने का एक प्रभावी माध्यम है।

भारत में भी पूर्व में स्कूली बच्चों के बस्तों के बढ़ते बोझ को लेकर बहस हो चुकी है, लेकिन स्थिति में खास बदलाव नहीं आया है। फिलहाल यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन इस पर अब तक कोई सर्वसम्मत निर्णय नहीं हो सका है कि होमवर्क बच्चों के भविष्य को किस हद तक प्रभावित करता है और किस आयु में इसे देना उचित है।

## प्रांतीय अधिवेशन की तैयारियां तेज

**अजमेर,** । राजस्थान राज्य कर्मचारी महासंघ और मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद के आगामी प्रांतीय अधिवेशनों को लेकर अजमेर संभाग की बैठक आयोजित की गई। बैठक महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष कर्ण सिंह जोधा और परिषद के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष महेंद्र कुमार तीर्थाणी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में भरतपुर से आए प्रांतीय अधिवेशन संयोजक हरवीर चौधरी ने भाग लिया और अधिवेशन की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की। पदाधिकारियों ने बताया कि मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद का प्रांतीय अधिवेशन 12 अप्रैल 2026 को जयपुर के आदर्श विद्या मंदिर, राजापार्क में आयोजित होगा, जबकि कर्मचारी महासंघ का अधिवेशन 7 जून 2026 को भरतपुर विकास प्राधिकरण ऑडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। बैठक में अजमेर महासंघ जिलाध्यक्ष वंश प्रदीप सिंह, परिषद जिलाध्यक्ष विमल किशोर गुरु और महामंत्री अनिल जैन सहित अन्य पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से अधिवेशन को सफल बनाने के लिए भागीदारी का आव्हान किया।

## महाराणा प्रताप मंडल का प्रशिक्षण वर्ग सम्पन्न

**ब्यावर ( निसं )** भारतीय जनता पार्टी द्वारा पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान - 2026 के तहत भाजपा महाराणा मंडल का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन राघव श्री गार्डन में किया गया। शिविर में मंडल के सभी पदाधिकारी, मोर्चा पदाधिकारी व बूथ अध्यक्ष एवं ज्येष्ठ व श्रेष्ठ कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहें। प्रशिक्षण शिविर के कार्यक्रम में कुल सात सत्र में अलग-अलग मुख्य वक्ताओं द्वारा सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया जा कर संगठन की कार्यशैली, सरकार की उपलब्धियां, सोशल मीडिया, भाजपा का इतिहास, वैचारिक अधिष्ठान, कार्य विस्तार एवं बूथ प्रबंधन पर संबोधित किया गया। प्रथम दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रथम सत्र में भाजपा अजमेर देहात पूर्व जिलाध्यक्ष पूर्व विधायक देवीशंकर भूतड़ा का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। प्रथम दिवस सत्र के पश्चात सामूहिक टिफिन बैठक का आयोजन हुआ ।द्वितीय दिवस पर शेष रहे सभी सत्रों को अलग-अलग वक्ताओं द्वारा संबोधित किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता रायचन्द बागड़ी, नरेन्द्र सिह रावत, हंसराज चोधरी व गोपाल गुर्जर द्वारा कार्यकर्ताओं को संबोधित किया गया।उक्त कार्यक्रम का सरल ऐप द्वारा ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किया गया जिसमें 120 कार्यकर्ताओं ने कार्यशाला में भाग लेकर अपना रजिस्ट्रेशन किया। कार्यक्रम का मंच संचालन सन्तोष जाठात द्वारा किया गया।कार्यक्रम की समाप्ति पर मंडल महामंत्री शिविर संयोजक सत्येंद्र यादव द्वारा सफल कार्यक्रम संपन्न होने पर सबका आभार व्यक्त किया गया तथा सभी कार्यकर्ताओं से सरल ऐप द्वारा अपना-अपना प्रशिक्षण प्रमाण पत्र डाउनलोड कर प्राप्त करने हेतु जानकारी दी गई।प्रशिक्षण शिविर कार्यशाला में मंडल अध्यक्ष रवि चौहान, पूर्व जिलामंत्री बृजकिशोर शर्मा, पूर्व मण्डल अध्यक्ष नरेश मितल, पूर्व महामंत्री रमेश बंसल, जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा राजेश्वरी यादव, मण्डल उपाध्यक्ष नवल किशोर मुरारका, महेंद्र सिंह गौड, तारा सोनी, सन्तोष दगदी, मंत्री ललित आसरवा, युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष दीपक चौहान आदि।

## साधना पर रहेगा विशेष जोर

**अजमेर,** 23 मार्च। पुष्कर रोड स्थित विजय कलापूर्ण सूरी जैन आराधना भवन में 25 मार्च से 9 दिवसीय नवपद आयम्बिल ओली का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन साध्वी मनोहर श्रीजी की निश्रा में संतोष चंद सुराणा परिवार द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

संघ प्रवक्ता रिखब सुराणा ने बताया कि इस धार्मिक आयोजन का मुख्य उद्देश्य इंद्रियों पर नियंत्रण स्थापित करना, विशेष रूप से रसना (जीभ) पर संयम रखना है। आयम्बिल ओली के दौरान साधक दिन में केवल एक बार अत्यंत सादा भोजन ठाहण करते हैं, जिसमें नमक, घी, तेल, मसाले, दूध और दही का पूर्ण त्याग किया जाता है।

इस दौरान उबले हुए सादे अनाज जैसे गेहूं, चावल और दाल का सेवन किया जाता है।

## ईसर गणगौर विराजित

**ब्यावर** (निसं) श्री माधोपुरिया मौहल्ला गणगौर समिति के तत्वावधान में ईसर गणगौर की स्थापना धूमधाम से की गई। समिति के महेन्द्र सलेमबादी ने बताया कि पंडित हनुमान प्रसाद त्रिपाठी के सानिध्य में समिति सदस्यों ने पूजा अर्चना कर विधिवत शिव पार्वती स्वरूप ईसर गणगौर को विराजमान करवाया। माँ गौरजा स्वरूप में लाल पोषाक में सजी गणगौर मैया के सिर पर रखड़ी, बोर, नाक में नथनी एवं गले मे शोभित रानी हार, हिरापट्टिया, श्रीकर्ण में कुंडल, गले मे भारी गुलाब एवं श्वेत पुष्प माला में सजी और इशरदासजी श्वेत बागे में सिर पर केसरिया पाग के ऊपर सरपैच, तुर्रा, किलंगी धारण किये रुबरदार रुप सजकर विराजमान हुये। इस दौरान उत्सव से जुड़ी महिलाओं ने विभिन्न प्रकार के खेल खेले एवं परम्परागत गणगौर गीत गाये। कार्यक्रम में श्याम सुंदर जिंदल, जसवंत राज बाबेल, महेंद्र गर्ग, तिलक बाबेल, गोविंद गोयल मौजूद रहे।

## नागौर के होनहार मुकुंद व्यास को राज्यपाल ने किया स्वर्ण पदक से सम्मानित

> ■ श्री महर्षि जनार्दन गिरि पुष्टिकर माध्यमिक विद्यालय, नागौर के पूर्व छात्र मुकुंद व्यास ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षिणक उपलब्धि से जिले व समाज का नाम रोशन किया है।

**नागौर** । श्री महर्षि जनार्दन गिरि पुष्टिकर माध्यमिक विद्यालय, नागौर के पूर्व छात्र मुकुंद व्यास ने अपनी उत्कृष्ट शैक्षिणक उपलब्धि से जिले व समाज का नाम रोशन किया है। सत्र 2024-25 में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 9.49 सीजीपीए के साथ उत्तीर्ण होने पर मुकुंद को 19 मार्च को जोधपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह में राजस्थान के राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े द्वारा स्वर्ण पदक एवं उपाधि प्रदान की गई। मुकुंद की इस उल्लेखनीय सफलता पर विद्यालय परिवार सहित संपूर्ण पुष्टिकर समाज, नागौर में हर्ष की लहर है। विद्यालय में मुकुंद के सम्मान में एक भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें साफा, माला एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष विजय शंकर व्यास, पुष्टिकर समाज के अध्यक्ष गोविंद लाल मूथा एवं राजा साहब पुखराज व्यास ने मुकुंद की उपलब्धि को युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम का संचालन व्यवस्थापक आनंद पुरोहित द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ओम प्रकाश मुथा, गोविंद लाल मूथा, विजय शंकर व्यास तथा प्रधानाध्यापक महेंद्र सिंह चारण सहित अन्य वक्ताओं ने मुकुंद के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। ज्ञात रहे कि मुकुंद व्यास प्रारंभ से ही मेधावी छात्र रहे हैं। उन्होंने वर्ष 2017 में दसवीं कक्षा 93.67 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की थी। उनकी इस सफलता से विद्यालय का गौरव और अधिक बढ़ा है। कार्यक्रम में घनश्याम लाल आचार्य, सचिव सुनील हर्ष, गंगा प्रसाद व्यास, रविन्द्र कुमार बोड़ा, अशोक कुमार कल्ला, राजेश बोड़ा, ठाकुर दत्त व्यास, सरोज पुरोहित, दिनेश मेहरा, सरिता पुरोहित सहित विद्यालय स्टाफ, अभिभावक एवं समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अंत में मुकुंद व्यास ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्त्रोत है और वे भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने का प्रयास करेंगे।

## समाज सिंधी बोली को दिनचर्या में अपनाने का संकल्प ले-दादा नारायण दास

**अजमेर।** झूलेलाल जयन्ती चेटीचंड महोत्सव पखवाड़ा 2026 के अन्तर्गत 10वें दिन आदर्श सिंधी पंचायत, आदर्श नगर द्वारा प्रेम प्रकाश आश्रम में शानदार सिंधी सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया। संयोजक जगदीश अबीचंदानी ने बताया कि आदर्श सिंधी पंचायत के संरक्षक दादा नारायण दास, अध्यक्ष गुरबख्श मीरानी, और पंचायत के सभी गणमान्य सदस्यों द्वारा पूज्य झूलेलाल साहब के बहराना साहिब की महाजोत प्रज्जवलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की गई। संरक्षक दादा नारायण दास ने बताया कि सिन्ध की संस्कृति और खान-पान, और बोली को हमेशा अपने दिनचर्या में अपनाकर आगे बढ़ाने का संकल्प लें। महासचिव लाल नाथानी ने बताया कि पंचायत के बच्चों द्वारा विभिन्न तरह के डांस जिसमें यशिका तोलानी, मुस्कान, कृषि, अनन्या, वंदना तोलानी और तनु टीलवानी ठुप, बनवी हरवानी, जितेश आतवानी, देवेश, साक्षी रामलखानी, दुर्गेश गांधी, रुपेश, लक्ष्य, दृष्टि हिंगोरानी, बहुरानी ठुप, वंदना ठुप, प्राची ठुप, सुमन ठुप, सानिया और प्राची और अंत में ऑपरेशन सिंदूर की मनोज भम्भानी द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। सचिव महेश ईसरानी ने बताया कि पूजय झूलेलाल जयंती चेटीचंड पखवाड़ा महोत्सव समिति द्वारा अध्यक्ष कंवल प्रकाश किशनानी, महामंत्री महेंद्र तीर्थानी और अन्य पदाधिकारी द्वारा आदर्श सिंधी पंचायत में उत्कृष्ट सेवा के लिए दादा जमटमल टीलवानी पुरस्कार गोपाल साधवानी, सुशीला मोटवानी सम्मान एकता गांधी ।

## भाजपा मंडलों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न, कार्यकर्ताओं में दिखा उत्साह और नई ऊर्जा

> ■ शिविर के विभिन्न सत्रों में अलग-अलग विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रथम सत्र में मंडल अध्यक्ष भगवान सिंह रावत की अध्यक्षता में हुआ

**मसूदा।** मसूदा, खरवा और रामगढ़ भाजपा मंडलों का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर उत्साहपूर्ण माहौल में सम्पन्न हुआ। 21 और 22 मार्च को रांका रिसोर्ट (मसूदा) एवं सालासर गार्डन (खरवा) में आयोजित इस प्रशिक्षण शिविर में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। शिविर के माध्यम से कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक मजबूती, वैचारिक स्पष्टता और कार्य पद्धित का व्यापक प्रशिक्षण दिया गया।

शिविर के विभिन्न सत्रों में अलग-अलग विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। प्रथम सत्र में मंडल अध्यक्ष भगवान सिंह रावत की अध्यक्षता में विधानसभा प्रभारी गणपत सिंह रावत ने कार्य पद्धित पर मार्गदर्शन दिया। द्वितीय सत्र में पूर्व मंडल अध्यक्ष जगदीश सिंह रावत की अध्यक्षता में कैलाश लांबा ने बूथ प्रबंधन के गुर सिखाए। तृतीय सत्र में मंडल महामंत्री सरवन सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में पूर्व प्रधान प्रहलाद शर्मा ने कार्य विस्तार पर विस्तार से चर्चा की।

चतुर्थ सत्र में पूर्व मंडल अध्यक्ष हरदेव सिंह रावत की अध्यक्षता में विधायक ने केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों और विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं में ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ।

इसके बाद किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष भंवरलाल बुला की अध्यक्षता में भाजपा अजमेर देहात जिलाध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने संगठन के इतिहास और विकास यात्रा पर प्रकाश डाला। एक अन्य सत्र में पूर्व सरपंच प्रेम सिंह रावत की अध्यक्षता में राम अवतार लाटा ने वैचारिक अधिष्ठान विषय पर संबोधित किया।

शिविर के दौरान वक्ताओं ने केंद्र सरकार की विभिन्न उपलब्धियों जैसे राम मंदिर निर्माण, धारा 370 हटाने, तीन तलाक कानून, किसानों के लिए योजनाएं, सड़क एवं एयरपोर्ट विकास, बुलेट ट्रेन परियोजना, कोरोना काल में वैक्सीन निर्माण और मुफ्त राशन वितरण जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी।

दो दिवसीय शिविर के समापन पर राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मंडल अध्यक्ष भगवान सिंह रावत ने समापन की घोषणा की। इस अवसर पर कई जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

## एक छोटी सी पहल, गौरैया के लिए बड़ी उम्मीद

**अजमेर।** अजमेर से एक दिल छू लेने वाली पहल सामने आई है, जहां कार्तिक शर्मा रोजाना नन्हीं गौरैया के लिए दाना-पानी रखकर एक मिसाल कायम कर रहे हैं। आज जब तेजी से बढ़ते शहरीकरण, मोबाइल टावरों के रेडिएशन और घटते पेड़-पौधों के कारण गौरैया की संख्या लगातार कम हो रही है, ऐसे समय में कार्तिक शर्मा जैसे लोग उम्मीद की किरण बनकर सामने आ रहे हैं। जहाँ लोग अपनी व्यस्त जिंदगी में प्रकृति से दूर होते जा रहे हैं, वहीं कार्तिक ने अपनी छत और बालकनी को गौरैया का सुरक्षित ठिकाना बना दिया है। हर सुबह और शाम वे नियमित रूप से दाना और साफ पानी रखते हैं। उनकी इस छोटी सी कोशिश ने आसपास की गौरैया को फिर से लौटने पर मजबूर कर दिया है। अब उनके घर के आसपास चहचहाहट गूंजने लगी है, जो कभी लगभग गायब हो चुकी थी। कार्तिक का कहना है कि अगर हर व्यक्ति अपने घर के बाहर थोड़ा सा दाना-पानी रख दे, तो हम सब मिलकर गौरैया को फिर से अपने आसपास देख सकते हैं।

## सार-समाचार

### अजमेर में सुरक्षा जवानों के 370 पदों पर भर्ती

**अजमेर।** जिले में बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार का सुनहरा अवसर सामने आया है। सुरक्षा एजेंसी द्वारा 370 सुरक्षा जवानों सहित कुल 400 पदों पर भर्ती के लिए 23 मार्च से विभिन्न पंचायत समितियों में भर्ती शिविर आयोजित किए जाएंगे। एसआईएस सिक्योरिटी उदयपुर के कमांडेंट हेड राकेश चौधरी और सहायक भर्ती अधिकारी दर्शन सिंह ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया के तहत 370 सुरक्षा जवान, 20 सुरक्षा सुपरवाइजर और 10 सुरक्षा अधिकारियों के पद भरे जाएंगे। भर्ती शिविरों का आयोजन अलग-अलग तिथियों पर किया जाएगा। 23 मार्च को केकड़ी, 24 मार्च को किशनगढ़, 25 मार्च को नसीराबाद, 26 मार्च को भिनाय, 27 मार्च को सरवाड़, 30 मार्च को पीसांगन पंचायत समिति मुख्यालय और 31 मार्च को अजमेर में शिविर आयोजित होंगे। सभी शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। सुरक्षा जवान के लिए न्यूनतम शैक्षिणक योग्यता 10वीं पास, सुरक्षा सुपरवाइजर के लिए 12वीं पास और सुरक्षा अधिकारी के लिए स्नातक होना आवश्यक है। इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने सभी शैक्षिणक प्रमाण पत्र, पहचान पत्र और पासपोर्ट साइज फोटो साथ लाना अनिवार्य होगा। भर्ती शिविरों के माध्यम से चयनित युवाओं को सुरक्षा सेवाओं में रोजगार का अवसर मिलेगा, जिससे क्षेत्र के युवाओं में उत्साह देखा जा रहा है।

### भारतीय ज्ञान परंपरा के साथ हुआ नववर्ष का स्वागत- वर्ष प्रतिपदा उत्सव संपन्न

**अजमेर।** भारतीय शिक्षण मंडल, चित्तौड़ प्रांत, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय इकाई द्वारा भारतीय ज्ञान संपदा गतिविधि के अंतर्गत विक्रम संवत 2083 के शुभारंभ के अवसर पर वर्ष प्रतिपदा उत्सव का आयोजन राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में किया गया। यह कार्यक्रम भारतीय नववर्ष के सांस्कृतिक, आध्यात्मिक एवं राष्ट्रीय महत्व को रेखांकित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया जो विश्वविद्यालय के माननीय कुलगुरु प्रो. आनन्द भालेराव के कुशल मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सिद्धार्थ शर्मा द्वारा प्रस्तुत संगठन मंत्र से हुआ। तत्पश्चात सत्यम राय ने ध्येय श्लोक तथा गौतम मिश्र ने ध्येय वाक्य का उच्चारण किया, जिससे वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत हो गया। इसके उपरांत दीप प्रज्ज्वलन एवं भारत माता को पुष्पांजलि अर्पित की गई। प्रो. राघवेन्द्र भट्ट ने स्वागत भाषण देते हुए वर्ष प्रतिपदा के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डाला तथा सभी को नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कुलपति महोदय एवं भारतीय शिक्षण मंडल इकाई के प्रति आभार भी व्यक्त किया। डॉ. धनेश्वर प्रुस्टी (मंत्री, सीयूराज इकाई) ने भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण एवं संवर्धन की आवश्यकता पर बल दिया जबकि डॉ. ज्ञानरंजन पांडा (अध्यक्ष, सीयूराज इकाई) ने भारत की अवधारणा पर अपने विचार रखते हुए युवाओं से भारत को उसकी मूल पहचान के साथ स्वीकार करने का आ ान किया। उन्होंने वर्ष प्रतिपदा के महत्व को रेखांकित करते हुए इसे गर्व के साथ मनाने की आवश्यकता बताई। मुख्य वक्ता डॉ. राजीव एम. एम. (प्रचार प्रमुख, चित्तौड़ प्रांत) ने भारतीय कालगणना की वैज्ञानिकता एवं उसके सांस्कृतिक महत्व पर विस्तृत विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि वर्ष प्रतिपदा भारत के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न रूपों में मनाई जाती है तथा इसके ऐतिहासिक संदर्भों, विशेषतः विक्रमादित्य से संबंधित परंपराओं, को समझना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से इस परंपरा को आगे बढ़ाने का आठाह किया, ताकि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व कर सकें। अंत में डॉ. शैलेश पाटीदार (उपाध्यक्ष, सीयूराज इकाई) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्राचीन भारतीय विज्ञान की उन्नत परंपरा पर प्रकाश डाला और सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन देवांश कौशिक द्वारा प्रस्तुत कल्याण मंत्र के साथ हुआ। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों-प्रो. राजेश कुमार (शैक्षिणक गतिविधि प्रमुख, सीयू राज इकाई), डॉ. जयप्रकाश त्रिपाठी (प्रांत मंत्री), डॉ. भगवान, डॉ. अक्षांश भारद्वाज (प्रकाशन प्रमुख, चित्तौड़ प्रांत), डॉ. सोमनाथ (प्रचार प्रमुख, सीयू राज इकाई), प्रो. के. वी. अघाड़ी, केशव शर्मा तथा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों ने कार्यक्रम को अत्यंत प्रेरणादायक बताया और इसे भारतीय संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा के पुनर्स्मरण का सशक्त माध्यम माना। यह आयोजन न केवल भारतीय नववर्ष के स्वागत का अवसर बना बल्कि विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रेरणा जागृत करने का एक सार्थक प्रयास भी सिद्ध हुआ।

### देर रात तक कलेक्टर की चौपाल, ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर समाधान

**नसीराबाद।** उपखंड क्षेत्र के ठााम झड़वासा में शनिवार देर रात जिला कलेक्टर लोक बंधु ने रात्रि चौपाल लगाकर ठाामीणों से सीधा संवाद किया। भारत निर्माण राजीव गांधी सेवा केंद्र में आयोजित इस चौपाल का उद्देश्य विकसित भारत और विकसित राजस्थान की परिकल्पना को धरातल पर उतारना रहा। ठााम विकास अधिकारी पुखराज जाट और लक्ष्मण प्रजापत ने बताया कि मुख्यमंत्री विकसित ठााम अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में कलेक्टर और उपखंड अधिकारी देवीलाल यादव ने ठाामीणों को योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गांवों और शहरों का संतुलित विकास ही प्रदेश और देश की प्रगति की मजबूत नींव है। चौपाल के दौरान कलेक्टर ने किसानों, युवाओं, महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों से संवाद कर उनकी समस्याएं और सुझाव सुने। उन्होंने स्पष्ट किया कि ठााम सभा के माध्यम से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर ही विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इस दौरान ठाामीणों ने पेयजल संकट, स्कूलों में खेल मैदान की कमी, सडक़ और आवागमन की समस्या, अघोषित बिजली कटौती, कृषि, राजस्व और अतिक्रमण जैसे मुद्दे उठाए। अधिकारियों ने कई समस्याओं पर मौके पर ही कार्रवाई करते हुए समाधान की प्रक्रिया शुरू की। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ठाामीण मौजूद रहे।

### विश्व जल दिवस मनाया, जल संरक्षण का दिया संदेश

**रामगंजमंडी,( निसं )।** ग्राम पंचायत देवलीखुर्द में रविवार को जल महोत्सव के अंतर्गत विश्व जल दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम में सरपंच घनश्याम ओरा, सहायक अभियंता बलभद्र शर्मा, कनिष्ठ अभियंता व ओम प्रकाश मीना सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जल संरक्षण के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान समय में जल संकट एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है, ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह जल का सदुपयोग करे और इसे व्यर्थ बहने से रोके। ग्रामीणों को वर्षा जल संचयन, पानी की बचत, तथा दैनिक जीवन में जल के समुचित उपयोग के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर सरपंच घनश्याम ओरा ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जल संरक्षण को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाने में सहयोग करें। सहायक अभियंता बलभद्र शर्मा ने जल जीवन मिशन के तहत चल रही योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं, जिनमें जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को जल संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा जल बचाने का संकल्प लिया गया। ग्रामीणों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का भरोसा दिलाया।

## प्रेरणा का केंद्र

**अजमेर।** हेमू कालाणी की 103वीं जयंती के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दाहरसेन स्मारक को देशभक्ति और राष्ट्रीय प्रेरणा का केंद्र बताया गया। भारतीय सिंधु सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महेंद्र कुमार तीर्थाणी ने कहा कि यह स्मारक हिंगलाज माता के तीर्थ, महापुरुषों की प्रेरणादायी मूर्तियों और सिंधु सभ्यता के गौरवशाली इतिहास का संगम है। कार्यक्रम के दौरान नवरात्रि के उपलक्ष में हिंगलाज माता की पूजा की।

**खुली निविदा सूचना**

नवोदित द्वारा BPCL CSR प्रोजेक्ट के तहत राजस्थान के अजमेर जिले में चुनिंदा स्थानों पर 117 नग +10 नग अतिरिक्त BIS-प्रमाणित 100 LPH RO (150 लीटर इनबिल्ट वॉटर कूलर के साथ) की आपूर्ति के लिए खुली निविदा आमंत्रित करता है। अंतिम तिथि-25 मार्च 2026, संपर्क पता-नवोदित ग्राम उत्थान महिला एवं बाल विकास समिति, दशमेश कॉलोनी, सूरजगंज, इटारसी, नर्मदापुरम 461111 मप्र, पूछताछ के लिए ई-मेल:navodit.betul2010@gmail.com

# नागौर में लाखों का अवैध मादक पदार्थ पकड़ा, तीन आरोपी गिरफ्तार

## तीन अलग-अलग थानों में स्मैक, अफीम सहित डोडा-पोस्त के पौधे जब्त किये

**नागौर,** (निसं)। नागौर जिले में नशा मुक्त अभियान को लेकर चलाए जा रहे 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत नागौर जिला पुलिस ने एक ही दिन में तीन अलग-अलग थानों के क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई की है। पुलिस ने लाखों रुपये कीमत की स्मैक, अफीम और डोडा-पोस्त के पौधे जब्त कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

- 'ऑपरेशन संकल्प' के तहत पुलिस ने कार्रवाई की

सहायक पुलिस अधीक्षक जतिन जैन ने बताया कि पुलिस थाना सदर नागौर की टीम ने गश्त के दौरान रायधनु क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए आरोपी नरेश को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 86 ग्राम स्मैक, जिसकी कीमत लगभग 10.70 लाख रुपये आंकी गई है, के साथ ही दो लाख पंद्रह हजार रुपये नकद और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। आरोपी नरेश सदर थाने का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके खिलाफ पूर्व में करीब 30 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसी क्रम में पुलिस थाना श्रीबालाजी की टीम ने तितरी-जोधियासी क्षेत्र में छापेमारी कर आरोपी शिवराम को गिरफ्तार किया। उसके मकान से 1 किलो 643 ग्राम अफीम, 50,100 रुपये नकद और एक इलेक्ट्रॉनिक कांटा बरामद किया गया। बरामद अफीम की कीमत करीब 8.25 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वहीं, पुलिस थाना खींवसर क्षेत्र में भी बड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपी तिलोकराम को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उसके खेत और मकान से कुल 600 अवैध डोडा-पोस्त के पौधे जब्त किए, जिनमें 150 सूखे और 450 हरे-गीले पौधे शामिल हैं। आरोपी ने खेत में अन्य फसलों के बीच छिपाकर यह अवैध खेती कर रखी थी।

आरोपी ने खेत में अन्य फसलों के बीच छिपाकर डोडा-पोस्त की अवैध खेती कर रखी थी।

## बीकानेर में होटल से डोडा पोस्त बरामद

**बीकानेर,** (निसं)। पुलिस ने डॉग स्क्वायड की मदद से शोभासर चौराहा स्थित होटल-रेस्टोरेंट से 20.625 किग्रा डोडा-पोस्त बरामद कर संचालक को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार एंटी नारकोटिक्स टॉस्क फोर्स को शोभासर चौराहा स्थित बाबा होटल एंड रेस्टोरेंट पर खाने के साथ ही मादक पदार्थ बेचे जाने की सूचना मिली थी। एएनटीएफ के इंचार्ज महेन्द्रदत्त शर्मा की टीम और बीछवाल थाना पुलिस ने संयुक्त रूप से होटल-रेस्टोरेंट की घेराबंदी की। पुलिस ने डॉग स्क्वायड के साथ दबिश देकर छानबीन की। इस दौरान डॉग स्क्वायड ने एक प्लास्टिक के कट्टे की तरफ संकेत दिया। पुलिस ने तलाशी ली तो उसमें से 20.625 किग्रा डोडा-पोस्त बरामद हो गया। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर संचालक पांचू में शोभाना निवासी राजूसिंह को गिरफ्तार कर लिया।

# मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने सांवरिया सेठ के दर्शन किए

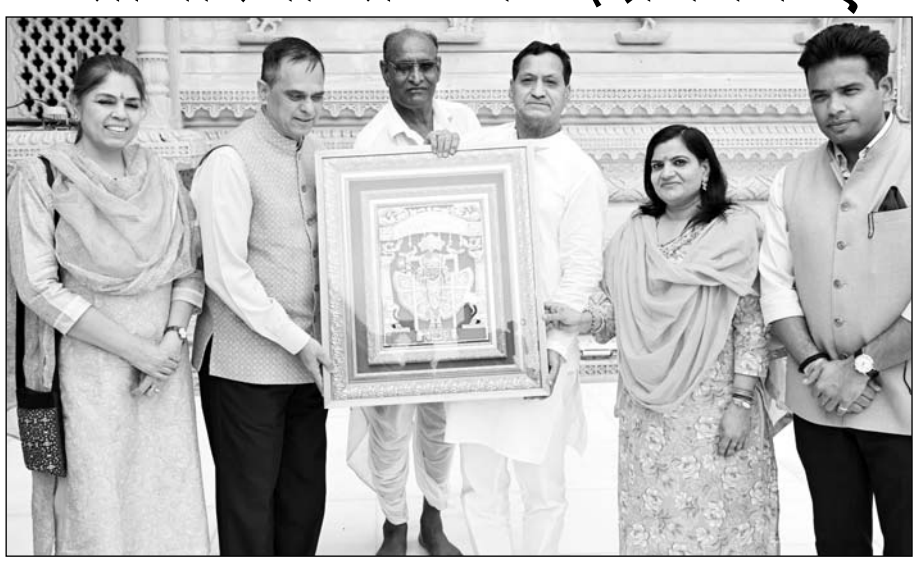

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन को अधिकारियों ने सांवरिया सेठ की तस्वीर भेंट कर अभिनंदन किया।

**मंडफिया,** (निसं)। प्रदेश के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन ने मेवाड़ के प्रसिद्ध आस्था केंद्र श्री सांवलिया सेठ मंदिर पहुंचकर भगवान श्री सांवरिया सेठ के दर्शन किए तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की। मंदिर परिसर में उनके आगमन पर मंदिर मंडल एवं प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा स्वागत किया गया। मंदिर में पुजारियों द्वारा विधि-विधानपूर्वक पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। इसके पश्चात मुख्य सचिव को चरणामृत पिलाया गया तथा प्रसाद भेंट कर उपरना ओढ़ाकर पारंपरिक रूप से सम्मानित किया गया। दर्शन के दौरान मुख्य सचिव ने मंदिर की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रमुख धार्मिक स्थलों पर सुव्यवस्थित प्रबंधन श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत आवश्यक है।

- मुख्य सचिव ने प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की

इस अवसर पर उदयपुर संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, जिला कलैक्टर आलोक रंजन, मंदिर मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव, अतिरिक्त जिला कलैक्टर, मुख्य मंदिर मंडल की मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रभा गौतम ने मुख्य सचिव को सांवरिया सेठ की तस्वीर भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस दौरान मंदिर विकास, सेवा प्रकल्पों एवं श्रद्धालुओं के लिए संचालित सुविधाओं की विस्तृत जानकारी भी अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव द्वारा प्रस्तुत की गई।

दर्शन कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी, एसडीएम रजनी मीणा, भदेसर पुलिस उपाधीक्षक विनोद लखारा, मंदिर मंडल के द्वितीय प्रशासनिक अधिकारी राजेन्द्र सिंह, किशन लाल अहीर सहित मंदिर मंडल के सदस्य एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। मुख्य सचिव के दौरे को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं के विशेष इंतजाम किए गए थे, जिससे दर्शन व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित रही। उनके इस आध्यात्मिक दौरे को स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं श्रद्धालुओं ने महत्वपूर्ण बताते हुए प्रदेश के धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्व को और सुदृढ़ करने वाला कदम माना।

**विकास कार्यों पर विशेष चर्चा :-** गौरतलब है कि वर्ष 1993 में जब मुख्य सचिव वी. श्रीनिवासन पूर्व में यहाँ निम्बाहेड़ा में एसडीएम रह चुके हैं, तब की तुलना में वर्तमान में मंदिर परिसर में व्यापक विकास एवं परिवर्तन देखने को मिला। बीते वर्षों में मंदिर परिसर का विस्तार, व्यवस्थाओं का आधुनिकीकरण, श्रद्धालुओं के लिए सुविधाओं में वृद्धि तथा सुरक्षा एवं प्रशासनिक प्रबंधन में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में यह मंदिर भव्य आस्था केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है, जो प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर के श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बन गया है।

# सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में दो शावकों के साथ नजर आई बाघिन 'एसटी-2302'

## बाघिन का मूवमेंट करणी सागर के आसपास देखा गया, स्थिति को देखते हुए सरिस्का प्रशासन ने अलर्ट जारी किया

**अलवर,** (निसं)। अलवर के सरिस्का टाइगर रिजर्व क्षेत्र में बाघिन अपने दो शावकों के साथ अठखेलियां करती हुई नजर आई। यह मूवमेंट करणी सागर के आसपास देखा गया। यहां करणी माता मंदिर में इन दिनों मेले के चलते रोजाना हजारों श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। स्थिति को देखते हुए सरिस्का प्रशासन ने अलर्ट जारी कर लोगों को सतर्क रहने की अपील की है।

पिछले कई दिनों से बाघिन का मंदिर के आसपास ही विचरण है। जिसे देखते हुए वन प्रशासन ने करणी सागर के पास दो वनकर्मियों की ड्यूटी लगाई है, ताकि कोई भक्त जंगल या सागर की तरफ नहीं आए। वरना खतरा हो सकता है। वैसे मंदिर आने-जाने में कोई डर नहीं है। नवरात्र में करणी माता मेले में रोजाना श्रद्धालु सुबह 6 बजे से आना शुरू हो जाते हैं, जबकि बाघिन एसटी-2302 अपने शावकों के साथ शनिवार को करणी माता मंदिर के आसपास तक पहुंची है। असल में बगल में ही करणी सागर है। जहां पानी पीने के लिए वन्यजीव पहुंचते हैं। मेले के दौरान भक्तों की आवाजाही होने के कारण सरिस्का टाइगर रिजर्व प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है। बाघिन एसटी-2302 का नाम भी करणी है, जो कई बार मंदिर से 100 मीटर दूर बने ऐतिहासिक करणी सागर के आसपास दिखाई दे चुकी है।

- बाघिन एसटी-2302 का नाम भी करणी है, जो कई बार मंदिर से 100 मीटर दूर बने ऐतिहासिक करणी सागर के आसपास दिखाई दे चुकी है

अलवर बफर रेंजर शंकर सिंह शेखावत ने बताया कि मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं को सावधानी बरतने की जरूरत है। बाघिन का मंदिर के आसपास मूवमेंट है। वनकर्मी लगातार उस पर नजर बनाए हुए हैं। दो वनकर्मियों को करणी सागर पर तैनात कर रखा है। फिर भी लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है, इसलिए भक्तों को सीधे मंदिर पहुंचना चाहिए। कहीं जंगल में प्रवेश नहीं करें। उससे खतरा हो सकता है। हालांकि, मंदिर आने-जाने वाले रास्ते में कोई खतरा नहीं है।

## मंदिरों से चांदी का छत्र और जेवर चोरी

**श्रीगंगानगर,** (निसं)। मंदिरों के ताले तोड़कर चोरी करने का मामला सामने आया है। चोर जेवरात और चढ़ावा चोरी कर ले गए। घटना जिले के चूनावढ़ थाना क्षेत्र की है।

गांव महिंयावाली के वार्ड नंबर-13 में स्थित शनिवार रात को चोर आमने-सामने स्थित काली माता मंदिर और विरमानी माता मंदिर के ताले तोड़कर अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दिया। चोर दोनों मंदिरों से सोने-चांदी के छत्र और चढ़ावा चोरी कर ले गए। सुबह जब ग्रामीणों को घटना का पता चला तो मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। घटना की सूचना मिलने पर चूनावढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। वहीं, घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है। ग्रामीणों ने आरोपियों को पकड़ने की मांग की है।

# भीलवाड़ा : मंदिर में हुई चोरी का पर्दाफाश, आरोपी गिरफ्तार

**भीलवाड़ा,** (निसं)। पारोली थाना पुलिस ने बागुदार स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर और चारण माताजी मंदिर में हुई चोरी का महज 24 घंटे में पर्दाफाश करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रार्थी रामलक्ष्मण वैष्णव निवासी बागुदार ने थाना पारोली पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 18 मार्च को दोपहर में अज्ञात चोर ने श्री चारभुजा नाथ मंदिर से चांदी का छत्र, चांदी की आरती और चांदी की दो गायें चोरी कर ली हैं। इसके अलावा पास ही स्थित चारण माताजी मंदिर से भी चांदी के दो छत्र चोरी होने की सूचना मिली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शाहपुरा राजेश आर्य और वृताधिकारी कोटड़ी सुरेश कुमार के सुपरविजन में थानाधिकारी सियाराम के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने घटनास्थल के आसपास के बीटीएस खंगाले और करीब 50 से 60 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का गहन विश्लेषण किया।तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अशोक पुत्र भूरा लाल सोनी निवासी बडलियास को हिरासत में लिया। कड़ी पूछताछ में आरोपी ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

## दो घरों से 35 लाख के जेवर व नकदी पार

**मांगलियावास,** (निसं)। थाना क्षेत्र के अखेपुरा और रिछमालिया गांवों में एक ही रात में हुई चोरी की घटनाओं ने ग्रामीणों में दहशत फैला दी। अज्ञात चोरों ने दो घरों को निशाना बनाते हुए करीब 30 से 35 लाख रुपये के जेवरात और नकदी चोरी कर ली। अखेपुरा में सांवर सिंह रावत के घर में चोरों ने कमरों के कुंदे बाहर से बंद कर वारदात को अंजाम दिया और नकदी व सोने-चांदी के जेवर चोरी कर लिए। इसके बाद किशनाराम मेहरात के घर में भी चोरी का प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीणों के जाग जाने पर चोर बाइक छोड़कर भाग गए।

- जाग होने पर बाइक छोड़कर भागे चोर

रिछमालिया गांव में बुद्धाराम देवासी के घर में चोर खिड़की तोड़कर घुसे और अलमारी से करीब 25 लाख रुपये के सोने-चांदी के जेवर तथा नकदी चोरी कर ले गए। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है।

# हनुमानगढ़ में नौ लाख की हेरोइन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

**हनुमानगढ़,** (निसं)। जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पीलीबंगा थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 45 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 9 लाख रुपए आंकी गई है।

पुलिस के अनुसार थाना पीलीबंगा की टीम एसआई वीरचंद के नेतृत्व में गश्त कर रही थी। इस दौरान संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर दो युवकों को रोका गया और उनकी तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान उनके पास से 45 ग्राम हेरोइन बरामद हुई, जिसके बाद दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनप्रीत सिंह उर्फ काला निवासी भोजों की पट्टी मोड, जिला तरनतारन पंजाब और सुखविंदर सिंह निवासी सेदों, पट्टी मोड़, जिला तरनतारन पंजाब के रूप में हुई है। दोनों पंजाब के रहने वाले हैं, जिससे किसी अंतरराज्यीय गिरोह के संलिप्त होने की आशंका जताई जा रही है। उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ में नशा तस्करी के नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की संभावना है। इस दिशा में आगे की कार्रवाई जारी है।

- दोनों आरोपी पंजाब के रहने वाले हैं, जिससे किसी अंतरराज्यीय गिरोह के संलिप्त होने की आशंका जताई जा रही है

पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीना ने बताया कि जिले में नशे के कारोबार पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नशा तस्करी में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऐसे तत्वों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

## हेरोइन सहित एक जने को पकड़ा

**सूरतगढ़,** (निसं)। सिटी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान एक व्यक्ति को 10.45 ग्राम चिट्टे (हेरोइन) सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहा था, लेकिन पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया।

थाना के सब इंस्पेक्टर माणकलाल ने बताया कि सांयकालीन गश्त के दौरान सूचना मिली कि बाइपास स्थित कब्रिस्तान के पास कच्चे रास्ते पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा है। सूचना मिलने पर पुलिस टीम में शामिल कॉन्स्टेबल गुलाब सिंह, जसवंत और जसवीर के साथ वे मौके पर पहुंचे। पुलिस को देखकर वहां खड़ा व्यक्ति अचानक भागने लगा, लेकिन पुलिस जाब्ते की मदद से उसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 10.45 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर आरोपी से नाम-पता पूछा तो उसने अपना नाम मोहनलाल उर्फ मुमताज पुत्र भजनलाल मिरासी निवासी वार्ड नंबर 4, सूरतगढ़ बताया। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि मामले में आगे की जांच राजियासर सीआई कलावती चौधरी को सौंपी गई है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह चिट्टा कहां से लाया था और इसके पीछे और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं।

# बदमाशों ने मकान से 25 लाख के जेवर और ढाई लाख रुपये चुराये

## चोर रोशनदान की जाली काटकर अंदर घुसे और वारदात को अंजाम दिया

**टोंक,** (निसं)। पीपलू थाना क्षेत्र के ग्राम बगड़वा में दो मकानों से चोर शनिवार रात्रि को 25 लाख ज्वैलरी और 2.5 लाख नगदी चुरा कर ले गए। चोर रोशनदान की जाली काटकर अंदर घुसे और इस चोरी को अंजाम दिया है। वारदात के समय मकान मालिक और परिवार घर के बाहर टीनशेड के नीचे सो रहे थे। सुबह गाय का दूध निकालने के लिए परिजन उठे और बिखरा हुआ सामान देखा तो चोरी का मालूम चला।

- वारदात के समय मकान मालिक और परिवार के लोग घर के बाहर टीनशेड के नीचे सो रहे थे

इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची और एफएसएल टीम को भी बुलाया, टीम ने बक्सों समेत अन्य सामानों पर लगे फिंगरप्रिंट इकट्ठा किए हैं।

पीड़ित मदनलाल स्वामी के बताया कि चोरो ने पीछे गया तो वहां रोशनदान पर सीढ़ी से कमरे में घुसकर वहां से एक किलो वजनी चांदी की तीन सिल्लियां, आधा किलो चांदी के जेवर, तीन तोला सोने की राखड़ी, दो तोला सोने के कानों के झुमके, चार चांदी के सिक्के और करीब 2 लाख रुपए नकद चोरी कर ले गये। वहीं शुक्रवार बीती रात ही पड़ोसी राजू शर्मा के घर में भी चोर घुसे और उनके मकान से कमरे में रखे बक्से का ताला तोड़कर पुराने 11 चांदी के सिक्के, करीब 250 ग्राम चांदी की पायजेब, सोने के टॉप्स के अलावा 53 हजार रुपए चोर चुराकर ले गए थे।

इसी प्रकार मुख्यालय स्थित एस.पी. ऑफिस के सामने कलंदरी मस्जिद बंगला बेण्ड मास्टर वाके से चोरो ने सरीये व पाईप से मस्जिद का ताला तोड़कर मस्जिद का माईक, माईक की मशीन, कुलर की मोटरें, इन्वेटर के वायर, लाईट के वायर आदि सामान चोरी करके ले गए।

चोरी की वारदात के बाद मकान में सामान बिखरा पड़ा है।

# सीमेंट से भरा ट्रेलर पलटा, हाइवे पर वाहनों का लंबा जाम लगा

## हाइवे पर करीब एक घंटे तक बाधित रहा आवागमन, घायल चालक को अस्पताल में भर्ती कराया

**मांगलियावास,** (निसं)। मांगलियावास बाइपास स्थित अजमेरी गेट होटल के पास रविवार दोपहर में सीमेंट से भरा एक ट्रेलर असंतुलित होकर पलट गया, जिससे हाइवे पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर की ओर जा रहा सीमेंट के कट्टों से लदा ट्रेलर चालक की लापरवाही के चलते अचानक असंतुलित हो गया और सड़क पर पलट गया। हादसे के बाद ट्रेलर करीब 50 फीट तक घिसटता हुआ आगे बढ़ा, जिससे उसमें भरे सीमेंट के कट्टे सड़क पर बिखर गए। घटना में ट्रेलर चालक घायल हो गया, जिसे सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस के जरिए उपचार के लिए अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी डॉ. दीपेंद्र सैनी, एएसआई हुकम सिंह और हेड कांस्टेबल बाबूलाल मीणा सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया।

सड़क पर कट्टे बिखरने से वाहनों की आवाजाही पूरी तरह बाधित हो गई और हाइवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटे ट्रेलर को हटवाया और सड़क से कट्टों को साफ करवाया। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद यातायात सुचारू हो सका। फिलहाल इस संबंध में किसी भी पक्ष द्वारा मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटे ट्रेलर को हटवाया और सड़क से कट्टों को साफ करवाया।

# एक ही दिन में छह हजार से अधिक पर्यटकों ने किया वन्यजीवों का दीदार

**जयपुर** (कासं)। नाहरगढ़ जैविक उद्यान सैलानियों की पहली पसंद बनता जा रहा है। रविवार को उद्यान में पर्यटकों की रिकॉर्ड भीड़ देखने को मिली, जब एक ही दिन में 6 हजार से अधिक पर्यटकों ने यहां पहुंचकर वन्यजीवों का दीदार किया।

एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि बदलते मौसम का सुहावना मिजाज और अवकाश का दिन होने के

- **नाहरगढ़ जैविक उद्यान में उमड़ा सैलानियों का सैलाब, पर्यटकों का टूटा रिकॉर्ड**

नाहरगढ जैविक उद्यान में रविवार को पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी, लोगों ने बाघ समेत कई वन्य जीवों का दीदार किया।

कारण बड़ी संख्या में पर्यटक उद्यान की ओर आकर्षित हुए। रविवार को कुल 6029 सैलानियों ने उद्यान का भ्रमण कर वन्यजीवों को नजदीक से देखने का अनुभव प्राप्त किया, जो एक दिन में आने वाले पर्यटकों की अब तक की सर्वाधिक संख्या है।

उन्होंने बताया कि इस दौरान लायन सफारी और टाइगर सफारी पर्यटकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रहीं। कुल 457 पर्यटकों ने इन दोनों सफारियों का रोमांचक अनुभव लिया। बाघों की गर्जना और शेरों की शाही चाल ने सैलानियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नाहरगढ़ जैविक उद्यान में संचालित टाइगर एवं लायन सफारी इन दिनों न केवल जयपुरवासियों बल्कि अन्य जिलों एवं राज्यों से आने वाले पर्यटकों के लिए भी विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। शहर के समीप प्राकृतिक हरियाली और वन्यजीवों का यह संगम पर्यटकों को पारिवारिक सैर के साथ रोमांच का अनूठा अनुभव प्रदान कर रहा है।

उप वन संरक्षक विजयपाल सिंह के निर्देशन में उद्यान में पर्यटकों की सुरक्षा, सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एसीएफ देवेन्द्र सिंह राठौड़ एवं रैंजर शुभम शर्मा द्वारा रविवार को सफारियों की सघन मॉनिटरिंग कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

एसीएफ राठौड़ की देखरेख में टूरिज्म मैनेजमेंट टीम द्वारा सफारी संचालन एवं भीड़ नियंत्रण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की गई। पर्यटकों को टिकटिंग, वाहन सुविधा, मार्गदर्शन एवं स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं में पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। वन विभाग की सतत निगरानी एवं सुव्यवस्थित प्रबंधन के चलते नाहरगढ़ जैविक उद्यान आज राज्य के प्रमुख एवं लोकप्रिय वन्यजीव पर्यटन स्थलों में शुमार हो गया है। यह उद्यान न केवल पर्यावरण संरक्षण का सशक्त उदाहरण है, बल्कि पर्यटकों के लिए शिक्षाप्रद एवं मनोरंजक अनुभव का प्रमुख केंद्र भी बनता जा रहा है।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज जोबनेर व सांभर के दौरे पर

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर।** प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सोमवार को जोबनेर स्थित ज्वाला माता मंदिर में दोपहर 1 बजे तथा सांभर

- **ज्वाला माता व शाकम्भरी माता के दर्शन करेंगे, कई स्थानों पर होगा स्वागत**

स्थित शाकम्भरी माता मंदिर में दोपहर 2 बजे दर्शन करेंगे। मुख्यमंत्री के इस दौरे को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और प्रशासन के साथ-साथ संगठन स्तर पर भी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

भाजपा जयपुर देहात दक्षिण जिलाध्यक्ष राजेश गुर्जर ने रविवार को कालवाड़, फुलेरा, सांभर सहित विभिन्न मंडलों की बैठकें लेकर कार्यक्रम की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपते हुए दौरे को सफल बनाने के लिए अनुशासन, समन्वय और सक्रिय भागीदारी पर जोर दिया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर मार्ग में विभिन्न स्थानों पर कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत की तैयारियां की गई हैं। जगह-जगह स्वागत द्वार, बैनर और जनसंपर्क की व्यवस्थाएं की गई हैं।

## जर्जर स्कूलों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार ने 300 करोड़ रुपए मंजूर किए

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर** । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश में जर्जर विद्यालय भवनों के पुनर्निर्माण के लिए केंद्र सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 300 करोड़ रुपये की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए मजबूत आधारभूत संरचना का

- **सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया**
- **विद्यार्थियों को सुरक्षित-आधुनिक शैक्षिणक वातावरण उपलब्ध करवाना हमारी प्राथमिकता है : मुख्यमंत्री**

निर्माण हमारी प्राथमिकता है। हमारा उद्देश्य है कि प्रत्येक विद्यार्थी को सुरक्षित, आधुनिक और प्रेरणादायक शैक्षिणक वातावरण मिले, ताकि वे अपने सपनों को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में केंद्र सरकार के इस सहयोग से प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मक सुधार होगा तथा विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

## ''घूमर'' समारोह में शरीक हुईं दिया कुमारी

**जयपुर।** उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने रविवार को मानसरोवर में राष्ट्र सेविका समिति, जयपुर प्रांत द्वारा आयोजित हिन्दू नववर्ष समारोह घूमर में भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने सभी उपस्थित गणमान्यजनों को नव संवत्सर की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपराओं और नारी शक्ति के गौरव का सुंदर प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा, एकता और संस्कारों का संचार करते हैं।

दिया कुमारी ने कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा प्रस्तुत आकर्षक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि घूमर राजस्थान की पहचान है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी को मिलकर अपने रीति-रिवाज, परंपरागत संस्कृति और त्योहारों को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही नई पीढ़ी को इन परंपराओं से अवगत कराना भी आवश्यक है, ताकि वे इनके महत्व को समझ सकें।

इस अवसर पर जयपुर सांसद मंजू शर्मा, राष्ट्र सेविका समिति की अखिल भारतीय सह कार्यवाहिका सुनीता हाल्देकर, संयोजिका सपना वर्मा, प्रांत कार्यवाहिका संगीता जांगिड़ सहित बड़ी संख्या में मातृशक्ति उपस्थित रही।

## सिटी पैलेस से तालकटोरा तक निकली बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी

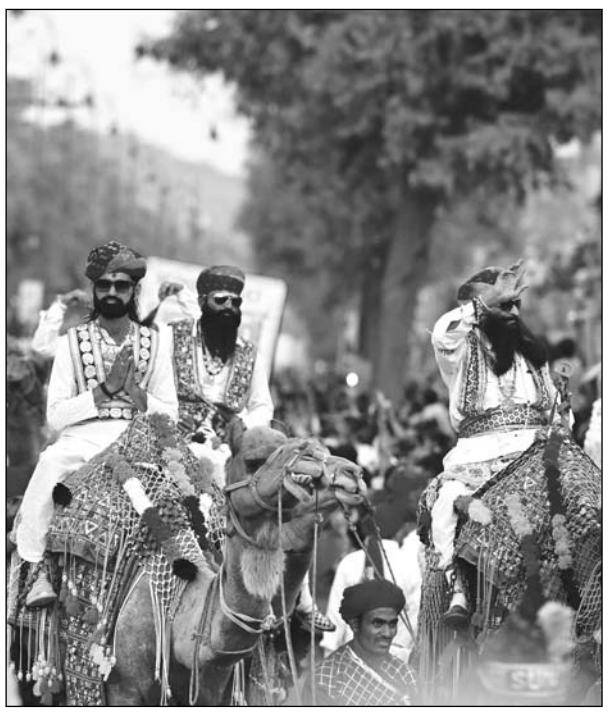

राजधानी जयपुर में रविवार शाम बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी निकाली गई। इस दौरान हाथी-घोड़े के लवाजमें और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियों ने लोगों का मन मोहा।

**जयपुर।** राजस्थान की समृद्ध परंपरा और लोक संस्कृति का अद्भुत नजारा रविवार शाम बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी में देखने को मिला। सिटी पैलेस से रवाना हुई गणगौर माता की सवारी त्रिपोलिया गेट, छोटी चौपड़ और गणगौरी बाजार से होते हुए तालकटोरा स्थित पौड्रिक पार्क तक पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ी रही।

शाही सवारी में 30 से अधिक पारंपरिक लवाजमे और करीब 200 लोक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। सवारी के त्रिपोलिया गेट से बाहर निकलते ही जयकारों की गूंज सुनाई दी, वहीं महिलाएं सिर पर कलश लेकर पीछे-पीछे चलती नजर आईं।

सवारी से पूर्व कच्ची घोड़ी, गैर नृत्य और कालबेलिया नृत्य सहित विभिन्न लोक कलाओं की प्रस्तुतियां दी गईं। अलवर के भपंग वादकों ने राजस्थानी धुनों से वातावरण को और जीवंत बना दिया।

सवारी में हाथी, घोड़े, ऊंट और बैलगाड़ियों के साथ जयपुर पूर्व राजपरिवार का शाही काफिला भी शामिल रहा। हाथियों पर पचरंगा ध्वज और चांदी की गदा विशेष आकर्षण रहे। एक हाथी द्वारा विदेशी पर्यटक को सूंड से आशीर्वाद देने का दृश्य भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बना। देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए विशेष बैठने की व्यवस्था की गई थी।

बड़ी संख्या में लोग इस पारंपरिक आयोजन को देखने पहुंचे और रंग-बिरंगी झांकियों व लोक संस्कृति की झलक को अपने कैमरों में कैद किया। पूरे मार्ग में उत्सवमय माहौल बना रहा और जयपुर की सांस्कृतिक विरासत का भव्य प्रदर्शन देखने को मिला।

## राष्ट्रभक्ति के स्वर से गूंजा जयपुर

**जयपुर ।** राजधानी जयपुर में रविवार शाम राष्ट्रभक्ति और साहित्य का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब अखिल भारतीय साहित्य परिषद, जयपुर विभाग द्वारा राष्ट्र साधना के 100 वर्ष विषय पर भव्य काव्य संध्या का आयोजन मानसरोवर क्षेत्र में किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रप्रेम, संस्कृति और भारतीय गौरव के भावों से ओतप्रोत रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ मां भारती और मां शारदे के चित्रों के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुआ। बांसवाड़ा के कवि बृजमोहन तूफान ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया। कार्यक्रम संयोजक रवि पारीक ने बताया कि परिषद की ओर से जयपुर में पहली बार आयोजित इस भव्य काव्य संध्या में देश के विभिन्न राज्यों से आए कवियों ने राष्ट्रभक्ति के ओजपूर्ण काव्य से श्रोताओं को भाव-विभोर कर दिया। मुख्य अतिथि सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा कार्यक्रम में अंत तक उपस्थित रहे।

## सम्मेलन 1 मई को

**जयपुर।** अखिल भारतीय हरियाणा गौड़ ब्राह्मण महासभा, जयपुर के तत्वावधान में आगामी 1 मई को हरियाणा गौड ब्राह्मण छात्रावास परिसर, अलियाबाद मोड़, महाराजपुरा, तहसील निवाई, जिला-टोंक में आयोजित होने वाले आदर्श विशाल सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण परिचर्चा बैठक का सफल आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिरधी चन्द बंबाला ने की बैठक में सामूहिक विवाह की विभिन्न व्यवस्थाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ तथा नगद राशि की घोषणा सहित अन्य महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

## पुलिस दूरसंचार विभाग के 110 कार्मिकों को आज मिलेगा सम्मान

**जयपुर ।** पुलिस दूरसंचार विभाग के जांबाज अधिकारियों और कर्मचारियों की कर्तव्यनिष्ठा को सराहने के लिए सोमवार प्रात: 7:30 बजे एक भव्य पदक वितरण समारोह का आयोजन किया जा रहा है। जयपुर के घाट गेट स्थित पुलिस दूरसंचार लाइन में आयोजित होने वाले इस गरिमामय कार्यक्रम में विभाग के 110 कार्मिकों को उनकी विशिष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया जाएगा। समारोह के

- **पुलिस महानिदेशक संजय अग्रवाल और एडीजी वीके सिंह करेंगे उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पदक वितरण**

मुख्य अतिथि पुलिस महानिदेशक कानून-व्यवस्था संजय अग्रवाल होंगे। उनके साथ अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवाएँ वी.के. सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहकर कार्मिकों का उत्साहवर्धन करेंगे।

समारोह के दौरान कुल 110 पुलिस दूरसंचार कार्मिकों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें 31 कार्मिकों को अति उत्कृष्ट सेवा पदक, 38 को उत्कृष्ट सेवा पदक, 7 को डीजीपी डिस्क, 3 को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह, 9 को अति उत्तम सेवा चिन्ह तथा 22 कार्मिकों को उत्तम सेवा चिन्ह प्रदान किए जाएंगे। विशेष बात यह है कि इन सम्मानित होने वाले कार्मिकों में कुछ सेवानिवृत्त कार्मिक भी शामिल हैं, जिन्हें इस अवसर पर विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। यह आयोजन न केवल सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों का मनोबल बढ़ाएगा, बल्कि पुलिस दूरसंचार विभाग की समर्पित कार्यशैली को भी सम्मानित करेगा।

## 5 किलो डोडा-चूरा के साथ तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ा

**जयपुर ।** जयपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान ऑपरेशन एंटी वेनम के तहत दूदू थाना पुलिस ने रविवार को नाकाबंदी के दौरान एक युवक को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 5.10 किलोग्राम अवैध डोडा छिलका और तस्करी में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की है। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक हनुमान प्रसाद मीणा ने बताया कि दूदू पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जीवराज नाम का व्यक्ति मोटरसाइकिल पर डोडा छिलका बेचने के फिराक में है। इस सूचना पर पुलिस ने धांधोली से कचनारिया जाने वाले रास्ते पर नाकाबंदी की । नाकाबंदी के दौरान सामने से आ रहा युवक पुलिस जाप्ते को देखकर भागने लगा। जिसे टीम ने घेराबंदी कर पकड़ लिया । तलाशी लेने पर उसकी मोटरसाइकिल पर रखे सफेद कट्टे से 5 किलो 10 ग्राम डोडा छिलका बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी जीवराज (23) निवासी धांधोली को गिरफ्तार किया।

## सोलफुल क़व्वाली फेस्टिवल में दिखेगी गंगा-जमुनी तहजीब

**जयपुर** (कासं)। भारत की गंगा-जमुनी तहजीब, आपसी भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द को समर्पित सोलफुल क़व्वाली फेस्टिवल का आयोजन 24 और 25 मार्च को जयपुर के जवाहर कला केंद्र में किया जाएगा। यह आयोजन स्वागत जयपुर फाउंडेशन और नॉर्थ जोन कल्चरल सेंटर, पटियाला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा। स्वागत जयपुर फाउंडेशन के अध्यक्ष इकबाल खान नियाजी ने बताया कि यह दो दिवसीय फेस्टिवल राजस्थान के प्रसिद्ध कव्वाल मुहम्मद सिद्दीक़ की याद में ईद के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

फेस्टिवल में अजमेर दरगाह के शाही क़व्वाल मोहम्मद मुबीन, कोटा के मशहूर क़व्वाल हिफ़्ज़ुर्रहमान हाकिमी और जयपुर के उस्ताद अनवार हुसैन नियाजी अपनी गायिकी के जरिए सूफियाना कलाम पेश करेंगे, जो प्रेम, शांति और इंसानियत का संदेश देंगे। कार्यक्रम का आयोजन

- **जवाहर कला केन्द्र में कल से सजेगी सूफियाना महफिल**

दोनों दिन शाम 6 बजे से किया जाएगा। इस सांस्कृतिक उत्सव में आमजन के लिए प्रवेश नि:शुल्क रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इसमें भाग लेकर सूफी संगीत की इस विरासत का आनंद ले सकें। यह फेस्टिवल न केवल संगीत प्रेमियों के लिए एक खास अवसर है, बल्कि समाज में आपसी सौहार्द, एकता और भाईचारे को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल भी है।

## अब सप्ताह भर नहीं चलेगी हीटवेव

**जयपुर ।** कमजोर पश्चिम विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को प्रदेश के आधा दर्जन शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। पोकरण में आंधी-बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। मौसम विभाग ने राज्य में आगामी एक सप्ताह हीटवेव नहीं चलने की संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को सीकर, जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर सहित करीब आधा दर्जन शहरों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई। बारिश से रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा है। दोपहर में पोकरण में कुछ स्थानों पर ओले गिरे। रविवार को बाड़मेर प्रदेश में सबसे गर्म रहा, यहां का अधिकतम तापमान 35.2 और न्यूनतम तापमान 20.4 डिग्री दर्ज किया गया। रविवार को सबसे ज्यादा बारिश जैसलमेर में 13 मिमी दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि प्रदेश के अधिकांश भागों में आगामी 4-5 दिन मौसम मुख्यत: शुष्क रहने की संभावना है। राज्य में आगामी एक सप्ताह हीटवेव की संभावना नहीं है।

जयपुर में शनिवार रात को हल्की बारिश दर्ज की गई। हालांकि रविवार को दिनभर धूप खिली और हल्के एवं छितराए बादल नजर आए।

## खेजड़ी सहित हरे पेड़ों के संरक्षण के लिए सख्त कानून की तैयारी

### संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण तीसरी बैठक आयोजित

-कार्यालय संवाददाता-

**जयपुर ।** राज्य वृक्ष खेजड़ी एवं हरे पेड़ों के संरक्षण, संवर्धन तथा पर्यावरण सुरक्षा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा सख्त कानून लाने की दिशा में ठोस पहल की जा रही है। इसी क्रम में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य विभाग के मंत्री जोगाराम पटेल की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण तीसरी बैठक आयोजित की गई।

बैठक में राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, विधि विभाग, राजस्व विभाग, अतिरिक्त मुख्य सचिव वन विभाग सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में पूर्व में आयोजित द्वितीय बैठक में लिये गये निर्णयों के क्रम में विधेयक का प्रारूप प्रस्तुत किया गया, जिस पर विस्तृत चर्चा की गई।

विचार-विमर्श के दौरान विधेयक के विभिन्न बिंदुओं पर गहनता से अध्ययन करते हुए अतिशीघ्र अंतिम प्रारूप तैयार करने की रूपरेखा निर्धारित की गई। इस दौरान विशेष रूप से यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया कि प्रस्तावित कानून से आमजन को किसी प्रकार की अनावश्यक कठिनाई का सामना न करना पड़े।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए पेड़ों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई।

हरे पेड़ों की कटाई पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कठोर प्रावधानों को विधेयक में शामिल करने पर चर्चा हुई। इसके अंतर्गत क्षेत्राधिकार, न्यायिक प्रक्रिया, जांच, अपील, दंड प्रावधान, प्राधिकरण, क्रियान्वयन व्यवस्था सहित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार किया गया।

साथ ही संरक्षित पेड़ों की सूची तैयार कर उसे विधेयक में शामिल करने का निर्णय लिया गया, जिससे संवेदनशील प्रजातियों का विशेष संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके।

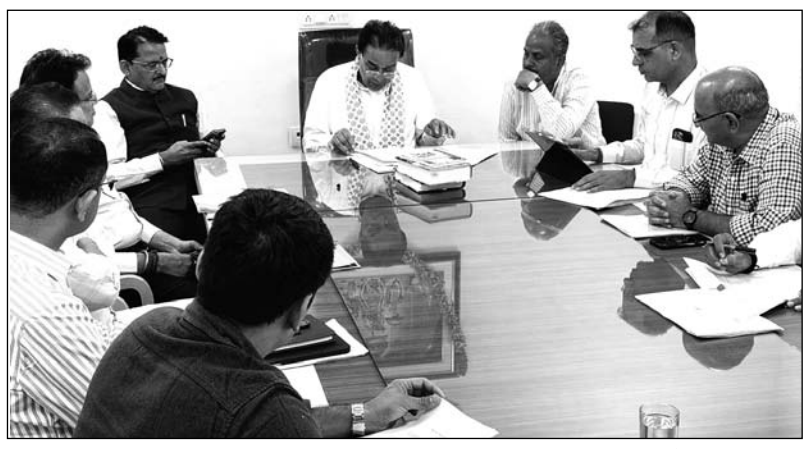

संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने खेजड़ी संरक्षण को लेकर तीसरी बैठक ली।

## स्टोरी टेलर दिव्य प्रकाश ने सुनाई छोटे शहर की रूहानी कहानी

**जयपुर ।** बॉलीवुड के मशहूर स्टोरीटेलर दिव्य प्रकाश दुबे ने रविवार को स्टोरी टेलिंग शो टेंशन मत ले यार...में जिन्दगी को हल्के दिल से देखने के नजरिए से रूबरू कराया। द कला मंच जयपुर की ओर से यहां महाराणा प्रताप सभागार में हुए इस खास शो में दुबे ने छोटे शहर की कहानी कही, जिसका ताना-बाना एक लड़के से जुड़ी जीवन यात्रा के इर्द-गिर्द बुना गया। समकालीन कहानी कहने के जादूगर दुबे के सहज और सरल तरीके से शहर के कहानीप्रेमियों को भावनात्मक रूप से अंत तक जोड़े रखा। उनका चुटीला व चुटकलों से भरा अंदाज, हंसी मजाक के साथ अगले ही पल भावुक करने के उनके कमाले फन ने रुहानी कहानी के मर्म को शिद्दत से महसूस कराया। गौरतलब है कि यह शो दूसरी बार यहां जयपुर में हुआ। इमर्सिव स्टोरीटेलिंग के एक सुखद एवं अनोखे अनुभव से लबरेज यह प्रोग्राम खासतौर से युवाओं के मद्देनजर इस तरह से डिजाइन किया गया, ताकि उनकी जिन्दगी का फलसफा और उनकी मुश्किल राहों को आसान

बना सके। इससे पहले कार्यक्रम के फ्रेमर्स और फाउंडर राजेश शर्मा और व सतिन्दर सिंह ने बताया कि वे आगामी दिनों में शहर के लोगों के लिए बेहतरीन शोज का आयोजन करेंगे। ज्ञात रहे कि दिव्य प्रकाश दुबे ने शर्ते लागू, मसाला चाय, मुसाफिर कैफे, अक्टूबर जंक्शन, इब्नेबतूती, आको-बाको और यार पापा जैसी 8 बेस्टसेलर किताबें लिखी हैं।

# पावटा : हमले में घायल युवक की ढाई महीने बाद इलाज के दौरान मौत

## बदमाशों ने युवक पर हमला कर दिया था, परिजनों ने अस्पताल में भर्ती कराया था

**पावटा,** (निसं)। क्षेत्र के ग्राम बियावास में मालियों की ढाणी में दो महीने बीस दिन पहले हुए जानलेवा हमले के मामले में अब बड़ा मोड़ सामने आया है। गंभीर रूप से घायल युवक ने लंबा इलाज चलने के बाद आखिरकार शनिवार को दम तोड़ दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में एक बार फिर से सनसनी फैल गई है।

जानकारी के अनुसार, करीब दो महीने बीस दिन पूर्व कुछ बदमाशों ने युवक पर जान से मारने की नियत से हमला कर दिया था। हमले में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे परिजनों द्वारा तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पिछले दो महिने बीस दिन से उसका इलाज चल रहा था। परिजनों ने बताया कि युवक ने जिंदगी और मौत के बीच लंबी जंग लड़ी, लेकिन आखिरकार इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। वहीं गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इसके बाद परिजन और ग्रामीण दोपहर मृतक युवक के शव को वाहन में लेकर विराटनगर थाना पहुंचे और थाना परिसर में धरने पर बैठ गए। ग्रामीणों ने मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी, परिजनों को आर्थिक सहायता और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई। सूचना पर विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल, सीओ उमेश निठारवाल और भाजपा जिलाध्यक्ष उत्तर सुरेश बादलीबाल मौके पर पहुंचे और धरनार्थियों से वार्ता की।

परिजन और ग्रामीण मांगों को लेकर विराटनगर थाना परिसर में धरने पर बैठ गए।

- मृतक की पत्नी को संविदा पर नौकरी, परिजनों को आर्थिक सहायता और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई

बादलीवाल ने फोन पर विधायक कुलदीप धनखड़ को मामले की जानकारी दी। इसके बाद विधायक की ओर से मृतका की पत्नी को संविदा पर नौकरी दिलाने, जनसहयोग से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने और शेष आरोपियों की गिरफ्तारी कराने का आश्वासन दिया। इसके बाद शाम करीब तीन बजे धरना समाप्त हुआ। इसके बाद परिजन शव को लेकर उपजिला चिकित्सालय पहुंचे, जहा चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया। मामले में पुलिस ने पहले ही आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। अब युवक की मौत के बाद पुलिस ने मामले को हत्या में परिवर्तित कर लिया है।

विराटनगर थाना प्रभारी सोहनलाल ने बताया कि नामजद आरोपित राजकुमार सैनी, योगेश सैनी और कोमल सैनी को गिरफ्तार कर एक नाबालिग को निरुद्ध किया था। मामले में फरार अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी है। आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। वहीं ग्रामीणों ने दोषियों को जल्द से जल्द कड़ी सजा दिलाने की मांग की है।

# कोटा : घर में मृत अवस्था में मिली 50 वर्षीय महिला

## परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, पुलिस जांच में जुटी

**कोटा,** (निसं)। आरकेपुरम् थाना इलाके में एक 50 वर्षीय महिला अपने घर में मृत अवस्था में मिली। कमरे में महिला का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर आरकेपुरम् थाना पुलिस टीम सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और मौके पर एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गये। मृतका के परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है।

- पुलिस टीम सहित अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और एफएसएल और एमओबी टीम को बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए गये

जानकारी के अनुसार आरकेपुरम् इलाके के गणेश नगर में एक घर में रविवार को महिला का शव मिला। बताया जा रहा है कि महिला घर में अकेली रहती थी। सूचना मिलने के बाद परिजन रिश्तेदार और पुलिस भी मौके पर पहुंचे। घटना का खुलासा उस समय हुआ जब दूध वाला दूध देने आया और आवाज देने पर भी महिला ने दरवाजा नहीं खोला। आरकेपुरम् थानाधिकारी प्रशिक्षु आईपीएस सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने बताया कि मृतका गणेशनगर निवासी बृजेश शर्मा (50) थी। थानाधिकारी ने बताया कि सूचना मिलते ही टीम लेकर मौके पर पहुंचे और साक्ष्य भी एकत्र किये गये हैं। मृतका महिला मकान में दूसरी मंजिल पर अकेली रहती थी और नीचे किराएदार रहते थे लेकिन अभी कोई नहीं है। घटना की सूचना मिलते ही अन्य परिजन भी पहुंच गए थे। मृतका की मौत संदिग्ध है। मृतका के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट व जांच के बाद ही मामले का खुलासा हो पायेगा मामला दर्ज कर हर एंगल से मामले की जांच की जा रही है।

# आठ साल से लापता युवक परिवार से मिला

**सूरतगढ़,** (निसं)। किशनपुरा आबादी स्थित गुरु भरोसा सेवा संस्था की मानवीय सेवा का एक और उदाहरण रविवार को सामने आया है। संस्था ने आठ साल से लापता एक युवक को उसके परिवार से मिलवाया।

- गुरु भरोसा सेवा संस्था ने युवक को पुनर्वास कराया

सेवादार सिकंदर सिंह, कृष्ण चौधरी और धनवीर सिंह हुंदल ने बताया कि 27 सितंबर 2023 को उप जिला चिकित्सालय सूरतगढ़ परिसर में एक अज्ञात पुरुष अचेत और असहाय अवस्था में मिला था। समाजसेवी सदस्यों ने उसे तुरंत प्राथमिक उपचार दिलवाकर संस्था में देखभाल के लिए पहुंचाया। संस्था में लाए जाने के समय युवक की हालत बेहद गंभीर थी। उसके बाएं पैर में गहरा घाव था, जिसमें सफेद कीड़े रेंग रहे थे और निचले हिस्से में मवाद भरा हुआ था। उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने के कारण वह अपना पूरा पता भी नहीं बता पा रहा था। संस्था ने उप जिला चिकित्सालय के अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. भरत भूषण और राजकीय जिला चिकित्सालय श्रीगंगानगर के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रेम अग्रवाल के निर्देशन में युवक का उपचार शुरू कराया। लगातार इलाज, देखभाल और संस्था में मिले पारिवारिक माहौल से युवक की सेहत में धीरे-धीरे सुधार होने लगा। संस्था के पुनर्वास सेवादारों की लगातार पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम सुरेशराम और निवास ग्राम सोभरा, तहसील खटीमा (उत्तराखंड) बताया। इसके बाद संस्था ने खटीमा प्रशासन के सहयोग से क्षेत्र में उसका वीडियो प्रसारित करवाया, जिससे उसके परिजनों तक सूचना पहुंच सकी।

सूचना मिलने पर सुरेशराम की मां, भाई और पत्नी संस्था पहुंचे। परिजनों ने बताया कि सुरेशराम करीब आठ वर्ष से घर से लापता था और काफी तलाश के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला था। मां ने कहा कि उन्होंने तो मान लिया था कि सुरेश अब इस दुनिया में नहीं रहा, लेकिन आज ईश्वर ने उसे नया जीवन देकर वापस लौटा दिया। संस्था प्रबंधक समिति ने सुरेशराम को माला पहनाकर नए जीवन की शुरुआत के लिए प्रोत्साहित करते हुए विदाई दी। परिजनों ने संस्था और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। संस्था के मुख्य सेवादार ने बताया कि यह सेवा परमपिता परमात्मा की कृपा और समाजसेवी साथियों के सहयोग से संभव हो पाई है।

# अवैध हथकढ़ शराब जब्त

**गजसिंहपुर,** (निसं)। पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 10 लीटर अवैध हथकढ़ शराब बरामद की है। एएसआई रेशम सिंह के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में विरूराम पुत्र अमराराम नायक (52) को गिरफ्तार किया गया। विरूराम 10 एफएफ का निवासी है और उसे सड़क आम रोही 12 एफएफ से पकड़ा गया। आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है।

# हत्या का आरोपी गिरफ्तार

**टोंक,** (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मालपुरा पुष्पेन्द्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में डिग्गी थानाधिकारी गोपाल चौधरी के नेतृत्व में गठित टीमों द्वारा थाना डिग्गी क्षेत्र के कलमण्डा गांव में पीड़ित हकीम खान के ऊपर पेट्रोल डालकर जलाकर हत्या करने के मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने फरार चल रहे आरोपी अब्दुल रशीद अहमद पुत्र रमजान खान निवासी मालकोशनी तहसील बिलाडा जिला जोधपुर को कार्यवाही करते हुए 8 घंटो के अथक प्रयासों के बाद मण्डला जिला पाली से डिटेन कर गिरफ्तार किया गया।

# दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर हुये कार हादसे में तीन जने घायल

## कार सवार चार जने इंदौर से दिल्ली जाने के लिये निकले थे, बूढ़ादीत क्षेत्र में हादसा हुआ

**कोटा,** (निसं)। बूढ़ादीत थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर रविवार तड़के तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार चालक को छोड़कर कार में सवार तीन जने घायल हो गये, चालक को हल्की चोटें आई। जानकारी के अनुसार कार में सवार चार जने इंदौर से दिल्ली जाने के लिये निकले थे। बूढ़ादीत क्षेत्र में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलटी खा गई। घटना की सूचना मिलते ही बूढ़ादीत पुलिस टीम मौके पर पहुंची। हादसे में घायलों को प्राथमिक उपचार के लिये सुल्तानपुर चिकित्सालय लाया गया, जहां से घायलों को कोटा रैफर किया गया।

- कार चालक ने बताया कि नींद की झपकी लगने से कार अनियंत्रित हो गई थी

बूढ़ादीत थानाधिकारी दिप्ती ने बताया कि चार जने कार से इंदौर से दिल्ली जा रहे थे, बूढ़ादीत क्षेत्र में मंडावर टोल से कुछ दूरी पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। थानाधिकारी ने बताया कि कार चालक ने बताया कि नींद की झपकी लगने से कार अनियंत्रित हो गई थी। कार हादसे में घायलों में दिल्ली निवासी आशु (28), किशन (30) और संदीप (30) के चोटें आई है वहीं कार चालक सुमित के हल्की चोट आई। घायलों को तत्काल गाड़ी से निकाला और उपचार के लिये अस्पताल भिजवाया गया।

# बदमाशों ने वाहनों में तोड़फोड़ की

**कोटा,** (निसं)। नान्ता थाना इलाके में कुछ बदमाशों नें एक घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ की एवं एक जने के साथ मारपीट कर मौके से फरार हो गये। पीड़ित ने इसकी रिपोर्ट नान्ता थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार नान्ता इलाके के सुखाड़िया आवासीय योजना इलाके में शनिवार देर रात्रि को आठ-नौ बदमाश डंडे, सरिया व अन्य हथियार लेकर आये और घर के बाहर खड़े वाहनों में तोड़फोड़ करने लगे। आवाज सुनकर जब पीड़ित आशिक हुसैन बाहर आया तो बदमाशों ने उस पर हमला कर उसके साथ मारपीट कर दी और मौके से फरार हो गये। अचानक हुई घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

# किराना दुकान में भीषण आग लगने से सामान जला

**बीकानेर,** (निसं)। यहां देशनोक क्षेत्र में देर रात किराना दुकान में भीषण आग लग गई। वहीं आग पर रविवार सुबह काबू पा लिया गया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन सामान जलकर राख हो गया। शनिवार देर रात नेशनल हाइवे पर रासीसर बस स्टैंड के समीप स्थित एक किराना (परचून) दुकान में भीषण आग लग गई। आग की लपटें उठते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई, लेकिन स्थानीय प्रशासन और अग्निशमन टीम की त्वरित कार्रवाई से बड़ा हादसा टल गया।

- गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार देर रात आग लग गई थी, लेकिन रविवार सुबह तक आग ने उग्र रूप ले लिया। सुबह के समय दुकान से अचानक धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दी। सूचना मिलते ही तत्काल अग्निशमन टीम को मौके के लिए रवाना किया गया। इस दौरान देशनोक नगर पालिका के निवर्तमान अध्यक्ष ओमप्रकाश मूंधड़ा के समन्वय से राहत कार्य तेजी से शुरू हुआ। दमकल वाहन चालक मनोहर दान ने मुस्तैदी दिखाते हुए कम समय में मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया। फायरमैन धनराज ने टीम के साथ मिलकर आग पर काबू पाने का मोर्चा संभाला और लपटों को आसपास फैलने से रोक लिया।

हालांकि आग की चपेट में आने से दुकान में रखा अधिकांश सामान जलकर नष्ट हो गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

नगरपालिका प्रशासन ने व्यापारियों और आमजन से अपील की है कि वे अपने प्रतिष्ठानों में बिजली की वायरिंग की नियमित जांच करवाएं और अग्नि सुरक्षा उपकरणों को क्रियाशील रखें। साथ ही किसी भी प्रकार की चिंगारी या शॉर्ट सर्किट के संकेत को नजरअंदाज न करें। स्थानीय नागरिकों और दमकल कर्मियों की तत्परता से एक बड़ा आर्थिक और जनहानि का खतरा टल गया।

# मकान से लाखों के जेवर व नकदी चोरी

**सायला,** (निसं)। सायला थाना क्षेत्र के खरल गांव में अज्ञात चोरों ने एक रहवासीय मकान को निशाना बनाते हुए लाखों रुपए के सोने-चांदी के आभूषण और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना के समय परिवार के एक सदस्य घर के बाहर सो रहे थे, बाकी अन्य बाहर गए हुए थे, जिसका फायदा उठाकर चोरों ने वारदात को अंजाम दिया।

खीमाराम पुत्र वेलाराम देवासी ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि उनका रहवासीय मकान रबारियों के वास में स्थित है। उनका पुत्र मादाराम वर्तमान में देशावर गया हुआ है और पुत्रवधू अपने पीहर गई हुई थी। घर पर खीमाराम अकेले ही थे। 21-22 मार्च की रात्रि को खीमाराम कमरे का ताला लगाकर बाहर ओसरी में सो गए थे। सुबह करीब 6 बजे जब वे उठे और कमरा खोला, तो उनके होश उड़ गए। कमरे के पीछे की खिड़की टूटी हुई थी और सारा सामान बिखरा पड़ा था। चोरों ने कमरे में रखे मंजूस का ताला तोड़कर उसमें रखे स्टील के डिब्बे को अपना निशाना बनाया। पीड़ित के अनुसार अज्ञात चोर चांदी के लगभग 4.5 किलोग्राम और सोने के लगभग 250 ग्राम आभूषण के अलावा 25 हजार रुपए नकद राशि चुराकर ले गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर मुआयना किया। घर के पिछवाड़े और कमरे के पास अज्ञात चोरों के पैरों के निशान मिले हैं, जिनके आधार पर पुलिस ने साक्ष्य जुटाए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

# भरतपुर में विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

## पीहर पक्ष ने दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया, पुलिस ने जांच शुरु की

**बयाना/भरतपुर,** (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के गांव बंसी पहाड़पुर में एक महिला ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला कमरे में अकेली सो रही थी सुबह जब उसका पति कमरे में गया तो उसका शव छत के कुंदे से लटका हुआ था। महिला के भाई ने ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए परेशान करने की एफआईआर दर्ज कराई है।

सनी निवासी कुबेर गढ़ी जिला फिरोजाबाद ने एफआईआर दर्ज करवाते हुए बताया कि मैंने अपनी बहन नगमा की शादी 3 महीने पहले कुरान निवासी बंसी पहाड़पुर से की थी। शादी में बहन के लिए खूब दहेज दिया था। उसके बाद भी मेरा जीजा कुरान शराब पीकर मेरी बहन नगमा के साथ मारपीट करता और दहेज की मांग करता था। कुरान नगमा से बाइक की डिमांड करता था। इसी बात को लेकर देर रात मेरी बहन नगमा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना कुरान ने फोन पर शनि को दी, जिसके बाद रविवार को उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। घटना के समय महिला कमरे में अकेली सो रही थी। महिला का पति दूसरे कमरे में सो रहा था। जब सुबह महिला का पति उठकर कमरे में गया तो महिला का शव छत के कुंदे से लटका हुआ था। महिला के शव को उतार कर अस्पताल लाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

# फलोदी में हुए रावल सिंह हत्याकांड के बाद लोगों में आक्रोश

## मांगों को लेकर समाज के लोग मथुरादास माथुर हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे

**जोधपुर,** (कासं)। जोधपुर रेंज के फलोदी में शनिवार को हुए रावल सिंह हत्याकांड के बाद रविवार को समाज के लोग मथुरादास माथुर हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठ गए। समाज के लोगों ने आरोप लगाया है कि मृतक के साथ पिछले साल नवंबर 2025 में बदमाशों ने मारपीट कर उसके हाथ-पैर तोड़ दिए थे, लेकिन पुलिस ने मिलीभगत कर आरोपियों को थाने से ही छोड़ दिया। प्रदर्शनकारियों ने कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। परिजनों और समाज के लोगों ने धरना प्रदर्शन कर नारेबाजी की। इस दौरान उन्होंने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी देने की मांग की। धरने के दौरान प्रदर्शनकारियों की पुलिस से बहस हो गई। साथ ही धरनार्थियों ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर को लेकर भी नाराजगी जताई।

- लोगों का आरोप है कि युवक रावल सिंह के साथ पिछले साल भी बदमाशों ने मारपीट कर हाथ-पैर तोड़ दिए थे, लेकिन पुलिस ने मिलीभगत कर आरोपियों को थाने से ही छोड़ दिया था
- फलोदी के भीखमकोर गांव के मुख्य स्टैंड पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने पुरानी रंजिश के चलते रावल सिंह पातावत को गोलियों से भून दिया था और फरार हो गए थे

जानकारी के अनुसार फलोदी के भीखमकोर गांव के मुख्य स्टैंड पर शनिवार दोपहर तीन बजे बाइक पर सवार होकर पहुंचे तीन बदमाशों ने पुरानी रंजिश के चलते रावल सिंह पातावत (26) को ताबड़तोड़ गोलियों से भून दिया, जिसके बाद वह खून से लथपथ हालत में जमीन पर गिर गया, तो बदमाशों ने पास जाकर सिर में गोली मार दी। तीनों बदमाश हेलमेट लगाकर आए थे। वारदात को अंजाम देकर मौके से फरार हो गए। वारदात के बाद केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी घटनास्थल पर पहुंचे थे।

मारवाड़ राजपूत समाज समाज के हनुमान सिंह खांगटा ने बताया कि उसके साथ पहले भी मारपीट की घटना हुई थी, जिसमें उसके हाथ-पैर तोड़ दिए गए थे। इस मामले में पुलिस की ओर से लापरवाही बरती गई और आरोपियों को जमानत मिल गई। जिसके चलते अब रावल सिंह को जान गंवानी पड़ी। इस मामले में उन्होंने मांग की है कि हम यही चाहते हैं कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। प्रदर्शन के दौरान उन्होंने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी, मृतक के आश्रितों को आर्थिक सहायता और संविदा पर नौकरी देने की मांग की।

समाज के नेता शंभूसिंह मेड़तिया ने कहा कि इस मामले में पुलिस और अपराधियों का गठजोड़ दिख रहा है। ओसियां क्षेत्र में अपराध पनप रहा है, लेकिन पुलिस कार्रवाई नहीं कर रही है। इस घटना से पूर्व में मृतक रावलसिंह के हाथ-पांव तोड़ दिए गए, लेकिन पुलिस, डॉक्टर आदि की मिलीभगत से आरोपियों को थाने में ही फ्री कर दिया गया। इस घटना के बाद अपराधियों के हौंसले बुलंद हुए। जिसके बाद उन्होंने इस हत्याकांड को अंजाम दे दिया। हमारी मांग है कि इस मामले में मृतक के आश्रितों को नौकरी दी जाए, आर्थिक सहायता दी जाए, इसके साथ ही आरोपियों के मकान पर बुलडोजर चलाया जाए। हमारा यदि इस मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई नहीं की तो आने वाले दिनों में उठा प्रदर्शन किया जाएगा।

मथुरादास माथुर हॉस्पिटल की मोर्चरी के बाहर धरने पर बैठे समाज के नेता इस दौरान केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और कैबिनेट मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर से नाराज दिखे। धरने में मौजूद लोगों का कहना था कि विधानसभा क्षेत्र लोहावट का यह मामला है, लेकिन अभी तक ना वह खुद यहां पहुंचे और ना ही कोई प्रशासनिक अधिकारी उनसे बात करने पहुंचा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को लेकर भी कहा कि उनको समाज के लोगों ने वोट दिए थे, लेकिन धरना स्थल पर उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित नहीं किया, जिसके चलते अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे और अभी तक परिवार न्याय के इंतजार में है।

# तेल के पीपे चोरी का खुलासा, तीन गिरफ्तार

**अजमेर,** (निसं)। पड़ाव स्थित जनता मार्केट में तेल व्यापारी के गोदाम से हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए 22 तेल के पीपे भी बरामद कर लिए हैं, जिनकी कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई जा रही है।

प्रकरण के अनुसार 19 मार्च को फायसागर रोड स्थित विकास कॉलोनी निवासी लेखराज गोलानी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 18 मार्च की रात करीब साढ़े दस बजे वह अपने गोदाम पर ताला लगाकर घर गए थे। अगले दिन सुबह जब वह वापस दुकान पर पहुंचे तो गोदाम का ताला टूटा हुआ मिला और अंदर रखे फॉर्च्यून तेल के 22 पीपे गायब थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की। पड़ाव क्षेत्र से लेकर आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। जांच के दौरान आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

थाना प्रभारी भीखाराम काला के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में आबू नगर (उत्तर प्रदेश) निवासी अजगर खान, खादिम मोहल्ला निवासी सलीम और फूल गली निवासी अशरफ शामिल हैं। पुलिस इनके आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने यह चोरी अजमेर दरगाह थाना क्षेत्र निवासी सलमान के कहने पर की थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी सलमान की तलाश शुरू कर दी है। आरोपियों ने पहले बाइक की मदद से तेल के पीपे चोरी किये और बाद में ई-रिक्शा से उन्हें स्थानांतरित किया। सभी 22 पीपे फूल गली स्थित एक रेस्टोरेंट में छिपाकर रखे गए थे, जहां से पुलिस ने उन्हें बरामद कर लिया।

# गेहूं की आड़ में उगाई जा रही अफीम की फसल बरामद

## 80 किलो 400 ग्राम वजनी अफीम के पौधे जब्त किए

**भीलवाड़ा,** (निसं)। जिले की पारोली थाना पुलिस ने सरा का खेड़ा क्षेत्र में गेहूं के खेत की आड़ में उगाई जा रही अफीम की फसल बरामद कर 80 किलो 400 ग्राम वजनी पौधे जब्त किए हैं।

जानकारी के अनुसार थानाधिकारी सियाराम को 20 मार्च को मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि सरा का खेड़ा की सरहद पर एक गेहूं के खेत के किनारे अवैध रूप से अफीम की बुवाई की गई है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर खेत का निरीक्षण किया। तलाशी के दौरान गेहूं की फसल के बीच बड़ी चतुराई से उगाए गए अफीम के छोटे-बड़े 5595 पौधे पाए गए, जिनमें डोडे लगे हुए थे। पुलिस ने खेत से बरामद अफीम के पौधों को उखाड़कर उनका वजन करवाया, जो कुल 80 किलो 400 ग्राम पाया गया। पुलिस ने पौधों को कब्जे में लेकर अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शाहपुरा) राजेश आर्य और वृताधिकारी (कोटड़ी) सुरेश कुमार के निकट सुपरविजन में की गई।

इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी सियाराम के साथ हेड कांस्टेबल हरिराज, कांस्टेबल भागीरथ (विशेष योगदान), मनीष, सुनील, शिवराज, श्योपाल, शैतान सिंह, मनोज और राजेश कुमार शामिल थे।

# कैलादेवी मेले में उमड़ा आस्था का सैलाब

**करौली,** (निसं)। कैलादेवी के चैत्र नवरात्र मेले में सातवें दिन एक बार फिर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। रविवार को लगभग 3 लाख श्रद्धालुओं ने मां कैलादेवी के दर्शन किए। 16 मार्च से शुरू हुए मेले में अब तक करीब 19 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। अमावस्या और पड़वा पर भारी भीड़ के बावजूद प्रशासन ने व्यवस्थाएं संभाली। श्रद्धालुओं ने जयकारों और लांगुरिया गीतों के साथ दर्शन किए।

- 16 मार्च से शुरू हुए मेले में अब तक करीब 19 लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं

ट्रस्ट के लीगल एडवाइजर संतोष सिंह ने बताया कि सप्तमी, अष्टमी और रामनवमी पर और अधिक भीड़ की संभावना है।

मंदिर ट्रस्ट के सोल ट्रस्टी कृष्ण चंद्रपाल के निर्देशानुसार श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विशेष प्रबंध किए गए हैं। वहीं लोगों के लिये रास्ते में कई जगह पर खाने-पीने के लिये भंडारे लगा रखे है। कैलादेवी के चैत्र नवरात्र मेले में हजारों की तादात में भक्त रास्ते में गीत गाते हुये दिखाई दे रहे हैं। मेले में आने वाले लोगों में मेले को लेकर एक अलग ही उत्साह बना हुआ है।

कहीं न कहीं मेरे मन में ये बात थी कि राजस्थान रॉयल्स के जडेजा कैप्टन बन सकते हैं। उन्हें कप्तान बनाकर शायद रियान पराग को एक या दो साल के लिए उप-कप्तान बनाया जा सकता था। - **आर. अश्विन**

**पूर्व भारतीय गेंदबाज, रविन्द्र जडेजा को लेकर बोलते हुए।**

# खेल जगत

**आज का खिलाड़ी**

## फैनी उतागुशिमानिंदे

**रवांडा** की 15 साल की फैनी उतागुशिमानिंदे ने टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू मैच में शतक लगाने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने नाइजीरिया इनविटेशनल महिला टी-20 टूर्नामेंट में घाना के खिलाफ 65 गेंद में नाबाद 111 रन बनाए। फैनी ने न सिर्फ डेब्यू पर शतक का रिकॉर्ड बनाया, बल्कि वे महिला टी-20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी भी बन गई हैं। शतक पूरा करते समय उनकी उम्र 15 साल 223 दिन थी। इससे पहले यह रिकॉर्ड युगांडा की प्रोस्कोविया अलाको के नाम था।

**क्या आप जानते हैं ?...** टेस्ट में एक पारी में 10 विकेट : अनिल कुंबले ने फरवरी 1999 में पाकिस्तान के खिलाफ यह कारनामा किया।

## राजस्थान रॉयल्स से जुड़ सकते हैं दासुन शनाका

नई दिल्ली, 22 मार्च। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका आईपीएल 2026 के लिए राजस्थान रॉयल्स से जुड़

सकते हैं। वह सैम करन के रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम के साथ जुड़ सकते हैं। इसके चलते उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग से अपना नाम वापस ले लिया है और वह अब आईपीएल में खेलने को पूरी तरह से तैयार हैं। दासुन शनाका को पाकिस्तान सुपर लीग के 11वें एडिशन के लिए लाहौर कलंदर्स ने चुना था। 34 साल के दासुन शनाकाआईपीएल खेल चुके हैं। उन्होंने आईपीएल में 2023 में गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हुए डेब्यू किया था। शनाका ने आईपीएल में अब तक तीन मैच खेले हैं और 26 रन बनाए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अभी तक कोई ऑफीशियल पुष्टि नहीं हुई है। सूत्रों की मानें तो शनाका चोटिल खिलाड़ियों को रिप्लेस करने के चलते आईपीएल फ्रेंचाइजियों से बात कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया कि दासुन शनाका राजस्थान रॉयल्स में बतौर सैम करन के रिप्लेसमेंट शामिल होने के लिए बात कर रहे हैं।

## वाणी ने शुरू की 15 दिवसीय निःशुल्क शतरंज कक्षाएं

जयपुर, 22 मार्च। मानसरोवर क्षेत्र में एक प्रेरणादायक और सराहनीय पहल सामने आई है, जहां शतरंज खिलाड़ी वाणी जैन ने अपने 15वें

जन्मदिन को खास अंदाज में मनाने का निर्णय लिया। वाणी ने अपने निजी बचत के पैसों से 15 दिनों की निःशुल्क शतरंज कक्षाएं आयोजित कर बच्चों के विकास की दिशा में एक अनूठी शुरुआत की है। वाणी का उद्देश्य है कि छुट्टियों के दौरान छोटे बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर उनके मानसिक विकास को बढ़ावा दिया जाए। शतरंज के माध्यम से बच्चों में अनुशासन, एकाग्रता, सोचने की क्षमता और कैलकुलेशन पावर विकसित हो, जिससे वे भविष्य में देश के विकास में अपना योगदान दे सकें। वाणी बताती हैं कि जब उन्होंने यह विचार अपने पिता जिनेश कुमार जैन के साथ साझा किया, तो उन्होंने इस सेवा कार्य में पूर्ण सहयोग दिया। इसके बाद चेस पेरेंट्स एसोसिएशन राजस्थान ने भी इस पहल की सराहना करते हुए आवश्यक शतरंज सामग्री निःशुल्क उपलब्ध कराने का निर्णय लिया। स्थान की समस्या आने पर वाणी के पिता ने अपने मित्र मनीष सोगानी से संपर्क किया, जिन्होंने अपने कार्यालय परिसर को इस नेक कार्य के लिए निःशुल्क उपलब्ध कराया। लेकिन बच्चों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बाद में सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने भी अपना विशाल हॉल निःशुल्क उपलब्ध कराकर इस अभियान को मजबूती दी। शुरुआत में सीमित बच्चों के साथ शुरू हुई यह पहल आज एक बड़े स्वरूप में बदल चुकी है। वर्तमान में लगभग 76 बच्चे निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्य में वाणी के साथ इंटरनेशनल कोच विक्रम सिंह, सीनियर एडवोकेट पीयूष शर्मा, सीनियर कोच दीपक राव, परिवार के सदस्य तथा मीना देवी मेमोरियल ट्रस्ट के पदाधिकारी भी अपनी सेवाएं निःशुल्क दे रहे हैं। वाणी का कहना है कि जब कोई व्यक्ति सच्चे मन से समाज के लिए अच्छा कार्य करता है, तो प्रकृति भी उसका पूरा साथ देती है। यह 15 दिवसीय निःशुल्क शतरंज प्रशिक्षण शिविर 15 मार्च 2026 से प्रारंभ होकर 29 मार्च 2026 तक संचालित किया जा रहा है। यह पहल न केवल बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत करती है।

## मेरी नजर ट्रॉफी पर है : अय्यर

नई दिल्ली, 22 मार्च। पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर ने शुक्रवार को कहा कि उनकी "नज़र ट्रॉफी पर है" और उनकी टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले मैदान के बाहर आपसी संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। अय्यर ने मोहाली में फ्रेंचाइजी की जर्सी के अनावरण समारोह में कहा, "यह वह समय है जब हम दो महीने तक एक परिवार की तरह रहते हैं। जितना अधिक समय हम साथ बिताते हैं, उतना ही हम एक-दूसरे को बेहतर तरीके से जान पाते हैं। यही वह समय है जब हम अपने बीच सौहार्दपूर्ण संबंध मजबूत करते हैं।" उन्होंने कहा, "हम अपना अधिकतर समय गेम रूम में फीफा और अन्य गेम खेलते हुए बिताते हैं। मैचों के लिए रणनीति आमतौर पर मैच से एक या दो दिन पहले बनती है, लेकिन मैदान के बाहर यह मजबूत रिश्ता हमें आखिर में बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद करता है।" पंजाब किंग्स अपने अभियान की शुरुआत 31 मार्च को घरेलू मैदान पर गुजरात टाइटन्स के खिलाफ करेगा। अय्यर को उनके प्रशंसकों ने 'सरपंच साहब' का उपनाम दिया है और वह जानते हैं कि उनसे काफी उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा, "हमसे काफी उम्मीद की जा रही है जो अच्छा भी है। मुझे चुनौती पसंद है। लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि जब भी हम मैदान में उतरें, हमें जीतना होगा। मेरी नज़र ट्रॉफी पर है।"

# द. अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 19 रन से हराया

## चौथे टी-20 में एस्टरहुइजन की फिफ्टी, कूट्जी ने 3 विकेट लिए, सीरीज 2-2 से बराबर

वेलिंग्टन, 22 मार्च। वेलिंगटन में खेले गए चौथे टी-20 में साउथ अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 19 रन से हराकर सीरीज 2-2 से बराबर कर ली। पांचवां मैच हेग्ले ओवल में 25 मार्च को खेला जाएगा। रविवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 20 ओवर में 164/5 का स्कोर बनाया। जवाब में न्यूजीलैंड की टीम 18.5 ओवर में 145 रन पर ऑलआउट हो गई।

साउथ अफ्रीका के लिए कॉनर एस्टरहुइजन ने 36 गेंद में 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा रुबिन हरमन ने नाबाद 28 रन जोड़े। अंत में जॉर्ज लिंडे ने तेज 14 रन बनाकर टीम को 160 के पार पहुंचाया।न्यूजीलैंड की ओर से काइल जैमीसन ने शुरुआत में विकेट मेडेन

डालकर दबाव बनाया। बाद में बेन सीयर्स ने भी कसी हुई गेंदबाजी की और आखिरी ओवर में सिर्फ 2 रन दिए। न्यूजीलैंड की तेज शुरुआत लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को टिम रॉबिन्सन और डेब्यू कर रहे कैप्टन क्लार्क ने तेज शुरुआत दिलाई। पावरप्ले में टीम ने 63/2 का स्कोर बना लिया था। रॉबिन्सन ने 32 रन बनाए, जबकि डेन क्लेवर ने भी कुछ अच्छे शॉट लगाए। मध्य ओवर में साउथ अफ्रीका ने मैच पर पकड़ बना ली। टीम ने लगातार विकेट लेकर न्यूजीलैंड को 96/5 पर रोक दिया। प्रेनेलन सुब्रायन ने क्लेवर और बेवन जैकब्स को आउट किया, जबकि ओटनील बार्टमैन और केशव महाराज ने भी अहम विकेट लिए। आखिरी ओवरों में न्यूजीलैंड की कोशिशें जारी रहीं, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। जेराल्ड कूट्जी ने 3 विकेट लेकर जीत पक्की की और 19वें ओवर में आखिरी विकेट लेकर मैच खत्म किया।

# कोहली ने लंदन के लिए चार्टर्ड-फ्लाइट वाली खबर को नकारा

नई दिल्ली, 22 मार्च। 2026 से पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बल्लेबाज विराट कोहली ने लंदन आने-जाने के लिए चार्टर्ड फ्लाइट मांगने की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने इन रिपोर्ट्स को अफवाह बताते हुए इंस्टाग्राम पर हंसने वाले इमोजी के साथ प्रतिक्रिया दी। पिछले कुछ दिनों से यह चर्चा जोरों पर थी कि कोहली ने मैनेजमेंट के सामने एक खास शर्त रखी है। इन रिपोर्ट्स में कहा गया था कि अगर दो मैचों के बीच 3 दिन से ज्यादा का गैप होता है, तो कोहली चार्टर्ड फ्लाइट से लंदन अपने परिवार के पास जाएंगे और मैच से पहले वापस लौट आएंगे। विराट कोहली ने इन दावों वाली एक न्यूज रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट अपनी स्टोरी पर शेयर किया और साथ में लाफिंग इमोजी (हंसने वाली इमोजी) लगाई। कोहली पिछले कुछ समय से अपने परिवार के साथ लंदन में ही वक्त बिता रहे हैं। 2026 का आगाज 28 मार्च से होगा, जहां डिफेंडिंग चैंपियन टीम बेंगलुरु में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। पिछले सीजन में पहली बार खिताब जीतने वाली इस बार भी कोहली के बल्ले से रनों की बारिश की उम्मीद कर रही है। कोहली 18 सालों से इसी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े हुए हैं। 9,000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन सकते हैं इस सीजन में विराट कोहली कई बड़े कीर्तिमान अपने नाम कर सकते हैं। वे इतिहास में 9,000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज बनने की दहलीज पर हैं। वर्तमान में कोहली के नाम 267 मैचों में 8,661 रन दर्ज हैं, जिसमें 8 शतक और 63 अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा, वे किसी एक टी-20 टीम के लिए 10,000 रन और चैंपियंस लीग मिलाकर) पूरे करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी भी बन सकते हैं। अभी उनके नाम 282 मैचों में 9,085 रन हैं। 14,000 रनों के क्लब में शामिल होने का मौका विराट कोहली टी-20 फॉर्मेट के ओवरऑल रिकॉर्ड्स में भी बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। वे टी-20 क्रिकेट में 14,000 रन बनाने वाले पांचवें बल्लेबाज बन सकते हैं। अब तक केवल क्रिस गेल (14,562), कीरोन पोलार्ड (14,482), एलेक्स हेल्स (14,449) और डेविड वॉर्नर (14,028) ही इस आंकड़े तक पहुंच पाए हैं। कोहली के अभी 414 मैचों में 13,543 रन हैं। 2025 में भी विराट कोहली का बल्ला खूब चला था। उन्होंने 15 पारियों में 54.75 की औसत और 144.71 की स्ट्राइक रेट से 657 रन बनाए थे। वे अपनी टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे थे और पूरे टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर थे।

## एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप : भारतीय टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध : जोआकिम

नई दिल्ली, 22 मार्च। मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप के लिए क्वालीफाई करने के बाद से भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने काफी सुधार किया है और उन्होंने भरोसा जताया कि थाईलैंड में होने वाले टूर्नामेंट में उनकी टीम एशिया की मजबूत टीमों के सामने कड़ी चुनौती पेश करेगी। भारतीय टीम टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए पहले ही बैंकॉक पहुंच चुकी है।

ग्रुप सी में उसका पहला मैच दो अप्रैल को जापान के खिलाफ होगा। इसके बाद वह पांच अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और आठ अप्रैल को चीनी ताइपे का सामना करेगी। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें, साथ ही तीसरे स्थान पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।

एलेक्जेंडर्सन ने कहा कि अगस्त में क्वालीफाई करने के बाद टीम ने सभी विभागों में काफी सुधार किया है। उन्होंने कहा, "काफी सुधार हुआ है। मैंने उन्हें अच्छे मूव बनाते हुए देखा है। मैंने तेज पासिंग और अंतिम छोर पर अधिक स्पष्टता देखी है। रक्षा पंक्ति में भी हमने बहुत सुधार किया है। विशेष कर गोलकीपिंग में काफी सुधार हुआ है। हमने सुधार करने के लिए जिन क्षेत्रों की पहचान की थी उन सभी में अच्छी प्रगति हुई है।" भारत को चुनौती पूर्ण ग्रुप में रखा गया है लेकिन कोच को विश्वास है कि उनकी टीम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। उन्होंने कहा, "यह वाकई एक कठिन ग्रुप है। जापान इस स्तर पर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक है और ऑस्ट्रेलिया भी बहुत मजबूत और शारीरिक रूप से सक्षम है। यह महत्वपूर्ण है कि हम इन विरोधियों का सम्मान करें, लेकिन उनसे डरें नहीं। हम आत्मविश्वास के साथ खेलना चाहते हैं, हम न केवल बचाव करना चाहते हैं, बल्कि गेंद पर कब्जा बनाए रखना और खुलकर खेलना भी चाहते हैं।

## शांति और सकारात्मकता ही मेरी सबसे बड़ी ताकत : रहाणे

नई दिल्ली, 22 मार्च। पिछले साल के निराशाजनक प्रदर्शन और टीम में कई बदलाव करने के बावजूद कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने कप्तान अजिंक्य रहाणे पर अपना भरोसा बरकरार रखा है, जिन्होंने शुक्रवार को यहां कहा कि वह शांति और सकारात्मकता के साथ जिम्मेदारी निभाने के लिए तैयार हैं। रहाणे ने पिछले सत्र में 390 रन बनाए लेकिन उनकी टीम केवल पांच मैच ही जीत पाई और आखिर में आठवें स्थान पर रही। इस अनुभवी बल्लेबाज ने कहा कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है और वह सही मानसिकता के साथ चुनौतियों का सामना करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। रहाणे ने पत्रकारों से कहा, "हर साल, एक खिलाड़ी और कप्तान के रूप में अलग-अलग चुनौतियां सामने आती हैं। मैंने अपने पूरे सफर में यही सीखा है कि चाहे कितनी भी चुनौतियां क्यों न हों, हर बार सकारात्मक रहना चाहिए।"

## पाक लीग में दर्शकों की एंट्री बैन, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी, टूर्नामेंट 2 शहरों में होगा

### चीफ बोले- यह खर्च कटौती अभियान का हिस्सा

*कराची, 22 मार्च। पाकिस्तान ने खर्च कटौती अभियान के तहत अब पाकिस्तान सुपर लीग 2026 में दर्शकों की स्टेडियम में एंट्री नहीं होगी। इसके साथ ही टूर्नामेंट के सभी मैच सिर्फ लाहौर और कराची में खेले जाएंगे। 26 मार्च से शुरू होने वाली लीग की ओपनिंग सेरेमनी भी रद्द कर दी गई है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने बताया कि इस पर प्रधानमंत्री और सुरक्षा एजेंसियों के साथ चर्चा के बाद निर्णय लिया गया। नकवी ने कहा, दरअसल, ईरान जंग के कारण पूरे एशिया में तेल संकट गहरा गया है। कच्चे तेल के रेट दोगुने होने से पाकिस्तान सरकार को पेट्रोल-डीजल महंगा पड़ रहा है, लेकिन सरकार ने इसके मुताबिक रेट नहीं बढ़ाए हैं, जिससे बढ़ी कीमतों का असर सरकारी खजाने पर पड़ रहा है। पहले के मैच 6 शहरों में होने थे, लेकिन अब यात्रा और संसाधनों को कम करने के लिए इसे सिर्फ दो शहरों तक सीमित कर दिया गया है। फैसलाबाद, पेशावर और रावलपिंडी समेत अन्य शहरों में होने वाले मैच रद्द कर दिए गए हैं। नकवी ने पेशावर के लोगों से माफी भी मांगी और भविष्य में वहां मैच कराने का भरोसा दिया। दर्शकों के बिना मैच होने से फ्रेंचाइजी को होने वाले नुकसान की भरपाई करेगा। नकवी ने कहा कि टिकट से होने वाली कमाई फ्रेंचाइजी के लिए अहम होती है, इसलिए बोर्ड इस नुकसान को कम करने की कोशिश करेगा। पहले से खरीदे गए सभी टिकट 72 घंटे के भीतर रिफंड किए जाएंगे। नकवी ने फैंस से इसके लिए माफी भी मांगी। उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा के लिहाज से सभी इंतजाम अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार हैं और खिलाड़ियों के आने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। फ्रेंचाइजी, स्पॉन्सर्स ने भी टूर्नामेंट कराने के फैसले का समर्थन किया है। मोहसिन नकवी ने 2026 के लिए आखिरी वक्त पर पाकिस्तान सुपर लीग छोड़ने वाले विदेशी खिलाड़ियों के खिलाफ कड़ी चेतावनी दी है।*

# बुमराह के राज को चुनौती, रेस में शमिल हैं 5 गेंदबाज

### आईपीएल 2026 पर्पल कैप

नई दिल्ली, 22 मार्च। आईपीएल का नया सीजन शुरू होने से पहले ही गेंदबाजों के बीच पर्पल कैप की रेस को लेकर चर्चा तेज हो गई है, और इस बार भी मुकाबला काफी दिलचस्प रहने वाला है। बता दें कि पर्पल कैप उस गेंदबाज को दी जाती है जो पूरे सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेता है। गौरतलब है कि पिछले सीजन में गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने 25 विकेट लेकर यह खिताब अपने नाम किया था, जबकि एक सीजन में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड 32 का है, जिसे ड्वेन ब्रावो और हर्षल पटेल हासिल कर चुके हैं। ऐसे में इस बार कई गेंदबाज इस रिकॉर्ड के करीब पहुंचने की कोशिश करेंगे।

मौजूद जानकारी के अनुसार, गुजरात टीम के साई किशोर इस रेस में मजबूत दावेदार माने जा रहे हैं। वहीं बेंगलुरु टीम के जैकब डफी इस बार नए चेहरे के तौर पर

नजर आएंगे। अगर अनुभव की बात करें तो मुंबई के जसप्रीत बुमराह का नाम सबसे ऊपर आता है। बता दें कि बुमराह अपनी सटीक यॉर्कर और दबाव में प्रदर्शन करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं। अगर वे पूरा सीजन खेलते हैं तो पर्पल कैप के सबसे बड़े दावेदार बन सकते हैं। हैदराबाद के ईशान मलिंगा भी इस बार ध्यान खींच रहे हैं। उनकी गेंदबाजी शैली और डेथ ओवरों में विकेट लेने की आदत उन्हें तेजी से आगे बढ़ा सकती है। पिछले सीजन में उन्होंने कम मैचों में ही प्रभाव छोड़ा था।

दिल्ली टीम के लुंगी एनगिडी की बात करें तो वे साझेदारी तोड़ने में माहिर माने जाते हैं। उनकी धीमी गेंद और उछाल भरी गेंदबाजी बल्लेबाजों के लिए मुश्किल खड़ी कर सकती है, पंजाब के अर्शदीप सिंह भी इस रेस में पीछे नहीं हैं। पिछले सीजन में उन्होंने 21 विकेट लेकर अपनी उपयोगिता साबित की थी। कोलकाता के ब्लेसिंग मुजारबानी अपनी लंबाई और उछाल के कारण अलग पहचान रखते हैं। मौजूद जानकारी के अनुसार, अगर वे भारतीय परिस्थितियों में जल्दी ढल जाते हैं तो इस सीजन के उभरते सितारे बन सकते हैं। कुल मिलाकर देखा जाए तो इस बार पर्पल कैप की रेस में तेज गेंदबाजों और स्पिनरों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल सकता है, जहां हर मैच के साथ समीकरण बदलेंगे और छोटे-छोटे प्रदर्शन ही बड़े फर्क तय करेंगे हैं।

# सभी जिलों के लिए रजिस्ट्रेशन, बैंक खाता एवं पैन कार्ड अनिवार्य : भनोट

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान एथलेटिक संघ के सभी जिलों की बैठक साउथ एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष डॉ. ललित कुमार भनोट, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ के कोषाध्यक्ष स्टैनली जोनस, भारतीय एथलेटिक्स महासंघ की फाइनेंस कमेटी के चेयरमैन डॉ मधुकांत पाठक की उपस्थिति में संपन्न हुई। राजस्थान एथलेटिक संघ के सचिव देव नारायण गुर्जर, कोषाध्यक्ष कार्तिकेय शर्मा, नागौर संघ के हरिराम चौधरी, चीफ कोच शंकर लाल एवं समस्त जिला सचिवों ने डॉ भनोट का स्वागत किया।

इस बैठक में डॉ भनोट ने सभी जिलों को अपने कर्तव्य एवं दायित्व के प्रति गंभीरता से कार्य करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जिलों को प्रक्रियात्मक एवं तकनीकी रूप से सशक्त करने पर जोर दिया। सभी को संबोधित करते हुए डॉ भनोट ने कहा कि सभी जिलों का रजिस्ट्रेशन होना अनिवार्य है, साथ ही सभी जिलों का बैंक खाता और पैन कार्ड होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी जिले अपने जिला स्तरीय कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं का व्यापक रूप से प्रचार प्रसार करें तथा निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से कार्य कर जिले के जमीनी स्तर के खिलाड़ियों तक पहुंच बनाना सुनिश्चित करें, ताकि जिले के प्रत्येक खिलाडी को पर्याप्त अवसर दिया जा सके।

डॉ भनोट ने एथलेटिक्स फेडरेशन द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कोचिंग एजुकेशनल प्रोग्राम एवं टेक्निकल ऑफिशियल एजुकेशनल प्रोग्राम के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से सभी जिले अधिक से अधिक लोगों को जोड़ें एवं जिलों में प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्रशिक्षकों एवं ऑफिशियल्स के माध्यम से कार्य करें। उन्होंने ओवरट्रेनिंग एवं एंटी डोपिंग जैसे विषयों पर विशेष रूप से बात करते हुए जिला संघों को कहा कि सभी संघ अपने जिलों में ओवरट्रेनिंग एवं डोपिंग से निपटने के लिए एथलीट्स को जागरूक करें एवं एथलीट्स को भ्रमित करने वाले लोगों से सजग करें।

इस दौरान स्टैनली जोनस, डॉ मधुकांत पाठक एवं राजस्थान ओलम्पिक संघ के महासचिव सुरेन्द्र सिंह गुर्जर, ओलंपियन गोपाल सैनी ने भी सभी को संबोधित कर किया। बैठक के दौरान ठाकुरमल शर्मा, देवाराम चौधरी, डॉ रामनिवास, संजय बिश्नोई, कैप्टन उमराव सैनी, गिरिराज सांखला, राकेश शर्मा, पायल परसरामपुरिया, परमेश्वरी चौधरी, हरदेव आर्य, मूलाराम वर्मा, कन्हैया लाल मिश्रा, सिरमोहर गुर्जर, आयशा पठान, ओमपुरी, रज्जाक मोहम्मद, हरेंद्र कुमार, सहित सभी जिला संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

# अविनाश के तूफानी शतक से एलिट स्पोर्ट्स जीता, जतिन सैनी का शतक बेकार

जयपुर, 22 मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चौथी डॉक्टर ए पी जे अब्दुल कलाम स्मृति लीग कम नॉक आउट क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत आज नैना क्रिकेट ग्राउंड जगतपुरा पर खेले गए पूर्व क्वार्टर फाइनल मैच में अविनाश शर्मा 148 रन ( 62 गेंद, 9चोक्के,14 छक्के) की अविश्वसनीय पारी की मदद से एलिट स्पोर्ट्स अकेडमी ने एस आर अकेडमी को जतिन सैनी 103 रन (59गेंद, 8 चोक्के, 8 छक्के) तथा 4-0-12-2 विकेट के आल राउंड प्रदर्शन के बावजूद नजदीकी मुकाबले में 2 विकेट से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एस आर क्रिकेटअकेडमी ने जतिन सैनी 103 रन, मीत राहुल परीक 45 ने मिलकर पहले विकेट 156 रन 14.1 ओवर में जोड़कर

अच्छी शुरुआत की और निर्धारित 20ओवर में स्कोर 194 रन 7 विकेट खोकर बनाये गेंदबाजी एलिट स्पोर्ट्स की और से सज्जन शर्मा 26/2 विकेट तथा शुभम शर्मा, मनीष शर्मा, विक्रांत खोडा प्रत्येक 1-1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में एलिट स्पोर्ट्स अकेडमी के अविनाश शर्मा ने तूफानी 148 रन की पारी खेलकर 18.3 ओवर में विजय लक्ष्य 8 विकेट पर 197 रन बनाकर अपनी टीम को 2 विकेट से जीत दिला कर क्वार्टर फाइनल में पहुँचा दिया एस आर अकेडमी की और से हेमंत चौधरी 35/3 विकेट, जतिन सैनी 12/2 विकेट, नयन माली 42/2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे इस मैच का मेन ऑफ द मैच अविनाश शर्मा एलिट स्पोर्ट्स रहे।

# आज के दौर में खिलाड़ियों पर पहले से ज्यादा दबाव : संगकारा

जयपुर, 22 मार्च। राजस्थान रॉयल्स के कोच कुमार संगकारा ने कहा आज के दौर में खिलाड़ियों पर पहले से ज्यादा दबाव है। जब मैं खेलता था, तब सोशल मीडिया का इतना प्रभाव नहीं था। आज खिलाड़ियों पर सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए ही नहीं, बल्कि परिवार, फैंस और देश के लिए अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव होता है। वहीं युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने कहा कि अभी तक तो गेंद बाउंड्री तक जा रही है। क्या उन्हें लगता है कि उनकी हर गेंद बाउंड्री के पास जाएगी, इस सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने यह कहा। यूरोप की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी एचएमडी ग्लोबल ने राजस्थान रॉयल्स के साथ साझेदारी को आधिकारिक रूप से लोगों के सामने पेश किया। जयपुर में आयोजित हेलमेट लॉन्च इवेंट में राजस्थान रॉयल्स टीम के कोच कुमार संगकारा सहित बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी,

स्पिनर रवि बिश्नोई और तेज गेंदबाज संदीप शर्मा मौजूद रहे। इस दौरान लॉन्चिंग मैच भी रखा गया। बैक्वेट पर पिच बनाई गई, जहां वैभव, संदीप और रवि ने बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी भी की। वैभव ने यहां बॉलिंग भी की। राजस्थान रॉयल्स के कोच कुमार संगकारा ने कहा टीम की पहचान हमेशा से अलग सोच और नवाचार के लिए रही है। वर्ष 2008 से ही फ्रेंचाइजी ने क्रिकेट को अलग तरीके से देखने की कोशिश की है। पिछले कुछ वर्षों में टीम ने एनालिटिक्स और डेटा पर काफी निवेश किया है, ताकि

क्रिकेट को समझने और खेलने के तरीके को बेहतर बनाया जा सके। कोच की या खिलाड़ी की भूमिका पर संगकारा ने कहा एक खिलाड़ी के रूप में काम करना आसान होता है। ट्रेनिंग करो, मैच खेलो और फिर वही प्रक्रिया दोहराते रहो। लेकिन कोच के रूप में जिम्मेदारी अलग होती है। वह अभी कोचिंग में अपेक्षाकृत नए हैं, लेकिन लगातार सीखने की कोशिश करते हैं। उनके लिए खिलाड़ियों के साथ रिश्ते बनाना और विश्वास कायम करना सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है।

**अभी तक बॉल बाउंड्री तक ही जा रहा-वैभवी :** इवेंट के दौरान युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी से पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि उनकी हर गेंद बाउंड्री के पास जाएगी। इस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा अभी तक तो गेंद बाउंड्री तक जा रही है। उन्होंने टीम के गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा कि संदीप शर्मा और रवि बिश्नोई जैसे गेंदबाज टीम के लिए बेहद अहम हैं। संदीप शर्मा ने सबसे कठिन गेंदबाज ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को सबसे खतरनाक बताया। वहीं रवि बिश्नोई ने भी स्टार्क को बेहद मुश्किल गेंदबाज बताया और साथ ही भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का नाम भी लिया। इस अवसर पर एचएमडी इंडिया और एपीएसी के वीपी व सीईओ रवि कुमार ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के साथ तीसरी पारी के लिए साझेदारी जारी रखना उनके लिए घर वापसी जैसा अनुभव है। कंपनी इस बार टीम के साथ एसोसिएट स्पॉन्सर के रूप में जुड़ी है।

## जयपुर जिला क्रिकेट संघ : विमेन ए डिवीजन लीग आज से

जयपुर, 22 मार्च। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित तथा एल वी फार्मा द्वारा प्रायोजित महिला ए डिवीजन लीग का आयोजन दिनांक 23 मार्च से के एल सैनी स्टेडियम पर किया जा रहा है। कल उदघाटन मैच यूनियन क्रिकेट क्लब बनाम जयपुर क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेला जाएगा। महिला ए डिवीजन लीग में 6 टीमें राजस्थान यूथ, सुराना क्रिकेट एकेडमी, चंबल स्पोर्ट्स, राजीव गांधी क्लब, यूनियन क्रिकेट क्लब व जयपुर क्रिकेट एकेडमी की टीम भाग ले रही है। प्रत्येक टीम 50 - 50 ओवर के 5 मैच खेलेगी। उल्लेखनीय है कि जिला स्तर पर महिला ए डिवीजन लीग पहली आधिकारिक प्रतियोगिता है। महिला ए डिवीजन लीग की प्रत्येक टीम में 4 खिलाड़ी जयपुर के बाहर की भी भाग ले रही है। यह प्रतियोगिता जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जायेगी।

# कथाएं, उत्सव व त्योहार समाज को सशक्त बनाते हैं - भजनलाल

## मुख्यमंत्री ने सपत्नीक श्री शिव महापुराण कथा व मृत्युंजय रूद्र महायज्ञ में भाग लिया

जयपुर, 22 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मानसरोवर में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा एवं महामृत्युंजय रूद्र महायज्ञ में सपत्नीक भाग लिया। शर्मा ने शिव महापुराण कथा का श्रवण किया तथा भगवान शिव की आरती की। मुख्यमंत्री ने कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा को दुपट्टा ओढ़ाकर उनका अभिनंदन किया।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भगवान शिव साधना, आराधना, उपासना और संयम के प्रतीक हैं तथा वे हमें सिखाते हैं कि माया और मोह से परे रहकर मानवता की रक्षा करना हमारा धर्म है।**

शर्मा ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में कथाएं, उत्सव और त्योहार समाज को सशक्त करने का काम करते हैं। नवरात्र और नववर्ष के पावन अवसर पर शिव महापुराण कथा का आयोजन शिव और शक्ति के अद्भुत संगम का प्रतीक है। मां दुर्गा की आराधना से जीवन में शक्ति का संचार होता है। वहीं, शिव महापुराण कथा की अमृतवर्षा से मन में शांति और मोक्ष का बोध होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान शिव मृत्युंजय हैं और उनकी आराधना से मनुष्य अकाल मृत्यु पर विजय प्राप्त कर सकता है। शिव भक्ति से बढ़कर कोई कवच नहीं है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव साधना, आराधना, उपासना और संयम के प्रतीक हैं तथा वे हमें सिखाते हैं कि माया और मोह से परे रहकर मानवता की रक्षा करना हमारा धर्म है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित प्रदीप मिश्रा की सरल भाषा, गहन शास्त्र ज्ञान और भक्ति-रस से परिपूर्ण कथा शैली ने युवा पीढ़ी को सनातन संस्कृति से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

*मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को मानसरोवर में श्रीशिव महापुराण कथा एवं महामृत्युंजय रूद्र महायज्ञ में भाग लिया।*

## मोदी ने 8931...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

नेताओं ने इस उपलब्धि को अटूट प्रतिबद्धता और जनसेवा का मील का पत्थर बताया है। 24 वर्षों से अधिक के इस लंबे सफर में उन्होंने एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया। गृहमंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा, "यह रिकॉर्ड सेवा, परिश्रम और अटूट प्रतिबद्धता की नींव पर बना है। मोदी के 8,931 दिन राष्ट्र-प्रथम शासन और कार्यों में सत्यनिष्ठा को दर्शाते हैं। उन्होंने बिना छुट्टी लिए राष्ट्र की सेवा की है, यही कारण है कि उन्हें जनता का अभूतपूर्व स्नेह प्राप्त हो रहा है।"

## ईरान ....

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

अभी सबसे बड़ा सवाल यह है कि बातचीत किसके जरिए और किस स्तर पर होगी। अमेरिका यह तय कर रहा है कि ईरान में असली फैसला लेने वाला कौन है और कौन सा देश सबसे बेहतर मध्यस्थ होगा। ओमान पहले मध्यस्थ था, लेकिन अब अमेरिका कतर को आगे लाना चाहता है।

## केसी त्यागी...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी संभाली थी। वे जद (यू) के मुख्य महासचिव, मुख्य प्रवक्ता और राजनीतिक सलाहकार रहे।

# इज़रायल ने रविवार को तेहरान पर मिसाइलों से फिर हमला किया

## कतर का सैन्य हेलीकॉप्टर तकनीकी खराबी के कारण क्रैश हुआ, बचाव अभियान जारी

तेहरान/दोहा, 22 मार्च। इज़रायल ने ईरान के हमले के बाद आज सुबह तेहरान पर मिसाइलों की बौछार कर दी। ईरान द्वारा दक्षिणी इज़रायल के दो कस्बों पर मिसाइल हमले किए जाने के बाद इज़रायल की सेना ने तेहरान पर नए हमले शुरू किए हैं। उधर, कतर का एक सैन्य हेलीकॉप्टर आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने रविवार सुबह (स्थानीय समयानुसार) बताया कि उसने तेहरान में मौजूद ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए हमलों की एक नई लहर अभी-अभी शुरू की है।

- **इज़रायल ने दावा किया कि उसकी मिसाइलों ने तेहरान में ईरानी आतंकी शासन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया।**

उधर, कतर के अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण कतर का सैन्य हेलीकॉप्टर समुद्र में क्रैश हो गया। अधिकारियों ने माना कि यह हादसा फारसी की खाड़ी में हुआ है। कतर के रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर बताया कि एक नियमित उड़ान के दौरान हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण वह कतर के तट के पास क्रैश हो गया। मौके पर तलाशी और बचाव अभियान जारी है। रक्षा मंत्रालय ने यह नहीं बताया कि क्रैश के समय हेलीकॉप्टर में कितने लोग सवार थे। उधर, ईरान की फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की सेना ने अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को सीधी चुनौती दी है। सेना ने कहा है कि अगर अमेरिका देश के परमाणु ऊर्जा संयंत्रों (पावर प्लांट) पर अगर हमला करता है तो वह मध्य-पूर्व में ऊर्जा और जलशोधन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाएगी। ईरान की सेना का यह बयान राष्ट्रपति ट्रंप की धमकी के जवाब में आया है। ट्रंप ने धमकी दी है कि अगर होर्मुज जलडमरूमध्य को 48 घंटे के अंदर नहीं खोला गया तो वह ईरान के पावर प्लांट को पूरी तरह तबाह कर देंगे।

## ईरान ने रविवार...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

बनाया गया, तो वह मिडिल ईस्ट में अमेरिका और इज़रायल से जुड़े सभी ऊर्जा ढांचों पर हमला करेगा। इज़रायली सेना ने कहा है कि उसने लेबनान के दक्षिणी हिस्से में हिजबुल्लाह के 9 लड़ाकों को मार गिराया है। सेना के मुताबिक, उनके जवान वहां ग्राउंड ऑपरेशन के लिए तैनात थे। इसी दौरान कुछ हथियारबंद लोग उस इलाके के पास आए। जैसे ही इन लोगों की पहचान हुई, सैनिकों ने तुरंत गोलीबारी शुरू कर दी। इसके साथ ही एयर फोर्स को भी सूचना दी गई, जिसने ऊपर से हमला किया। जमीन और हवा से की गई इस कार्रवाई में सभी 9 लड़ाके मारे गए। इस पूरे ऑपरेशन में इज़रायली सेना के किसी भी सैनिक को चोट नहीं आई।

## पोप ने ईरान...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

उनकी चिंता सिर्फ पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में जारी हिंसा और संघर्ष भी उतने ही गंभीर हैं। उन्होंने वैश्विक स्तर पर शांति और स्थिरता की जरूरत पर जोर दिया। पोप लियो ने सभी से शांति के लिए प्रार्थना करने की अपील की और कहा कि अब समय आ गया है कि युद्ध को खत्म कर बातचीत और कूटनीति के जरिए समाधान निकाला जाए।

# सहायक प्रोफेसर भर्ती परीक्षा-2021 की ...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

हाईकोर्ट के समक्ष यह प्रकरण लेकर पहुंचे कि, आर.पी.एस.सी. ने इस भर्ती परीक्षा में एस.सी.-एस.टी. संवर्ग के लिए वैकेंसी उचित संख्या में नहीं निकाली। हालांकि इन याचिकाओं पर संयुक्त समझौते से निस्तारण कर दिया गया था। परंतु वर्ष 2022 में अदालत ने इस परीक्षा के परिणाम जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी थी। इस आदेश में अदालत ने अन्य अभ्यर्थियों को छूट दी थी कि, वे अदालत के समक्ष अपनी शिकायतों का आवेदन पेश कर सकते हैं।

इसी बीच डॉ. रचिता माथुर हाईकोर्ट के समक्ष आवेदन लेकर पहुंची और उनकी ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रवि किरण माथुर ने अदालत को बताया कि, राजस्थान सरकार की कैबिनेट ने आदेश पारित किया है कि भर्ती परीक्षाओं में मैरिट और पारदर्शिता के लिए अधिक से अधिक 10 प्रतिशत अंक इंटरव्यू के माध्यम से दिए जा सकते है। ऐसे में राज्य सरकार के इस फैसले को यहां भी लागू किया जाए। हालांकि डॉ. माथुर के आवेदन पर अदालत ने यह फैसला दिया था कि, आर.पी.एस.सी., कैबिनेट के इस फैसले का सभी परीक्षाओं में लागू करे।

हैरानी की बात है कि, हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद भी आर.पी.एस.सी. ने राज्य कैबिनेट के फैसले को ना तो लागू किया और ना ही यह साफ बताया कि, उन्होंने भर्ती परीक्षाओं में किस आधार पर अभ्यर्थियों का चयन किया। एकलपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान आर.पी.एस.सी. ने कहा कि, "जब भी उनकी ओर से स्क्रीनिंग टैस्ट किया जाता है तो 40 प्रतिशत अंक लिखित परीक्षा के, 20 प्रतिशत अकैडमिक तथा शेष 40 प्रतिशत अंक इंटरव्यू के आधार पर दिए जाते हैं। जिन परीक्षाओं में स्क्रीनिंग एग्ज़ाम नहीं होते, वहां 60 प्रतिशत अंक इंटरव्यू तथा 40 प्रतिशत अकैडमिक्स के लिए दिए जाते है।" हालांकि यह दोनों बातें आर.पी.एस.सी. द्वारा प्रकाशित भर्ती परीक्षा की विज्ञप्ति में कहीं भी अंकित नहीं थी। डॉ. रचिता माथुर की याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह पुष्टि करने के लिए कि, आवेदकों को किस प्रक्रिया के जरिए अंक दिए गए हैं, आर.पी.एस.सी. से पूरा रिकॉर्ड मंगवाया, जो कि केवल अदालत व संबंधित पक्षकारों के समक्ष ही खोला गया था। इस रिकॉर्ड से स्पष्ट हुआ कि, सहायक प्रोफेसर्स की 337 पदों की भर्ती में ब्रॉड और सुपरस्पेशालिटी के 27 विषयों की फैकल्टी के लिए नियुक्ति की जानी थी। इनमें स्किन व वीडी के 3 पद थे, जिन पर 75 आवेदन प्राप्त हुए थे। अदालत ने जब आर.पी.एस.सी. के रिकॉर्ड को देखा तो स्तब्ध रह गई कि, क्योंकि आर.पी.एस.सी. ने इंटरव्यू के दौरान जिस एक्सपर्ट पैनल का गठन किया था, उसमें विशेषज्ञ डॉक्टरों का नाम और पता अंकित था, परंतु इन सभी विशेषज्ञ डॉक्टरों को आर.पी.एस.सी. का सलाहकार अथवा सहायक दर्शाया हुआ था। अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची कि, इंटरव्यू लेने के दौरान यह पैनल मौजूद तो था, लेकिन केवल कागज़ी तौर पर। अभ्यर्थियों को अंक देने में इनकी कोई भूमिका नहीं थी।

इससे भी ज्यादा हैरानी का बात थी कि, आर.पी.एस.सी. द्वारा अभ्यर्थियों को दिए गए अंकों का कोई स्पष्ट वर्गीकरण नहीं था, जिससे यह पता लग सके कि किस अभ्यर्थी को किसी परीक्षा अथवा इंटरव्यू में कितने अंक प्राप्त हुए। अदालत ने रिकॉर्ड को देखते हुए कहा कि, आर.पी.एस.सी.द्वारा गठित पैनल के हस्ताक्षर कहीं पर भी अंक देने की शीट में उल्लेखित नहीं है। आर.पी.एस.सी. के रिकॉर्ड से यह भी मालूम नहीं चल रहा कि पैनल ने किस अभ्यर्थी को कितने अंक देने की सिफारिश की है। यह तमाम तथ्य सामने आने के बाद अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि, आर.पी.एस.सी. के रिकॉर्ड से ही यह स्पष्ट हो रहा है कि अभ्यर्थियों को मनमाने ढंग से इंटरव्यू में अंक दिए गए हैं, जबकि राज्य कैबिनेट के निर्णयानुसार अधिक से अधिक मात्र 10 प्रतिशत अंक ही आवंटित किए जा सकते हैं।

अदालत ने कहा कि, ऑपरेशनल थैरेपिस्ट 2022 तथा हॉस्पिटल केयरटेकर-2022 की भर्ती परीक्षाओं में आर.पी.एस.सी. ने इंटरव्यू के जरिए 10 प्रतिशत अधिकतम अंक देने का निर्णय लागू किया है, ऐसे में सवाल यह उठता है कि इस भर्ती परीक्षा में आर.पी.एस.सी. ने ऐसा क्यों नहीं किया। अदालत ने इन पूरे तथ्यों को देखते हुए डॉ. रचिता माथुर द्वारा दायर सहायक प्रोफेसर (स्किन एवं वीडी) की भर्ती परीक्षा की प्रतिक्रिया को दी गई चुनौती को सही ठहराया और आरपीएससी को आदेश दिए कि वह कैबिनेट द्वारा वर्ष 2022 में दिए गए फैसले को लागू करे। अदालत ने अपने 10 जनवरी 2025 के आदेश में आरपीएससी द्वारा कि गई भर्तियों को भी रद्द कर दिया गया। अदालत ने कहा कि, आर.पी.एस.सी. ने जो रिकॉर्ड पेश किया है, उसकी प्रतिलिपि बनाई जाए और कोर्ट के रिकॉर्ड में भी दर्ज रखी जाए। हैरानी की बात यह है कि, राजस्थान हाईकोर्ट की एकलपीठ के आदेश के बाद एस.आई. भर्ती परीक्षा 2021 में अभियुक्त मंजू शर्मा और संगीता आर्या ने कोर्ट के समक्ष यह दलील प्रस्तुत की थी कि, उन्हें पेपरलीक और नकल के मामले में चार्टशीट में गलत तथ्यों के साथ फंसाया गया है। जिन आर.पी.एस.सी. सदस्यों ने उनके खिलाफ गवाही दी है, वे स्वयं पेपरलीक के आरोपी है। उन्होंने कहा कि, परीक्षाओं में इतने अभ्यर्थी आते हैं, किस अभ्यर्थी को इंटरव्यू में कितने अंक दिए जाएं, यह आंकलन करना ही असंभव होता है। परंतु डॉ. रचिता माथुर की इस याचिका में आर.पी.एस.सी. द्वारा प्रस्तुत रिकॉर्ड से स्पष्ट होता है कि दाल में कुछ काला नहीं, बल्कि पूरी दाल ही काली है। क्योंकि रिकॉर्ड के आधार पर आर.पी.एस.सी. अधिकारी अपारदर्शी, गैरकानूनी और मिलीभगत से अभ्यर्थियों को इंटरव्यू में अंक बांटने का काम कर रहे थे।

## मांडवा थानाधिकारा...

( प्रथम पृष्ठ का शेष )

रही है। सत्यापन में प्रत्येक आरोपी के बदले 5-5 लाख रुपए की मांग सामने आई। जिसके बाद 8 लाख रुपए में सौदा तय हुआ। एसीबी टीम ने ट्रैप कार्रवाई करते हुए आरोपियों को 1 लाख रुपए के वास्तविक नोट और 7 लाख रुपए के डमी नोट सहित कुल 8 लाख रुपए लेते हुए धर दबोचा। यह कार्रवाई उप महानिरीक्षक डॉ. रामेश्वर सिंह के सुपरविजन में पुलिस निरीक्षक डॉ. सोनू शेखावत के नेतृत्व में की गई।






राष्ट्रदूत ( एचयूएफ ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर ( राजस्थान ) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908